# हरियाणा विधान सभा

की

# कार्यवाही

7 मार्च, 2001 (द्वितीय बैठक)

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 7 मार्च, 2001


| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| नियम 30 के अधीन प्रस्ताव | (3)1 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (3)1 |
| कनाडा के प्रतिनिधि मण्डल का अभिनन्दन | (3)24 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (3)25 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (3)60 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (3)60 |
| वाक-आउट | (3)61 |
| राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) | (3)61 |


मूल्य : 65

# हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 7 मार्च, 2001

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

## तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

**श्री अध्यक्ष** : ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

**राव नरेन्द्र सिंह** : स्पीकर साहब, कैप्टन साहब के स्थान पर उनका सवाल मैं पूछना चाहता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : क्या आपके पास उनका कोई अथोराइजेशन लैटर है ?

**राव नरेन्द्र सिंह** : जी हां, उनका अथोराइजेशन लैटर मेरे पास है और यह मैंने सैक्रेटरी साहब को भेज दिया है।

**श्री अध्यक्ष** : ठीक है, फिर आप उनका सवाल पूछ सकते हैं।

### Post Graduate Regional Centre

***287@Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether the Govt. is aware of the fact that building of Post Graduate Regional Centre at Meerpur, District Rewari under M.D.U. Rohtak is under construction; if so, the time by which the said centre is likely to start functioning?

**शिक्षा राज्य मंत्री** (चौधरी बहादुर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी।

**राव नरेन्द्र सिंह** : स्पीकर साहब, पूर्व सरकार द्वारा रिवाड़ी जिले में रीजनल स्नातकोत्तर केन्द्र शुरू किया गया था लेकिन आज मंत्री जी के उत्तर के माध्यम से पता चला है कि उन्होंने इसके बारे में उत्तर न में दिया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस कालेज की अब क्या स्थिति है और पूर्व सरकार द्वारा जो वहां पर रीजनल कालेज चल रहा था क्या अब भी वह चल रहा है या नहीं, अगर नहीं, तो बंद क्यों है ?

**चौधरी बहादुर सिंह** : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वर्ष 1994-95 में ग्राम मीरपुर की ग्राम पंचायत ने स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, मीरपुर की समुचित स्थापना के लिए 100 एकड़ भूमि प्रदान की थी। अभी तक उस स्थल पर सड़कों तथा चारदीवारी के कार्य के लिए विश्वविद्यालय लगभग 63.00 लाख रुपये पहले ही व्यय कर चुका है। मीरपुर में वह भूमि जहां क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित होना प्रस्तावित था, एक किनारे पर स्थित नीचा

---

@Put by Rao Narender Singh

[चौधरी बहादुर सिंह]

क्षेत्र है जिसे भवन निर्माण कार्य हाथ में लेने से पूर्व दो मीटर गहराई तक भरने की आवश्यकता है। नीचे अव्यवस्थित क्षेत्र को भरने के लिए लगभग 6.00 करोड़ रुपये व्यय होगें। यह स्थल साहिबी नदी के मुख्य मार्ग के निकट है। इसके जल-प्लावित हो जाने का सदैव भय रहता है। यहां पहले ही सितम्बर, 1995 तथा दोबारा जुलाई, 1996 में बाढ़ आ चुकी है। यह स्थल रिवाड़ी के मुख्य नगर से बहुत दूर एक टेढ़े मेढ़े रास्ते पर तकरीबन 15 किलोमीटर के अन्तर पर है जो सुगमता से पहुंचने योग्य नहीं है क्योंकि वहां यातायात के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं। वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर परियोजना पर लगभग 34.00 करोड़ रुपये तक व्यय होगा और भराव का अतिरिक्त व्यय लगभग 6.00 करोड़ होगा।

इन सब कारणों को दृष्टिगत रखते हुए दिसम्बर, 1998 में स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, रिवाड़ी के निर्माण के लिए लगभग 25 एकड़ भूमि रिवाड़ी- नारनौल सड़क पर वैकल्पिक स्थल संस्थित/उपलब्ध करवाने हेतु प्रयास किए गये थे और इस आशय की रिपोर्ट 28-1-1999 को सरकार के विचार हेतु प्रस्तुत की गई थी। यह भूमि कृषि विभाग से संबंध रखती थी अत: मार्च, 1999 में वह भूमि विश्वविद्यालय अधिकारियों को स्थानान्तरित करने हेतु कृषि विभाग से सम्पर्क किया गया था। दिनांक 13-8-1999 को कृषि विभाग ने सूचित किया कि प्रश्नांकित भूमि हरियाणा लैंड डिवैल्पमैंट कारपोरेशन को पहले ही पट्टे पर दी जा चुकी है और इस प्रकार की अन्य कोई भूमि इस समय उपलब्ध नहीं है जो कि विश्वविद्यालय को इस उद्देश्य हेतु हस्तान्तरित की जा सके। अतैव स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र के भवन के निर्माण के लिए कोई समय-सीमा नहीं दी जा सकती।

वैसे पोस्ट ग्रेज्यूएट रीजनल सैंटर आपके रिवाड़ी में एक किराए पर लिए हुए भवन में वर्ष 1988-89 से चल रहा है और प्रारम्भ में अंग्रेजी, वाणिज्य, इतिहास तथा गणित के विषयों में चार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए थे और वर्तमान में भी ये पाठ्यक्रम किराए के भवन में चलाए जा रहे हैं।

**श्री कर्ण सिंह दलाल:** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अहीरवाल में रीजनल सैंटर के बारे में जानकारी दी है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि यह सैंटर रिवाड़ी ही नहीं बल्कि पूरे दक्षिणी हरियाणा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संस्था माना जाता है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अगर वहां के लोग सरकार को इस सैंटर के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करवा सकें तो क्या सरकार अपने स्तर पर कोई भी प्रयास जमीन ऐक्वायर करके इस रीजनल सैंटर को बनाने के बारे में विचार करेगी ? इसके अलावा रिवाड़ी से सोहना या रिवाड़ी से पलवल की तरफ यदि जमींदार जमीन देने को तैयार हों तो क्या माननीय मंत्री महोदय इस रीजनल सैंटर को वहां पर बदलने के लिए तैयार होंगे ?

**चौधरी बहादुर सिंह :** यह रीजनल सैंटर वहां पर किराए के भवन में चल रहा है। भवन बनाने के लिए यदि कोई जमीन मिल जाएगी तो उस बारे में विचार किया जा सकता है ।

---

## Reparing of Roads by H.S.A.M.B.

***256 Shri Nafe Singh Rathi :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total amount spent by the Haryana State Agricultural Marketing

Board on the construction/repair of roads separately in the villages during the period from 15th June, 1991 to 24th July, 1999 and from 25th July, 1999 to December, 2000 respectively ?

**कृषि मंत्री** (सरदार जसविन्द्र सिंह संधू) : अध्यक्ष महोदय, 15 जून, 1991 से 24 जुलाई, 1999 तक ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 1040.03 लाख रुपये की राशि खर्च की गई और इसी अवधि के दौरान में ग्रामीण सड़कों की मरम्मत के लिए 2406.46 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। अध्यक्ष महोदय, 25 जुलाई, 1999 से 31 दिसम्बर, 2000 तक डेढ़ साल के अर्से में हमारी सरकार के द्वारा 9768.12 लाख रुपये की राशि ग्रामीण सड़कों के निर्माण पर खर्च की गई और इसी अवधि के दौरान 8767.89 लाख रुपये की राशि सड़कों की रिपेयर पर खर्च की गई। अध्यक्ष महोदय, इनका कार्यकाल 8 साल का था और इसमें रिपेयर पर 2406.46 लाख रुपया खर्च किया गया व हमारे डेढ़ साल के अर्से में 8767.89 लाख रुपये की राशि खर्च की गई।

**श्री नफे सिंह राठी** : स्पीकर साहब, ये दोनों तरह के आंकड़े सदन के सामने हैं स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि रोड्ज बहुत बढ़िया बनी हैं लेकिन रोड्ज की साईड में जो बर्म्स होते हैं उनको ठीक कराने के लिए जे0 सी0 बी0 मशीनें खरीदने का क्या सरकार विचार रखती है और यदि हां तो क्या वे मशीनें डिस्ट्रिक्टवाईज खरीदी जाएंगी ?

**सरदार जसविन्द्र सिंह संधू** : अध्यक्ष महोदय , हमारी सरकार आने से पहले सड़कों के ऊपर चलना मुश्किल था लोग सड़क पर चलने की बजाय कच्चे रास्ते पर चलना पसंद करते थे। जैसे हमारी सरकार आई वैसे ही हम ने सड़कों के निर्माण व रिपेयर के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया है और रोड्ज के किनारे पर बर्म्स के लिए मिट्टी डालने का काम जारी है। जहां तक जे0 सी0 बी0 मशीनें खरीदने की बात कही है तो मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि हमारे पास ये मशीनें काफी हैं अगर जरुरत समझी जायेगी तो और मशीनें खरीदी जाएंगी।

**श्री धर्मबीर** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से केवल एक बात पूछना चाहता हूं कि यह मशीनरी युग है, इस प्रदेश में बहुत से मजदूर व गरीब आदमी काम करते थे क्या उनके लिए कुछ विचार किया जाएगा या मशीनें खरीदकर ही काम चलाया जाएगा।

**सरदार जसविन्द्र सिंह संधू** : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इंडियन नेशनल लोकदल की जो सरकार है इसे हरियाणा प्रदेश की 36 बिरादरियों की चिन्ता है और उनको भी अपनी इस सरकार पर पूरा भरोसा है और इस सरकार के कार्यकाल में गरीब, अमीर, मजदूर, कर्मचारी सभी वर्गों का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

**डा0 रघुबीर सिंह कादयान** : अध्यक्ष महोदय, जो खर्चा पिछले डेढ़ साल में हुआ है क्या माननीय मंत्री जी यह बताएंगे कि यह राशि ब्लॉकवाईज, कांस्टीच्यूएंसीवाईज व जिलावाईज सड़कों की मुरम्मत पर तथा उन्हें बनाने पर कितनी-कितनी खर्च हुई है?

**सरदार जसविन्द्र सिंह संधू** : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य इस बारे अलग से प्रश्न पूछ लें तो मैं इनको जानकारी दे दूंगा वैसे जिलावाईज डाटा मेरे पास है माननीय सदस्य यह बता दें कि इनको कौन से जिले की जानकारी चाहिये वह इनको दे दी जायेगी।

**डा0 रघुबीर सिंह कादयान** : अध्यक्ष महोदय, बेरी हल्के की सड़कों का बुरा हाल है वहां पर कोई रिपेयर नहीं की गई है आप भी उस हल्के में देख कर आये हैं आपकी गाड़ी का उस सड़क पर एक्सल भी टूट गया था।

**श्री अध्यक्ष:** आप इस बारे में अलग से प्रश्न पूछ लेना, मंत्री जी बता देंगे वैसे मेरी गाड़ी का कोई एक्सल नहीं टूटा था।

**Abolishing of Tosham Sub-Division**

***273. Shri Dharambir Singh :** Will the Revenue Minister be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Tosham Sub-Division was abolished by the previous Government ; and

(b) if so, whether there is any proposal to revive the said Sub-Division alongwith the time for its revival ?

**नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री** (श्री धीरपाल सिंह) :

(क) जी, हां,

(ख) जी, नहीं।

**श्री धर्मबीर सिंह :** अध्यक्ष महोदय, तोशाम सब डिवीजन बहुत पुराना सब डिवीजन था, सदन के नेता ने पिछले सैशन में भी यह कहा था कि हम इस सब डिवीजन को बना देंगे अगर सदन के नेता द्वारा दिया गया आश्वासन ही पूरा नहीं होगा तो फिर कैसे काम चलेगा।

**श्री धीरपाल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, धर्मबीर सिंह जी खुद जानते हैं कि यह तोशाम सब डिवीजन कब बना था और कब टूटा था। इनको इस बारे में जानकारी है फिर भी यह इस प्रश्न को पूछ रहे हैं। तोशाम सब डिवीजन 7-4-1993 को बना था और 9-9-1996 को तहसील बना दिया गया था। जिस आदमी ने इस सब डिवीजन को तहसील बनाया था लोगों ने उसकी कमर तोड़ दी। अब धर्मबीर सिंह जी ख्वामखाह इस प्रश्न को करने में लगे हैं।

**श्री धर्मबीर सिंह :** स्पीकर सर, मेरा प्रश्न तोशाम सब डिवीजन को बनाने बारे था जोकि एक अहम प्रश्न है। तोशाम सब डिवीजन और भिवानी जिले के साथ बिजली और पानी में भी बहुत भेदभाव किया जा रहा है। हर मामले में भेदभाव किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से इनसे यह पूछना चाहूंगा कि भिवानी जिले के सब डिवीजन ही क्यों तोड़े जा रहे हैं।

**मुख्य मंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की एक नीति है। हमने सर्वप्रथम यह घोषित किया है कि एडमिनिस्ट्रेशन को ठीक ढंग से चलायेंगे। जिस किसी ग्राम पंचायत के लोग ये रेजौल्यूशन पास करके भेजेंगे कि हम किस ब्लॉक में, किस थाने में, किस तहसील में किस सब डिवीजन में और किस जिले में जाना चाहेंगे ताकि उनको प्रशासनिक दृष्टि से सुविधा मिल सके उनके लिये बाकायदा रैदैम्यू मिनिस्टर की अध्यक्षता में हमने एक सब कमेटी बनाई हुई है, जो भी लोगों के रेजौल्यूशन आयेंगे यह सब कमेटी उस पर विचार करेगी। परन्तु शायद सम्मानित सदस्य को इस बात का ध्यान नहीं है कि आजकल जनगणना का काम चल रहा है। जनगणना का कार्य पूरा होने के बाद जो पंचायतों के रैज्योल्यूशन पास होकर आयेंगे तब इस बात पर विचार किया जायेगा।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने दो सब-डिवीजनज तोशाम और आदमपुर को एक साथ

तोड़ दिया था। चाहे उन्होंने यह निर्णय बदले की भावना से लिया था या उनकी नीयत ठीक न होने के कारण यह निर्णय लिया गया था, क्या यह सरकार उन सब डिवीजनंज को दोबारा से बनाने पर विचार करेगी और उन्हें कब तक बना देगी ?

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैंने स्पष्ट शब्दों में यह कहा है कि आजकल प्रदेश में जनगणना का कार्य चल रहा है उसका कार्य पूरा होने के बाद जो हमने सब-कमेटी बनाई है वह सब-कमेटी ग्राम पंचायतों के रैजोल्यूशनज पर विचार करेगी ।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री से जानना चाहता हूं कि हमारा प्रश्न यह था कि क्या इन दोनों सब डिवीजनों को दोबारा से बनाया जायेगा या नहीं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, ******** तो श्री भजन लाल जी की है इन्होंने पानीपत जिले को पहले तोड़ा और फिर बनाया । हमने कई मामलों में यह फैसला किया है कि हम सोच समझकर काम करेंगे ।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, हम प्रजातंत्र के साथ चलने वाले आदमी हैं। पहले बंसी लाल जी ने इसको तुड़वाया था फिर जनता ने इसको दोबारा बनवाने की मांग की। पिछले सैशन में कहा गया था कि इसको दोबारा बनायेंगे लेकिन अभी तक इस पर कोई विचार नहीं किया गया है।

**वित्त मंत्री** (प्रो0 सम्पत सिंह ) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जब मुख्य मंत्री महोदय, जी ने स्पष्ट कर दिया कि चाहे पंचायतों का कार्यक्षेत्र हो, चाहे ब्लॉक का हो, चाहे सब-तहसील बनाने का हो, तहसील का हो, चाहे सब-डिवीजन बनाने का हो या डिस्ट्रिक्ट का हो; जब तक जनगणना का काम समाप्त नहीं हो जाता और उसकी रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक न किसी की बाउंडरी बढ़ा सकते हैं और न ही घटा सकते हैं। न ही कोई सब-डिवीजन और न ही कोई सब-तहसील बना सकते हैं। इससे ज्यादा आश्वासन दे क्या चाहते है। जब मुख्य मंत्री महोदय ने स्पष्ट कहा है कि हमारा क्षेत्रवाईज कोई भेदभाव नहीं है । जो जनता की रिपोर्ट आएगी, जो रैज्योल्यूशन आएगा, चाहे वह सब-डिवीजन का हो या एक पंचायत को दो में करने का हो या कोई और सब-तहसील बनाने का हो या कुछ गांव किसी जिले के दूसरे जिले में रह गए हों, उनका थाना अलग पड़ता हो, एस0 पी0 कोई पड़ता हो, डी0 सी0 कोई पड़ता हो, इसके लिए रैवेन्यू मिनिस्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अभी कहा कि जनता ने कहा बना दिया तो बना दिया और पानीपत जिले की तहसील को तोड़ने के लिए भी कहा था। ये जनता की इच्छा के अनुसार चले हैं। जनता की इच्छा की परवाह यह सरकार कर रही है। जनता की इच्छाओं का स्वागत किया जाएगा और मुख्य मंत्री श्री ओमप्रकाश चौटाला जी ने जो आश्वासन दिया है उसको पूरा किया जाएगा।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, जनगणना का काम तो अभी हो रहा है उससे पहले इस सरकार ने क्या किया है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम किशन फौजी :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि यहां हमारे नेता का नाम लेकर बोला जा रहा है कि हमारे नेता ने इसको तोड़ा तो मैं कहना चाहूंगा कि हमारा ही नेता इसको बनाएगा। यह आपके बस की बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

---

*Expunged as ordered by the Chair.

**श्री मांगे राम गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने ठीक ही फरमाया है कि जो प्रस्ताव पंचायतों के आएंगे ब्लाक में लेने के लिए, तहसील में लेने के लिए, सब-डिवीजन में लेने के लिए, उसके मुताबिक सारी कार्यवाही करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सब-डिवीजन बनाने का ताल्लुक है उससे किसी पंचायत का कोई ताल्लुक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि जब भी हरियाणा में कोई नई सब-डिवीजन बनी है, कोई नया डिस्ट्रिक्ट बना है तो सरकार का अपना व्यक्तिगत फैसला होता है। बोर्ड बनाया गया, तब सरकार ने फैसला लिया, जब बोर्ड तोड़ा गया, तब सरकार ने अपना फैसला लिया, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि कभी रैज्योल्यूशन से सब-डिवीजन नहीं बने और न ही डिस्ट्रिक्ट बने हैं। मैं मुख्य मंत्री से अनुरोध करूंगा कि आप अपना फैसला बताएं कि यह सब-डिवीजन बनानी है या नहीं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैंने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में इस बात का उल्लेख किया है फिर भी ये सम्मानित साथी समझ नहीं पाए हैं। मुझे तो इनका दिमाग मोटा लगता है। अध्यक्ष महोदय, यहां हर किस्म के निर्णय जनतांत्रिक तरीके से लिए जाते हैं। (थम्पिंग) इसी के दृष्टिगत लोगों को सुविधा पहुंचाने के लिए, पुरानी सरकार की सारी बकायदगियां ठीक हो सकें, आम नागरिक को प्रशासनिक दृष्टि से सारी सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए हमने पिछले अधिवेशन में फ्लोर आफ दी हाउस निर्णय लिया था कि लोग अपनी सुविधा के अनुसार रैज्योल्यूशन पास करके भेजें। सवाल एक सब-डिवीजन या एक पंचायत का नहीं है यदि बहुसंख्यक पंचायतें भी रैजोल्यूशन पास करके भेजेंगी तो उस पर भी गौर किया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात फिर से दोहराना चाहूंगा कि जब तक जनगणना का कार्य पूरा नहीं हो जाता तब तक इस तरह के किसी भी मुद्दे पर विचार नहीं किया जा सकता। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री जगजीत सिंह सांगवान :** अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** सांगवान साहब प्लीज आप बैठ जायें।

---

**Irregularity Committed in Sale/ Purchse**

***261. Shri Nishan Singh :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state—

(a) whether any enquiry was conducted by the Additional Registrar, Cooperative Societies, Haryana in the year 1998 against any HCS Officer/M.D. Cooperative Sugar Mills, Shahbad regarding irregularities committed in Sale/Purchase of items and export of Sugar etc. for the year 1996-97; if so, the details thereof; and

(b) if reply to part (a) be in affirmative whether any report has been submitted by the Enquiry Officer and if so, the details thereof together with the action taken, if any, against the delinquent officer; if not, the reasons thereof ?

**सहकारिता मंत्री** (श्री करतार सिंह भड़ाना) :

(क) तथा (ख) हां, श्रीमान जी।

जांच रिपोर्ट का विवरण और उस पर की गई कार्यवाही सदन के पटल पर (अनुबन्ध क) पर रखी जाती है।

अनुबन्ध 'क'

श्री तेजभान सपुत्र श्री चुहड़ राम गांव चारुणी जाटां, जिला कुरुक्षेत्र द्वारा श्री एम0 एल0 कौशिक, एच0 सी0 एस0, तत्कालीन प्रबन्ध निदेशक, शाहबाद सहकारी चीनी मिल, शाहबाद के विरूद्ध की गई शिकायत में लगाये गये आरोपों की जांच श्री डी0 आर0 ढ़ींगरा, आई0ए0एस0, अपर रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, हरियाणा द्वारा की गई थी। जांच अधिकारी का चार आरोपों पर जांच निष्कर्ष निम्न प्रकार से हैं-

(i) पहला आरोप मशीनरी कल पुर्जे, इरेक्शन तथा फैबरिकेशन कार्य में अनियमितताओं तथा निर्यातित चीनी की ढुलाई की अधिक ऊंची दरों से सम्बन्धित हैं। इसमें से किर्लोस्कर टाईप इम्पैलर की खरीद से सम्बन्धित अनियमितताओं तथा ऊंचे दाब वाले बायलर के पुर्जों की खरीद सम्बन्धी अनियमितताएं सिद्ध हुई। इसी तरह से इरेक्शन तथा फैबरीकेशन कार्य भी अत्याधिक ऊंची दरों पर दिया गया। निर्यात की गई चीनी की ढुलाई की अधिक दरों का आरोप भी सिद्ध हुआ। किन्तु सोफ्ट सटार्टर, पम्पस तथा सेमी केस्टनर की ब्रास ट्यूब की खरीद सम्बन्धी अनियमितताओं के आरोप सिद्ध नहीं हुए।

(ii) दूसरा आरोप मै0 त्रिवेणी इंजिनियरिंग वर्कस से सम्बन्धित बैंक गारन्टी लागू करने से सम्बन्धित हैं। जांच में यह पाया गया कि प्रबन्ध निदेशक, शाहबाद सहकारी चीनी मिल ने उपरोक्त बैंक गारन्टी दिनांक 1-4-1997 को लागू की जिस दिन बैंक की छुट्टी थी। प्रबन्ध निदेशक ने इस सम्बन्ध में न्यायालय में कोई कौविएट भी दायर न करके उपरोक्त मशीनरी विक्रेता को न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त करने का अवसर दिया। यह तथ्य कि प्रबन्ध निदेशक शाहबाद सहकारी चीनी मिल ने बायलर पुर्जों के खर्च के सम्बन्ध में 9.50 लाख रुपये की बजाय 6 लाख रुपये ही डेबिट किये तथा मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग वर्कस को इनवरटरज (मूल्य /मु0 12 लाख रुपये) उठवा दिये, प्रबन्ध निदेशक द्वारा उपरोक्त कम्पनी का पक्षपात किया जाना दर्शाता है।

(iii) तीसरा आरोप चीनी की बिक्री में अनियमितताओं से सम्बन्धित है। यह आरोप कि चीनी के समय सीमा समाप्त हुए कोटे को उसी पार्टी को बिक्री की गई जिसने पहले बिक्री के दौरान चीनी नहीं उठाई थी, साबित हुआ। परन्तु यह आरोप कि पाकिस्तान को 55,000 बोरी चीनी के निर्यात आदेश को न उठाने, समय सीमा समाप्त करवाकर मिल को हानि हुई, सिद्ध नहीं हुआ। इसी प्रकार यह आरोप कि नमीयुक्त चीनी को कम दरों पर बेचा गया, सिद्ध नहीं हुआ।

(iv) चौथा आरोप चीनी स्टाक की अग्नि बीमा कराने में अनियमितताओं से सम्बन्धित है। जांच में यह सिद्ध हुआ है कि सम्बन्धित रिकार्ड में जानबूझकर छेड़छाड की गई तथा प्रबन्ध निदेशक द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध तुरन्त कर्यवाही नही की गई।

[श्री करतार सिंह भड़ाना]

## कार्यवाही

जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने प्रबन्ध निदेशक और मिल के अन्य अधिकारियों जिनमें मुख्य अभियन्ता, मुख्य लेखा अधिकारी तथा श्रम कल्याण अधिकारी भी शामिल हैं, के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही तथा उनके विरुद्ध हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 की धारा 101 के तहत सरचार्ज कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। चूंकि श्री कौशिक, एच0 सी0 एस0 अधिकारी हैं, इसलिए मुख्य सचिव, हरियाणा को सरकार के पत्र दिनांक 18-5-99 द्वारा उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया है। आगामी कार्यवाही मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा की जा रही है। सरचार्ज कार्यवाही के बारे रजिस्ट्रार सहकारी समितियां ने अपने पत्र दिनांक 21-4-2000 द्वारा संयुक्त सचिव सहकारिता को जांच करने हेतु हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 की धारा 101 के अन्तर्गत जांच अधिकारी नियुक्त किया। लेकिन श्री जैन बतौर संयुक्त सचिव गृह-1 स्थानान्तरण होने से पूर्व जांच पूरी नहीं कर सके। रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, हरियाणा ने अपने आदेश दिनांक 28-2-2001 द्वारा श्री जे0 पी0 नारायण, अपर रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां हरियाणा को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

जांच रिपोर्ट में वर्णित मिल के अधिकारियों जैसे मुख्य लेखा अधिकारी, मुख्य अभियंता तथा श्रम कल्याण अधिकारी आदि के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने हेतु दिनांक 23-7-99 को जांच रिपोर्ट शाहबाद चीनी मिल को भी भेजी गई। उनके विरुद्ध आगामी कार्यवाही मिल प्राधिकारियों द्वारा की जा रही है।

**श्री निशान सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि 1998 के दौरान किसी एच0 सी0 एस0 अधिकारी के खिलाफ सहकारी चीनी मिल, शाहबाद में कोई जांच की गई। अगर जांच की गई तो जांच अधिकारी ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है उसका विवरण बताया जाये कि उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई।

**नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) :** अध्यक्ष महोदय, जांच की जो रिपोर्ट आई है वह ज्यों की त्यों सदन के पटल पर रखी हुई है। उसका जो भी निष्कर्ष निकला वह उस रिपोर्ट में लिखा हुआ है।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मंत्री महोदय ने शाहबाद सहकारी चीनी मिल के बारे में जो जानकारी दी है उसी के आधार पर सप्लीमैंटरी पूछना चाहता हूं कि शूगर मिल बहुत बड़े पैमाने पर इस तरह की खरीद करती है।

**श्री अध्यक्ष :** दलाल साहब आप सवाल पूछें । सुझाव न दें।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि हरियाणा में जितनी भी शूगर मिल्ज हैं वे जो खरीददारी करती हैं उसको वे स्वयं खरीदने की बजाय जो कैबीनेट की सब कमेटी बनी है उसके तहत खरीदा जाये। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि शूगर मिल्ज जो खरीदती है उसे कैबीनेट की सब कमेटी के परिव्यू में रखा जाये।

**श्री अध्यक्ष :** दलाल साहब आप तो सुझाव दे रहे हैं सवाल नहीं पूछ रहे, प्लीज आप बैठें।

**श्री धीरपाल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने हरियाणा की सभी शूगर मिल्ज के कल पुर्जों और जो दूसरी खरीददारी है उसके बारे में पूछा है और यह सवाल केवल शाहबाद चीनी मिल से सम्बन्धित है। इसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि इसमें चार आरोप लगे थे और चार आरोपों में से तीन आरोपों में अनियमितता पाई गई और उसके बाद शिकायतकर्ता ने माननीय मुख्य मंत्री के उड़न दस्ते से इन्क्वायरी कराने का अनुरोध किया था और उड़न दस्ते के अलग-अलग ढंग द्वारा इन्क्वायरी करने पर अब दफा-7 के तहत कार्यवाही चल रही है।

---

## Transfer of Land

***326. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether any proposal is under consideration of the Govt. to transfer the land, already acquired for establishing the modern fruit and vegetable marketing centre by the Haryana State Agriculture Marketing Board near Rai in District Sonepat to Haryana State Industrial Development Corporation during the year 2000-2001, if so, the details thereof ?

**कृषि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह संधू) :** हां, श्रीमान् जी। सरकार ने राई में 559 एकड़ 4 कनाल 16 मरले भूमि हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम को दिल्ली से विस्थापित औद्योगिक इकाईयों को आबंटित करने के लिए हस्तान्तरित करने के आदेश दिये हैं।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, पहले तो मेरा आपसे एक निवेदन है कि यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है इसलिये इसके लिये अलग से आधे घन्टे का समय दे दें।

**श्री अध्यक्ष :** दलाल साहब, आप जो पूछना चाहते हैं, पूछिए। आपकी जल्दी तसल्ली हो जाएगी।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, यह परियोजना राई में सब्जी विपणन केन्द्र स्थापित करने के बारे में बनी थी और चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय में बनी थी, जिस पर तमाम हरियाणा प्रदेश के किसानों का भविष्य निर्धारित था। आज कृषि वैज्ञानिक काफी जोर दे रहे हैं कि किसानों को अपनी फसल बढ़ानी चाहिए। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री से यह जानना चाहूंगा कि इस परियोजना के लिए जो जमीन एक्वायर हुई थी वह कितने एकड़ एक्वायर हुई थी और उस जमीन का किसानों को क्या दाम दिया गया था। इसके अलावा आज उस परियोजना को कार्यान्वित करने में क्या दिक्कत है जबकि माननीय मंत्री जी जानते होंगे कि इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर कार्यान्वित करना चाहिए था।

**श्री अध्यक्ष :** दलाल साहब, यह बात तो मंत्री जी बताएंगे। आप केवल सवाल पूछें।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि परियोजना के लिए कितनी और क्यों जमीन एक्वायर हुई थी और उसके लिये कितना मुआवजा किसानों को दिया गया था * * * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

**श्री अध्यक्ष :** जो 1500 एकड़ वाली बात है, वह रिकार्ड न की जाये। दलाल साहब, क्यों का दायित्व आपका नहीं है। आप केवल सवाल पूछें।

**सरदार जसविन्द्र सिंह संधु :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय विधायक जी को पहले ही बता चुका हूं कि इस परियोजना के लिये 559 एकड़ 4 कनाल और 16 मरले जमीन एक्वायर हुई थी और किसी भी काम को पूरा करने के लिए छः साल का समय कम नहीं होता । 1993 में यह जमीन अधिग्रहण हुई थी उस समय में चौधरी भजन लाल की सरकार थी उसके बाद इनकी सरकार भी लगभग साढ़े तीन-पौने चार साल रही जिसमें माननीय विधायक स्वयं भी कृषि मंत्री रहे लेकिन इस कार्य को पूरा करने के लिये कुछ नहीं किया गया और न ही इस सम्बन्ध में भारत सरकार के साथ कोई सम्पर्क किया गया। हमारी सरकार आने के बाद हमारे मुख्य मंत्री जी केन्द्रीय कृषि मंत्री आदरणीय नीतिश कुमार जी से भी मिले और फ्रांस के अम्बैसडर से भी मिले तथा 20 दिसम्बर, 1999 को भारत वर्ष के प्रधान मंत्री जी को चिट्ठी लिखकर इस कार्य को कराने की कोशिश की गई। इस कार्य को कराने के लिये बड़ी मेहनत की गई लेकिन यह कार्य सिरे न चढ़ते देखकर हरियाणा प्रदेश के हितों को ध्यान में रखते हुए, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक दिल्ली में पोल्यूशन को ध्यान में रखने के मामले वहां से जो इंडस्ट्रीज बाहर की गई उनको इस जमीन में प्लाट देकर इंडस्ट्रीज लगाने के लिये हमारी सरकार ने आमंत्रित किया और हमारी सरकार के इस निर्णय की प्रशंसा स्वयं प्रधान मंत्री जी ने कल कुरुक्षेत्र में की और कहा कि हरियाणा ने यह एक बढ़िया काम किया है इससे स्टेट को काफी रैवेन्यू मिलेगा। हमारी सरकार ने स्टेट की भलाई में यह निर्णय लिया है। इस जमीन को वैसे ही थोड़ा छोड़ देना था।

**श्री मांगे राम गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने ठीक फरमाया कि दिल्ली के जो प्रदूषित उद्योग थे उनको सुप्रीम कोर्ट ने बन्द करा दिया इसीलिए उनको अपनी इंडस्ट्रीज शिफ्ट करने के लिये जगह की जरुरत थी और हरियाणा सरकार ने उन औद्योगिक इकाईयों को हरियाणा में लगाने के लिए जगह देकर एक एमरजेन्सी स्टैप लिया है और जो जमीन किसी अन्य प्रोजैक्ट के लिए थी उसे इंडस्ट्रीज लगवाने के लिये ट्रांसफर कर लिया। हम इसे बुरी बात नहीं मानते हैं। हम भी समझते हैं लेकिन क्या मुख्य मंत्री जी हाऊस को विश्वास दिलवायेंगे कि जिन लोगों को उद्योग लगाने के लिये उस जगह में प्लाट अलाट हुए हैं उन प्लाटों में वे उद्योग लगेंगे या फिर यूं ही प्लाट रह जाएंगे ?

**मुख्य मंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न कई कारणों से बड़ा महत्वपूर्ण हो गया है इसलिये मैं इस सम्बन्ध में सदन को बड़े विस्तार से बताना चाहूंगा कि जब मांगे राम गुप्ता जी की सरकार थी तो राई में एक सब्जी मण्डी बनाने के उद्देश्य से 10 करोड़ की लागत से जमीन अधिग्रहण की गई थी और 1 करोड़ 15 लाख रुपये इस जमीन की चार दीवारी बनाने पर भी खर्च किये गये थे लेकिन इनकी सरकार के वक्त ही केन्द्र की सरकार ने उस फैसले को रद्द कर दिया और जिस योजना के तहत यह मण्डी बनाने का निर्णय लिया गया उसकी बजाय आजादपुर मण्डी को बढ़ावा दे दिया गया क्योंकि इनकी बात में कोई वजन नहीं था। इनकी सरकार को कोई मान्यता नहीं मिलती थी और इनकी कोई पूछ नहीं थी। जब वहां हरियाणा प्रान्त के अहम् मुद्दों पर फैसले हुआ करते थे तो इनके मुख्य मंत्री एक चपड़ासी की तरह कमरे के बाहर बैठा करते थे। उस समय आपकी सरकार की कोई मान्यता नहीं थी इसलिये 10.00 बजे उस फैसले को बदल दिया गया। जब हमारी सरकार आई तो हमने अपनी तरफ से

बहुत प्रयास किए इसके अलावा फ्रैंच के एम्बैसडर की एक प्रोपोजल थी हमने उनके साथ भी सम्पर्क स्थापित किया और मांगे राम जी हमने प्रधान मंत्री जी को इस मामले के बारे में 20 दिसम्बर, 1999 को एक पत्र लिखा वह मैं आपके सामने पढ़ कर सुना देता हूं ताकि सदन को इस बात का पता लग जाए कि हम कितने प्रयासरत हैं। इस पत्र का सब्जैक्ट आधुनिक बागवानी मार्केटिंग एवं प्रोसैसिंग कम्पलैक्स, राई, जिला सोनीपत था। आदरणीय प्रधान मंत्री जी को हरियाणा सरकार द्वारा समय समय पर कृषि मंत्रालय, भारत सरकार को अवगत कराया जाता रहा है कि हरियाणा सरकार हरियाणा राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से राई, जिला सोनीपत में राष्ट्रीय राजमार्ग नं0 1 पर 560 एकड़ भूमि पर एक अति आधुनिक बागवानी मार्केटिंग एवं प्रोसैसिंग परियोजना बनाने जा रही है। इसकी चार दीवारी व स्थल कार्यालय बनाया जा चुका है। इस परियोजना का मुख्य ध्येय दिल्ली को भीड़ भाड़ की समस्या से बचाने और फल एवं सब्जी को ठीक ढंग से किसानों से ले कर उपभोक्ता तक पहुंचाना है। इस परियोजना से हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व राजस्थान के किसान लाभान्वित होंगे। भारत सरकार द्वारा इस परियोजना को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट इंडोफ्रैंच प्रोटोकोल के अन्तर्गत बनवानी थी, जो परिपक्व नहीं हो सकी फिर भी भारत सरकार ने इस परियोजना के लिये तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का आश्वासन दिया था। इस परियोजना बारे कलकत्ता, मुम्बई और बंगलौर आदि महानगरों के बारे भारत सरकार ने एक व्यावहारिकता अध्ययन रिपोर्ट भी बनवाई और उस पर विचार विमर्श करने के लिए सम्बन्धित राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को श्री जे0 एन0 एल0 श्री वास्तव, विशेष सचिव, कृषि, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 10-8-1999 को आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए आमन्त्रित किया। इस बैठक में प्रस्तावित परियोजना बारे भारत सरकार ने पूर्ण रुचि दिखाई। परन्तु दिल्ली मार्केटिंग बोर्ड द्वारा खानपुर कलां राष्ट्रीय राज मार्ग नं0 1 में इसी प्रकार की एक समरूप परियोजना दिल्ली में बनाने का प्रस्ताव रखा। जबकि हरियाणा राज्य कृषि मार्केटिंग बोर्ड उक्त परियोजना के लिए पहले ही भूमि अधिग्रहण कर चुका है अतः इस स्थिति में दिल्ली मार्केटिंग बोर्ड द्वारा समरूप कोई भी परियोजना बनाने का औचित्य नहीं है अपितु यह व्यर्थ व्यय ही होगा। दिल्ली मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनाई जा रही परियोजना के लिए न तो उपयुक्त भूमि है क्योंकि चयन किया गया स्थल जी0 टी0 रोड और यमुना के बीच बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र है। यह स्थान रेल मार्ग से नहीं जुड़ सकता और पर्यावरण की दृष्टि से भी ठीक नहीं है उपरोक्त स्थिति में आपसे अनुरोध है कि हरियाणा सरकार व दिल्ली मार्केटिंग बोर्ड के मध्य आए मतभेद का समाधान करने की अनुकम्पा करें। दिल्ली प्रशासन दिल्ली मार्केटिंग बोर्ड को समान परियोजना बनाने से रोका जाए। जैसाकि मैं पहले ही निवेदन कर चुका हूं हमारी परियोजना दिल्ली की भीड़-भाड़ को ध्यान में रख कर जनता के हित में बनाई जा रही है हमें पूर्ण विश्वास है कि आप के हस्तक्षेप से हम इस विशाल परियोजना को पूर्ण करने में सफल होंगे। इसी मुद्दे को ले कर हम केन्द्रीय कृषि मंत्री जी से दो दफा मिले उनसे भी हमने कहा कि हमारी 560 एकड़ भूमि है जिस पर लगभग 11 करोड़ 15 लाख रुपए खर्च हो चुका है और वह भूमि अधिग्रहण होने के बावजूद बहुत सालों से बेकार पड़ी है आप वहां पर मण्डी बनाने की अनुमति प्रदान करें।

केन्द्रीय सरकार ने उस फैसले को रद्द कर दिया। इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने की हमारी योजना थी इसलिये दिल्ली से जो औद्योगिक इकाईयां हरियाणा में आ रही थी उस स्थिति को देख कर ही हमने यह योजना बनाई है। उसके साथ ही इंडस्ट्रीयल एरिया कुण्डली भी है और उससे

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
आगे भी है। वह बीच में एक ऐसा स्थान है जहां पर औद्योगिक इकाईयां ही लगाई जा सकती हैं। मांगे राम जी, आप तो स्वयं फाईनैंस मिनिस्टर रहे हैं इसलिये आप तो जानते हैं कि सरकार किस परपज के लिए भूमि अधिग्रहण करती है किस हिसाब से इस्तेमाल करती है, यह सरकार की मर्जी पर होता है। इसलिये हमने जो बेकार जमीन पड़ी थी उस जमीन का उपयोग किया। जो प्लाट्स दिए गए, वे केवल प्लाट्स ही नहीं रहेंगे बल्कि उन पर इंडस्ट्रीज स्थापित होंगी। आज इन प्लाट्स को लेने के लिए न जाने कितने लोगों की दरख्वास्तें आ रही हैं। आज हरियाणा प्रदेश एक ऐसा इंडस्ट्रीयल प्रदेश बन गया है कि हरेक उद्योगपति व ख्याति प्राप्त विदेशी कम्पनियों ने हरियाणा प्रदेश में निवेश करने का मन बनाया है। चौधरी भजन लाल जी के समय व बंसी लाल जी के समय में उद्योग यहां से पलायन करने लग गए थे । लोग अपनी जीविका कमाने के लिए अपने बच्चों को छोड़ कर दूर जाकर मजदूरी करने पर मजबूर हो रहे थे। अब वह समय नहीं रहा । (शोर एवं विघ्न) उद्योग के मामले में आज हरियाणा प्रदेश की हर जगह पर सराहना हो रही है। जापान के 60 लोगों का औद्योगिक दल जैट्रो कम्पनी की अध्यक्षता में हरियाणा में आया था (शोर एवं विघ्न) मैं आप लोगों की पूरी तसल्ली करवा दूंगा। कुछ लोगों ने इस जमीन के नाम पर, औद्योगिक इकाई के नाम पर राजनैतिक रोटियां भी सेकने का प्रयास किया है। यहां पर इन लोगों ने कहा कि मौजूदा सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है। मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पिछली दफा जब जीरी का मामला आया था तो उस वक्त अपने प्रदेश के साथ-साथ यू0 पी0 व पंजाब के किसानों के हितों की रक्षा के लिए हरियाणा सरकार ही आगे आयी थी। हम हरियाणा प्रदेश को एक औद्योगिक प्रदेश बनाने जा रहे हैं। (शोर एवं विघ्न) यह एक बहुत अहम् मुद्दा है। आप लोगों के समझ से बाहर की बात है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर इस बात को लेकर यह प्रचारित किया गया कि किसानों की सब्जी मण्डी के लिए जो जमीन थी, उस पर सब्जी मण्डी न बना कर औद्योगिक इकाईयां स्थापित करने के लिए प्लाट्स काटे जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने जो गलत प्रचार किया, उस बारे में मैं इस सदन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोगों को बताना चाहूंगा कि यह सरासर गलत है। ये इस मुद्दे पर राजनैतिक रोटियां सेकने की कोशिश न करें । (शोर एवं विघ्न) आप को मैं राजीव-लोंगोवाल समझौते के बारे में भी बताऊंगा ! (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, इनसे पूछो कि क्या इनकी इस सवाल के बारे में मेरे जवाब से तसल्ली हो गयी है या नहीं। अगर नहीं हुई है तो और तसल्ली करवा दूंगा।

**चौधरी भजन लाल** : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

**श्री अध्यक्ष** : चौधरी भजन लाल जी, यह क्वैश्चन आवर है, आपको अपनी बात कहने के लिए समय मिलेगा इस समय आप अपनी सीट पर बैठें (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। श्री देवराज दीवान अपना प्रश्न पूछें।

---

**Upgradation of Schools**

***519. Shri Dev Raj Diwan :** Will the Minister of State for Education be pleased to state that whether there is any proposal under consideration of the

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Government to upgrade the Schools of the following villages of District Sonepat :—

(i) Government High School, Chitana to Senior Secondary School;

(ii) Government High School Mohana to Senior Secondary School;

(iii) Government High School, Huledi to Senior Secondary School;

(iv) Government High School, Pinana to Senior Secondary School;

(v) Government High School, Kakroi to Senior Secondary School;

(vi) Government Primary School, Chatia Auhlia to Middle School;

(vii) Government Primary School, Khirajpur Jat Majra to Middle School;

(viii) Government Primary School, Kalupur to Middle School;

(ix) Government Primary School, Dauduwa to Middle School;

**शिक्षा राज्य मंत्री** (चौधरी बहादुर सिंह) :

1. रा0 प्रा0 पा0 चटिया ओलियां, खिजरपुर जट, दुदवा स्तर वर्ष 2000-2001 में बढ़ाया जा चुका है।
2. रा0 उ0 वि0 ककरोई को स्तरोन्नत करने की घोषणा मुख्य मंत्री महोदय द्वारा की गई है इसका मामला विचाराधीन है।
3. रा0 उ0 वि0 चिटाना, मोहना, हुलेड़ी, पिनाना एवं रा0 प्रा0 पा0 कालूपुर का कोई मामला विचाराधीन नहीं है।

**श्री देव राज दीवान** : अध्यक्ष महोदय, मेरे जिला सोनीपत के 4-5 गांवों के बारे में मंत्री जी ने कहा कि विचाराधीन नहीं हैं। यहां गरीब लड़कियां हजारों की संख्या में हैं। यहां जो गरीब लड़के और लड़कियां हैं उनको पढ़ने के लिए 15-20 किलोमीटर की दूरी पर सोनीपत जाना पड़ता है। जिसके कारण उनको बहुत दिक्कत है और बच्चे इस दिक्कत की वजह से अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। मेरे यहां जुआं और कालूपुर के गांवों में दो स्कूल हैं। जब से हिन्दुस्तान आजाद है इनको अपग्रेड नहीं किया गया है। इन स्कूलों की तरफ किसी भी पूर्व सरकार ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया है। आज हमारे मुख्यमंत्री जी की नजर इधर जमी हुई है और मैं उम्मीद करता हूं कि उनका ध्यान इस तरफ जाएगा। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे इस तरफ ध्यान दे कर इन स्कूलों को अपग्रेड करने की कृपा करेंगे ?

**चौधरी बहादुर सिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को कहना चाहूंगा कि वे स्कूलों के नॉर्म्ज पूरे करवा कर प्रस्ताव सरकार को भिजवा दें तो उसके बाद इन पर विचार किया जाएगा।

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसला** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि यह कहा जाता है कि इतनी जमीन होनी चाहिये, इतने कमरे होने चाहिएं (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर अध्यापक पढ़ाने वाले हों तो चाहे जमीन न भी हो और चाहे कमरे न भी हों फिर भी स्कूल में शिक्षा दी जा सकती है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा यह निवेदन है कि इस बात पर बल देना चाहिये कि अध्यापक अच्छे हों क्या सरकार इस बारे में

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]
विचार करेगी और यह सोचेगी। अगर अध्यापक की नीयत पढ़ाने की है तो बिना कमरे और स्कूल की जमीन के भी शिक्षा दी जा सकती है । (विघ्न)

**नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री** (श्री बीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में हाईकोर्ट ने डायरैक्शन्ज दी हुई हैं और नॉर्म्ज बनाए हुए हैं। (विघ्न)

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल माननीय शिक्षा मंत्री जी से है, क्या वे यह बताने की कृपा करेंगे कि अगर अध्यापक हैं और कमरे नहीं हैं या स्कूल नहीं हैं और इस बारे में हाईकोर्ट ने नॉर्म्ज फिक्स करने के लिए निर्णय दिया है, तो क्या इस बारे में हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ सुप्रीमकोर्ट में कोई अपील की जा सकती है ?

**चौधरी बहादुर सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमने काफी स्कूलों को अपग्रेड करने की परपोजल बनाई थी लेकिन हाईकोर्ट के निर्णय की वजह से वे अभी पैंडिंग पड़े हुए हैं। सरकार ने जो नॉर्म्ज बनाए हैं वे हाईकोर्ट के डायरैक्शन्ज के अनुसार बनाए हैं। उसके अनुसार जो भी केस आता है सरकार उसको कन्सीडर करती है और स्कूलों को अपग्रेड करती है। बाकी कोई प्रस्ताव अगर है तो वह नॉर्म्ज के मुताबिक भिजवाएं तो उसको कंसीडर करेंगे ।

**वित्त मंत्री** (प्रो0 सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय शिक्षा मंत्री जी ने बिल्कुल ठीक कहा है। एक बार काफी स्कूलों को अपग्रेड कर दिया गया था उसके बाद उन स्कूलों की अपग्रेडेशन को छोड़ना पड़ा था। हमारी सरकार से पहले जो सरकार आई थी उस सरकार के खुद मंत्री जी के हल्के के एक गांव की गांव पंचायत ने हाई कोर्ट में मामला डाला था हमारे नार्म्ज पूरे नहीं हैं तब उस के ऊपर हाईकोर्ट ने डायरैक्शन्ज दी थीं कि अगर आप स्कूल अपग्रेड करें तो आपको नॉर्म्ज को मानना पड़ेगा जिसके अन्दर बच्चों, जमीन और कमरों की बात है। अब जो कुछ भी है वह नॉर्म्ज के हिसाब से ही होगा, पर्सनल क्लिम्ज या पर्सनल वायस से कुछ नहीं होगा। मिडल, हाई या हायर सैकेण्डरी स्कूलों के अपग्रेडेशन के जो नॉर्म्ज हैं जो स्कूल उन नॉर्म्ज को पूरा करेंगे उनको बाकायदा अपग्रेड किया जाएगा। (विघ्न)

**मुख्यमंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि कैबिनेट की मुश्तरका जिम्मेवारी होती है और पार्लियामैंट अफैयर्ज मिनिस्टर की तो विशेष जिम्मेवारी है कि वह किसी भी समय इन्ट्रप्ट करके जवाब दे सकता है। मैं बिसला जी की तसल्ली करवाना चाहूंगा यह बात ठीक है कि ये ला-ग्रैजूएट हैं और इनकी वकालत नहीं चलती थी वह अलग बात है इनके पड़ौस में श्री बंसी लाल जी भी बैठे हुए हैं और ये अपने समय 380 स्कूल अपग्रेड कर गए थे और इन्हीं के इलाके के लोगों ने हाईकोर्ट में रिट की है। हम तो हर 6 से 14 साल के बच्चे को शिक्षा देना चाहते हैं। जहां पर भी नॉर्म्ज के हिसाब से पूरे कमरे हों, जितनी जमीन चाहिए वह हो, और जितने बच्चे नॉर्म्ज के हिसाब से होने चाहियें वे हों, तो हम वहां पर स्कूल को अपग्रेड करेंगे और इसके लिए हम वचनवद्ध हैं। (शोर एवं व्यवधान)

## Computerisation of Treasuries

***307. Shri Sher Singh,** : Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to computerize all the treasuries in the State; if so, whether the payments are being made or likely to be made through computerized bills.?

**वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह )** : जी हां। सरकार ने राज्य के सभी खजानों को कम्प्यूटराईज करने का निर्णय ले लिया है। पूर्ण कम्प्यूटराईजेशन के पश्चात् पैसे का लेन देन और बिल स्वीकार करने का काम खजानों में कम्प्यूटरों द्वारा किया जायेगा।

**श्री शेर सिंह** : अध्यक्ष महोदय, यह कार्यवाही कब तक हो जाएगी और इस पर कितना खर्चा आएगा। कृपया मंत्री जी यह भी बता दें।

**प्रो0 सम्पत सिंह** : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह बहुत ही अच्छा प्रश्न पूछा है। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि इसमें टोटल 4 करोड़ 84 लाख रुपया खर्च होंगे । हमारे यहां पर 80 सब-ट्रेजरीज हैं और 21 डिस्ट्रीक्ट ट्रेजरीज हैं। इन सभी को कम्प्यूटराईज किया जाएगा ऑन लाईन किया जाएगा। जहां तक इन्होंने कितने समय में यह काम पूरा हो जाएगा के बारे में पूछा है तो मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि नैक्सट फाईनांशियल ईयर में सारी ट्रैजरीज कम्प्यूटराईज हो जाएंगी।

**श्री शेर सिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि कम्पयूटराईज होने से कितने लोग बेरोजगार हो जाएंगे।

**प्रो0 सम्पत सिंह** : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह जो सवाल किया है यह भी बहुत ही अच्छा सवाल किया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि कम्प्यूटराईजेशन की वजह से कोई भी बेरोजगार नहीं होगा। इसके लिए जो पोस्टस सैंक्शन की गई हैं उस बारे में भी मैं इनको बता देता हूं। इसमें टोटल 26 पोस्टस सैंक्शन की गई हैं। हर ट्रैजरी में जुनियर प्रोग्रामर होगा, 4 मुलाजिम डिस्ट्रीक्ट आफिस में होंगे इनमें से दो असिस्टैंट और दो जुनियर प्रोग्रामर होंगे। 21 तो टोटल डिस्ट्रीक्ट ट्रेजरीज हैं। ये 26 वे पोस्टस हैं जो खाली पड़ी हुई थीं उनको ही हम अडजैस्ट करेंगे। इससे कोई बेरोजगारी नहीं होगी बल्कि सिस्टम ठीक से चलेगा ।

**श्री कृष्ण लाल** : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में चौधरी देवीलाल ने 1987 में बल्ला को सब तहसील बनाया था । 1991-96 के दौरान में श्री भजन लाल जी की सरकार के वक्त उसको तोड़ दिया गया था। लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के आने के बाद उसको दोबारा से बहाल कर दिया है। इसके लिए मैं इनका धन्यवादी हूं । मैं मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि वहां पर सब-ट्रैजरी नहीं हैं तो क्या ये वहां पर भी सब-ट्रैजरी खोलने का कष्ट करेंगे ?

**प्रो0 सम्पत सिंह** : स्पीकर साहब, जहां तक सब ट्रैजरी खोलने की बात है मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह सवाल तो कम्प्यूटराइजेशन का है। सब ट्रेजरी खोलने की बात अलग है फिर भी मैं इनको बता देता हूं कि इसके नॉर्म बने हुए हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से भी इस काम के लिए मंजूरी लेनी पड़ती है और बैंक से भी इसकी हां करवानी पड़ती है। अगर बैंकिंग के हिसाब से यह वायबल होगी तो हम जरुर इस को खोलने के बारे में विचार कर लेंगे।

**Construction of Bus Stand at Nangal Chaudhry**

***541. Rao Narender Singh :** Will the Minister for Transport be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bus stand at Nangal Chaudhry ; and

(b) if so, the cost thereof ?

**परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार ) :**

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

**राव नरेन्द्र सिंह :** स्पीकर साहब, मंत्री जी की हमसे ऐसी क्या नाराजगी है कि उन्होंने कह दिया कि प्रश्न ही नहीं उत्पन्न होता। मैं उनको बताना चाहूंगा कि नांगल चौधरी सब तहसील है और यह हरियाणा का आखिरी स्थान है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अगर यह बस स्टैंड वे इस योजना में नहीं बना सकते तो क्या अगली योजना में इसको बनाने का सदन में आश्वासन देंगे ?

**श्री अशोक कुमार :** स्पीकर सर, सरकार की न तो साथी विधायक से और न ही किसी अन्य से कोई नाराजगी है। जहां तक नांगल चौधरी के बस स्टैंड की बात है मैं इनको बताना चाहूंगा कि जिस समय हरियाणा प्रदेश बना था उस समय केवल दो ही बस स्टैंड थे और आज 82 बस स्टैंड हैं। जैसे-जैसे लोगों की जरुरत होती है उसी हिसाब से बस स्टैंड बना दिए जाते हैं। अगर नांगल चौधरी में भी बस स्टैंड की जरुरत होगी तो उसका भी सर्वे करवाकर उसको भी बनाने का प्रयास करेंगे।

**श्री रामभगत :** अध्यक्ष महोदय, नारनौंद में लगभग तीन साल पहले एक बस स्टैंड बनाने की स्वीकृति दी गई थी । लेकिन आज हमें इसके बारे में कोई ठोस क्रियान्वयन नजर नहीं आ रहा है। मैं आपकी मार्फत मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि नारनौंद का बस स्टैंड कब तक बना दिया जाएगा क्योंकि इस की वहां पर निहायत जरुरत है ?

**श्री अशोक कुमार :** स्पीकर सर, यह सवाल तो नांगल चौधरी के बस स्टैंड के बारे में था। अगर ये नारनौंद बस स्टैंड के बारे में जानना चाहते हैं तो उसके लिए अलग से नोटिस दें।

**राव नरेन्द्र सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं परिवहन मंत्री जी का धन्यवाद करुंगा कि उन्होंने हमारे यहां पर बस स्टैंड बनाने के लिए हां कह दी है लेकिन मैं उनसे यह भी जानना चाहूंगा कि कब इसका सर्वे करवा देंगे।

**श्री अशोक कुमार :** जल्दी करवा देंगे।

---

**Increasing Population**

***299. Sh. Rajinder Singh Bisla :** Will the Minister of State for Health be pleased to state :—

(a) whether it is fact that the population of the State is increasing rapidly; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to control the population in the interest of the State ?

**स्वास्थ्य राज्य मंत्री** (डा0 एम0 एल0 रंगा) :

(ए) नहीं श्रीमान जी, राज्य की जनसंख्या तेजी से नहीं बढ़ रही है।

(बी) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति-2000 के आधार पर राज्य सरकार द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रम की कार्यकारी योजना तैयार कर दी गई है तथा जनसंख्या पर रोक लगाने हेतु स्वास्थ्य विभाग पग उठा रहा है :-

स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण सुविधांए लोगों तक पहुंचाने के लिए निम्नलिखित सेंवाएं प्रदान की जा रही हैं।

**1. परिवार कल्याण सेवाएं**

— बंधीकरण (पुरुष एवं महिला ) सेवाएं।
— आई0 यू0 डी0 सेवाएं।
— निरोध तथा गर्भ निरोधक गोलियां मुफ्त बांटने की व्यवस्था।

**2. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं**

— पूर्व प्रसव पंजीकरण ।
— प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान तथा प्रसव उपरान्त देखरेख ।
— ताकत की गोलियां बांटना।
— गर्भवती महिलाओं को टैटनस के टीके लगाना।
— बच्चे को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण करना।
— अन्धेपन को रोकने के लिए विटामिन ए दिलाना ।
— नवजात शिशुओं की देखभाल।
— दस्त, उल्टी के केसों को जीवन रक्षक घोल बांटना।
— स्वास्थ्य संस्थाओं में/प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा डिलीवरी करना।
— एफ0 आर0 यू0 स्तर पर जच्चा बच्चा को आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराना ।
— निमोनिया इत्यादि के कन्ट्रोल करना।

**3. आर0 सी0 एच0 (रीप्रोडक्टिव चाइल्ड हैल्थ)**

जोकि एक विश्व बैंक की सहायता से चलाया जा रहा प्रोग्राम है। परिवार कल्याण एवं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने में सहायता कर रहा है।

इन सभी सेवाओं से जच्चा बच्चा दोनों की अच्छी देखभाल होगी तथा लोगों को यह विश्वास होगा कि उन्हें जो बच्चे पैदा होंगे वे जीवित रहेंगे तथा स्वस्थ रहेंगे जिससे कि वे छोटा परिवार अपनाने में रुचि दिखायेंगे तथा जनसंख्या नियंत्रण भी हो जायेगा।

**4. राज्य जनसंख्या आयोग**

जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को दिशा देने तथा अन्य विभागों से तालमेल बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने राज्य जनसंख्या आयोग का गठन किया है जिसके अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा हैं।

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसला :** अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा कि जैसे मंत्री जी ने कहा है कि जनसंख्या उतनी तेजी से नहीं बढ़ रही है जितनी पहले बढ़ रही थी। मैं तो कहता हूं कि आज देश के सामने सबसे जटिल समस्या ही यह है कि पोपूलेशन बहुत ही तेजी से बढ़ रही है। मंत्री जी के द्वारा मेरे इतने महत्वपूर्ण प्रश्न के बारे में इतनी ढिलाई और नरमी से उत्तर देना मेरी समझ में नहीं आता है। मंत्री जी ने सदन के पटल पर इस बारे में सूचना रखते हुए कहा है कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में स्टेट कमीशन आन पोपूलेशन का गठन किया गया है। मैं इनसे जानना चाहूंगा कि इस कमीशन में मुख्यमंत्री जी के अलावा और कौन-कौन शामिल किए गए हैं ? क्या मंत्री जी सदन को यह भी आश्वासन देंगे कि बहुत जल्दी ही ऐसी पोपूलेशन पोलीसी स्टेट में बनायी जाएगी जिसके तहत एक आदमी के पास दो बच्चों से ज्यादा न हों क्या इस प्रकार की कोई पोलिसी को वे बनायेंगे ?

**मुख्यमंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर उसी बात को दोहराऊंगा कि अभी जनगणना हो रही है इसमें पूर्ण रूप से सारे आंकड़े आ जाएंगे। इसलिए अच्छा होगा कि इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही माननीय साथी इस महत्वपूर्ण प्रश्न को पूछेंगे तो उससे ज्यादा लाभ मिलेगा। यह तो हम भी मानते हैं कि जनसंख्या बढ़ रही है लेकिन जिस रेशों से यह पहले बढ़ती थी उस रेशों से अब यह कुछ घटी है। यह एक अच्छी बात है। इसके लिए आपके पड़ौसी ने सख्ती से काम शुरु किया था लेकिन हमने लोगों को शिक्षित किया है लोग इस बात को समझ गए हैं। जनसंख्या घटनी चाहिये लेकिन चौधरी बंसी लाल वाला तरीका नहीं होना चाहिये कोई दूसरा तरीका होना चाहिये ।

**डा0 जय प्रकाश शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, जनसंख्या का जो सवाल हाउस में मेरे साथी सदस्य ने किया है यह बड़ा अहम सवाल है और इसको इतना लाइटली नहीं लेना चाहिये । यह सब लोगों की जिम्मेदारी है, जनसंख्या बढ़ी है हरियाणा की भी बढ़ी है और इसको रोकने के लिए क्या स्टैप्स लिए हैं। मैं स्वास्थ्य मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि पिछले एक साल में कितने लाख, कितने करोड़ जनसंख्या बढ़ी है और इसको रोकने के लिए क्या स्टैप्स लिए हैं और फैमिली प्लानिंग का क्या प्रोग्राम है ? यह जानने के बाद मैं अपना सुझाव भी दूंगा।

**डा0 एम0 एल0 रंगा :** अध्यक्ष महोदय, जो मैंने प्रश्न का जवाब दिया था वह आंकड़ों पर आधारित है । 1971 में जब जनसंख्या के आंकड़े दिये गये थे तो हरियाणा में जनसंख्या 1 करोड़ 36 हजार 431 थी इसके बाद 20 साल के बाद जनगणना की गई तब 1 करोड़ 64 लाख 3 हजार 648 थी जिसमें 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई, 10 साल के बाद जब 20-7-2000 को आंकड़े मंगवाए गए तब हरियाणा की जनसंख्या 1 करोड़ 99 लाख 27 हजार आई जो कि अपने आप में दर्शाता है कि पिछले दो दशकों के मुकाबले में एक दशक में बढ़ौतरी केवल 21 प्रतिशत की हुई। इन आंकड़ों के आधार पर हम कह सकते हैं कि हरियाणा में जनसंख्या वृद्धि उस गति से नहीं बढ़ी। हमने इस गति को रोकने के लिए जो प्रयास किए हैं वह मैं अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि राष्ट्रीय जनगणना नीति के अनुसार व राष्ट्रीय जन संख्या कंट्रोल नीति के अनुसार राज्य में कल्याण नीतियां लागू की हैं। परिवार कल्याण योजना नीति जिसमें पुरुष और महिला बन्धयाकरण, आई0 वी0 डी0 सुविधायें लागू की हैं निरोध को प्रदान करना हमने लागू किया है, गर्भ निरोधक गोलियां बांटने की योजना लागू की है और इसके लिए मातृ प्रसव शिशु योजना के तहत गर्भधारण के समय महिलाओं की उचित जांच की जाती है जो

कि प्रसव के पहले, प्रसव के दौरान व प्रसव के बाद भी की जाती है। टीकाकरण किया जाता है व कौन सी दवाईयां देनी हैं, एच0 बी0 वगैरह टैस्ट करना है इसका भी हमारी सरकार ने आर0 सी0 एच0 स्कीम के तहत प्रावधान किया है जिसका मुख्य उद्देश्य यह है कि री-प्रौडक्ट चाइल्ड को कैसे ठीक रखा जाए (शोर एवं विघ्न) कई बार बच्चा किसी बीमारी की वजह से मर जाता था इससे बचाव के लिए हमने इस व्यवस्था को सुनिश्चित किया है जो भी बच्चा पैदा होता है उसका स्वास्थ्य कैसा हो उसकी मां का स्वास्थ्य ठीक रहे। (विघ्न)

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसला** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि सारे देश में हरियाणा प्रदेश ने लीड किया है, अच्छी खेलकूद नीति दी है। अच्छी इंडस्ट्रियल पौलिसी दी है और हिन्दुस्तान के दूसरे प्रदेश उससे कॉपी कर रहे हैं मेरा मतलब अच्छी फैमिली प्लानिंग पौलिसी बनाने के बारे में है जिससे कि उसे भी दूसरे प्रदेश कॉपी करें। वैसे मुख्यमंत्री जी के जवाब ने काफी संतुष्ट किया है लेकिन मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हाउस को थोड़ा सा मिसलीड न करें।

**डा0 एम0 एल0 रंगा** : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जनसंख्या की नीति के लिए राज्य में जनसंख्या आयोग का गठन किया है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, श्री बिसला का प्रश्न एक बड़ा जरुरी प्रश्न था जो कि लुप्त हो गया। इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि यह मुद्दा किसी एक दल विशेष का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का है। मैं बिसला जी की बात से शत प्रतिशत सहमत हूं। जनगणना न बढ़े इसके लिए पूरे प्रयास किये जाने चाहियें । उस कमेटी में सदन की तरफ से श्री जयप्रकाश शर्मा को और आपको भी शामिल कर लिया जायेगा और कोई दूसरा साथी भी इसमें शामिल होना चाहे तो उसको भी इस कमेटी में शामिल कर लिया जायेगा क्योंकि यह एक अहम मुद्दा है। इस पर हम बारीकी से अध्ययन करेंगे और यह प्रयास करेंगे कि जनसंख्या घटे।

**श्री अध्यक्ष** : मैम्बर्ज साहेबान, अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है।

---

## नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

### Budget Allocation for the Free Medicines

***374. Shri Dan Singh** : .Will the Minister of State for Health be pleased to state the total budget allocation for the supply of free medicines in the Government Hospitals in the State during the last year together with the amount of medicines supplied to the Government Hospital, Mahendergarh ?

**स्वास्थ्य राज्य मंत्री** (डॉ0 एम0 एल0 रंगा) : वर्ष 1999-2000 में "मैटिरियल एण्ड सप्लाई " के अन्तर्गत दवाईयों की खरीद के लिए 7,15,20,536 रुपये की धनराशि ऐलोकेट एवं खर्च की गई थी। इस धन राशि में से 3,92,175 रुपये सरकारी अस्पताल, महेन्द्रगढ़ की दवाईयों की खरीद पर खर्च किए गए थे।

**Opening of Veterinary Dispensary in Nimli**

***371. Shri Jagjit Singh Sangwan :** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open the veterinary dispensary at village Nimli, Tehsil Charkhi Dadri, District Bhiwani if so, the time by which it is likely to be opened ?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौधरी मोहम्मद इलियास) : जी नहीं।

---

**Construction of Office Building in Hodel**

***355. Shri Udai Bhan:** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that the offices of S. D. M. and D. S. P., Tehsildar and Naib Tehsildar etc. are functioning temporarily in the building of Block Development and Panchayat Officer Hodel and the work of the said offices is suffering adversely due to the lack of space therein; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to acquire the land and to construct the building for the offices referred to in part (a) above ?

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह ) :

(क) जी, हां। तथापि कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

(ख) जी, हां।

**Repair of Veterinary Hospitals/Dispensaries**

***333. Shri Ramesh Kumar Khatak :** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the Veterinary Hospitals and Dispensaries in the villages of Baroda, Mudlana, Chirana , Jawara, Bhawar Butana, Kathura Madina, Dhanana, Jagsi, Gangana in Baroda Constituency, if so, the details thereof ?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौधरी मोहम्मद इलियास) जी नहीं, श्रीमान्।

---

**Repair of Roads**

***340. Shri Jai Parkash :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Govt. is aware of the fact that the following roads in the Barwala constituency are badly damaged;

*(i)* from kinnar to Koth Kalan (Distt. Hissar)

*(ii)* from Daulatpur to Uklana Mandi;

*(iii)* from Milakpur to Rakhi Khas;

*(iv)* from Rakhi Khas to Kaparo; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the above said roads, if so, the time by which these are likely to be repaired.

**मुख्यमंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) हां, श्रीमान् जी।

प्रश्न में सड़कों के सुधार/मरम्मत का प्रस्ताव है। वर्ष 2001-2002 के दौरान सड़कों की मरम्मत का काम पूरा किए जाने की संभावना है।

---

**Health for All**

***358 Dr. Jai Parkash Sharma :** Will the Minister of State for Health be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Government gave the slogan 'Health for All' by 2000 and 'Health is Wealth'.

(b) whether it is also a fact that the budget out-lay on Health has been reduced to Rs. 1.50 per head resulting in the Hospitals are starved of requisite medicines; and

(c) whether the workers have to suffer due to short supply of medicines in E.S.I. Hospitals and their bills are reimbursed after long delay causing irreparable loss to the working class ?

**स्वास्थ्य राज्य मंत्री,** (डॉ0 एम0एल0 रंगा ) :

(क) जी हां, केवल "2000 तक सभी के लिए स्वास्थ्य"।

(ख) जी नहीं,

(ग) जी नहीं,

---

**Setting up of Sugar Mill**

***314 Sh. Jasbir Singh Mallaur :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Cooperative Sugar Mill in Naggal constituency ; if so, the time by which the said Sugar Mill is likely to be set up ?

**नगर एवम् ग्राम आयोजना मन्त्री** (श्री क्षीरपाल सिंह ) : जी नहीं, श्रीमान्।

---

**Construction/Upgradation of Schools**

*434. **Smt. Anita Yadav :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a 10+2 school for boys in village Bahu (Jholeri) ?

शिक्षा राज्य मन्त्री (चौधरी बहादुर सिंह) : नहीं, श्रीमान जी.

---

**Amount of Central Assistance**

*387 **Dr. Raghubir Singh Kadian :** Will the Finance Minister be pleased to state the amount received from the Central Government as financial assistance, under different heads, during the year 2000-2001 (till to date ) ?

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : वर्ष 2000-2001 के दौरान फरवरी, 2001 के अंत तक भारत सरकार से राज्य सरकार को विभिन्न मदों के लिए 1702.37 करोड रूपये की वित्तीय सहायता मिली है ।

---

**Upgradation of Civil Hospital at Ambala Cantt.**

*409 **Shri Anil Vij :** Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Civil Hospital, Ambala Cantt. and

(b) if so, the time by which the above proposal is likely to be materialized ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल०खट्टर ) :-

(क) जी नहीं।

(ख) उपरोक्त "क" के कारण इसका प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

---

**Setting up of Power Projects in State**

*345. **Shri Bhupinder Singh Hooda :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the number of memoranda of understanding signed by the Haryana Government for collaboration with different parties for setting up power projects in Haryana since August, 1996 to date ;

(b) the details of partnership in respect of each project separately giving the estimated cost of each project given in (a) above; and

(c) dates of commissioning of the projects enlisted in (a) above?

**मुख्य मन्त्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला ) :

(क) पूर्ववर्ती हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने अगस्त 1996 से अब तक एक मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टैंडिंग (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एम0ओ0यू0 पर इन्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड (आई0ओ0सी0एल0) के साथ पानीपत में 301 मैगावाट (अब 360 मैगावाट तक संशोधित) रिफाइनरी रेजिडयू (पैट-कोक) पर आधारित पावर प्लान्ट स्थापित करने के लिए दिनांक 27-3-98 को हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ख) मैसर्ज आई0ओ0सी0एल0 ने दिनांक 6-10-1999 को इस परियोजना को स्थापित करने के लिए मैसर्ज मारूबानी कारपोरेशन ऑफ जापान के साथ मैसर्ज इन्डियन ऑयल पानीपत पावर कन्सोरटियम लिमिटेड (आई0पी0पी0सी0एल0) नामक एक संयुक्त उद्यम का गठन किया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत कम्पनी द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद ही जानी जाएगी। इस परियोजना से समस्त बिजली हरियाणा को आपूर्ति की जाएगी।

(ग) एम0 ओ0 यू0 के आधार पर यह परियोजना वर्ष 2004-2005 में चालू होनी सम्भावित है।

---

## अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

### Outstanding Payments of Electricity Bills

17. **Capt. Ajay Singh Yadav,**
**Shri Raghuvir Singh Kadian** } : Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the district-wise and category-wise details of total amount of electricity bills outstanding against farmers for the tubewells/ domestic consumers/ industrialist consumers in the State at present; and

(b) the details of the instructions, if any, issued regarding disconnection of the electricity connections for non-payment of electricity bills by the consumers in the State ?

**"Interim Reply"**

**"OM PRAKASH CHAUTALA** CHIEF MINISTER, HARYANA, CHANDIGARH.

Dated : 5-3-2001

*Subject:—* **Unstarred Assembly Question No. 17 posed by Captain Ajay Singh Yadav and Raghuvir Singh Kadian, MLAs. —Request for seeking time.**

Respected Speaker Sahib,

In the aforesaid question the details of total amount of electricity bills outstanding against farmers for tubewells/domestic consumers/ industrialist consumers in the State at present has been asked for district-wise and category-wise. The information in the power utilities on the above subject is maintained circle-wise and not revenue district-wise. The areas of these circles are not coterminus with areas of districts. The collection/colation of this informaiton district wise would, therefore, take some time.

In view of the above it is requested that the time may be given for providing the information.

With regards

Yours sincerely,

(Sd/-)

**(Om Parakash Chautala)**

**Shri Satbir Singh Kadian,**
**Speaker,**
**Haryana Vidhan Sabha**
**Chandigarh."**

---

**Number of Health Centres**

**7. Shri Karan Singh Dalal :**Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the district-wise number of Health Centres, PHC, CHC and Sub-Health Centres functioning in rural and urban areas in the State as on 31st December, 2000 ;

(b) the number of sanctioned posts of Medical Officers, para medical staff in each of the Centres/PHC. CHC referred to in part (a) above as on 31st December, 2000; and

(c) the number of posts out of those referred to in part (b) above lying vacant on 31st December, 2000 ?

**'Interim Reply'**

D.O. No. 48/MH/2001

"Dr. M.L. Ranga

Minister of state for
Health, Medical Education and
Ayurveda Departments,
Haryana, Chandigarh.

Dated : 5-3-2001

*Subject* :–**Unstarred Assembly Question No. 7 fixed for the 7th March, 2001.**

Respected Sir,

Unstarred Assembly Question No.7 pertaining to the number of Health Centres, PHCs, CHCs and Sub-Health Centres functioning in the rural and urban areas of the State on 31st December, 2000 alongwith details of sanctioned posts, Para-Medical Staff, the number of vacancies etc. has been asked by Shri Karan Singh Dalal, MLA, listed for 7th March, 2001 for reply. The detailed information has to be collected from the field offices which is very large in numbers and may take time. it is, therefore, requested that a period of fifteen days may kindly be granted for furnishing reply to this question.

With regards,

Yours sincerely,

*(Sd.)*

**(M.L. Ranga)**

**Shri Satbir Singh Kadian**
Speaker, Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh.

---

**D.P.E.P. PROJECT**

**8. Shri Karan Singh Dalal, :**— Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) the name of the districts in which the DPEP project is operating along with the date of launching and termination of project ;

(b) the percentage of the total number of boys and girls in the age group of 6 to 11 years in the aforesaid districts which were enrolled in the Government primary schools in the year preceding the launching of the DPEP project and in the year 2000-2001 ; and

(c) the districts and year wise funds allotted and utilized since the inception of project referred to in part (a) above, till date ?

**शिक्षा राज्य मंत्री** (चौधरी बहादुर सिंह) : इससे संबंधित उत्तर सदन के पटल पर निर्दिष्ट है।

(ए) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम दो चरणों में लागू किया गया। प्रथम चरण में हिसार, सिरसा, कैथल और जींद जिलों में 22 दिसम्बर, 1994 को शुरू किया गया और द्वितीय चरण में महेन्द्रगढ, भिवानी, गुड़गांव जिलों में 15-7-1996 को विस्तारित किया गया। जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का प्रथम चरण31-3-2002 को और जिला प्राथमिक शिक्षा का द्वितीय चरण 31-12-2002 को समाप्त होगा।

(बी) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम लागू होने से पहले तथा वर्ष 2000-2001 में उपरोक्त जिलों में 6-11 आयु वर्ग के लड़के व लड़कियों के दाखिले की स्थिति :-

**प्रथम चरण**

| वर्ष 1992-93 में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिले का प्रतिशत (डीपीईपी चालू होने से पहले) | | | 2000-2001 के दौरान राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिले का प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लड़के | लड़कियां | कुल | लड़के | लड़कियां | कुल |
| 73.67 | 68.89 | 71.46 | 80.88 | 82.89 | 81.81 |

**द्वितीय चरण**

| वर्ष 1996-97 में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिले का प्रतिशत (डीपीईपी चालू होने से पहले) | | | 2000-2001 के दौरान राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिले का प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लड़के | लड़कियां | कुल | लड़के | लड़कियां | कुल |
| 72.17 | 74.86 | 73.43 | 88.57 | 90.12 | 89.29 |

## डी० पी० ई० पी० प्रथम चरण

(रुपये लाख में)

| क्र० सं० | जिले का नाम | 1994-95 | | 1995-96 | | 1996-97 | | 1997-98 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. | हिसार | 39.00 | 1.39 | 249.04 | 281.39 | 988.01 | 741.78 | 271.34 | 461.82 |
| 2. | सिरसा | 28.00 | 1.43 | 157.52 | 180.53 | 488.83 | 396.59 | 455.98 | 501.10 |
| 3. | कैथल | 25.00 | 5.48 | 170.22 | 187.43 | 369.59 | 292.17 | 322.13 | 338.51 |
| 4. | जीन्द | 46.00 | 6.90 | 155.78 | 187.42 | 274.19 | 238.64 | 462.30 | 483.15 |

## डी० पी० ई० पी० प्रथम चरण

(रुपये लाख में)

| क्र० सं० | जिले का नाम | 1998-99 | | 1999-2000 | | 2000-2001 (31-1-2001 तक) | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की की गई धनराशि | आबंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि |
| 1 | 2 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 1. | हिसार | 314.43 | 348.97 | 364.12 | 332.52 | 334.97 | 337.83 | 2560.91 | 2505.70 |
| 2. | सिरसा | 298.69 | 282.00 | 278.12 | 255.53 | 364.95 | 369.51 | 2072.09 | 1986.69 |
| 3. | कैथल | 289.42 | 299.12 | 223.90 | 211.99 | 267.14 | 225.14 | 1667.40 | 1559.84 |
| 4. | जीन्द | 374.76 | 369.37 | 279.51 | 282.29 | 369.93 | 310.91 | 1962.47 | 1878.68 |

[चौधरी बहादुर सिंह]

डी0 पी0 ई0 पी0 द्वितीय चरण

(रुपये लाख में)

| क्र0 सं0 | जिले का नाम | 1996-97 | | 1997-98 | | 1998-99 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | गुड़गांव | 0.79 | 0.79 | 148.87 | 86.30 | 299.98 | 188.95 |
| 2. | भिवानी | 3.25 | 3.25 | 152.87 | 116.89 | 290.14 | 174.75 |
| 3. | महेन्द्रगढ़ (नारनौल) | 1.97 | 1.97 | 129.37 | 90.32 | 350.39 | 119.30 |

डी0 पी0 ई0 पी0 द्वितीय चरण

(रुपये लाख में)

| क्र0 सं0 | जिले का नाम | 1999-2000 | | 2000-2001 (31-1-2001 तक) | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि | आवंटित धनराशि | प्रयोग की गई धनराशि |
| 1 | 2 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 1. | गुड़गांव | 471.82 | 430.77 | 529.66 | 510.54 | 1450.33 | 1217.35 |
| 2. | भिवानी | 302.34 | 369.08 | 625.92 | 551.76 | 1371.27 | 1215.73 |
| 3. | महेन्द्रगढ़ (नारनौल) | 122.14 | 247.37 | 484.16 | 515.72 | 1086.06 | 974.68 |

---

**Collection of Market Fees / Market Cess**

**9. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total amount of market fees and market cess collected by the Haryana State Agricultural Marketing Board from the grain markets and fruit and vegetable markets in the State during the years 1999-2000 and 2000-2001 till date ?

**कृषि मंत्री** (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : श्री मान जी, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा राज्य की अनाज मण्डियों, फल एवं सब्जी मण्डियों से वर्ष 1999-2000 में मार्किट फीस और मार्किट उपकर की कुल राशि रु0 105.31 करोड़ और रु0 104.08 करोड़ क्रमशः एकत्रित की गई। मार्किट फीस और मार्किट उपकर की चालू वित्त वर्ष में जनवरी, 2001 में रुपये 121.77 करोड़ और रुपये 116.56 करोड़ क्रमशः एकत्रित की गई।

---

**Lock-out of Industrial Units**

**10. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state the district wise number of factories/industrial units if any, closed down or declared lock-out in the State during the year 2000; if so, the names thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : बन्द किये गये कारखानों/औद्योगिक इकाईयों में घोषित तालाबन्दी का जिलावार विवरण निम्नलिखित है :—

विवरण

**बन्द हुई औद्योगिक इकाईयों/कारखानों की सूची**

**जिला फरीदाबाद**

1. मै0 विनोद इन्डस्ट्रीज, 17-बी, आई0 ए0, फरीदाबाद
2. मै0 राज सन्ज इन्जी0 इंडस्ट्रीज 17-बी आई0 ए0, फरीदाबाद
3. मै0 टेकमशेड प्रोडक्टस इण्डिया लिमिटिड, फरीदाबाद

**जिला सोनीपत**

1. मै0 स्वीन्टेक इन्क , राई (सोनीपत)
2. मै0 डी0 जे0 डुपलैक्स बोर्ड, कुण्डली (सोनीपत)

**तालाबन्दी घोषित की गई औद्योगिक इकाईयों/कारखानों की सूची**

**जिला सिरसा**

1. मै0 जी0 टी0 एम0 सेन्थेटिक्स लिमिटिड, सिरसा

**जिला भिवानी**

मै0 भिवानी डेनियम एण्ड एप्रैल लिमिटिड, भिवानी

**जिला फरीदाबाद**

1. मै0 जनरल इन्जी0 वर्क्स, मथुरा रोड़, फरीदाबाद
2. मै0 अतुल ग्लास लिमिटिड, मथुरा रोड़, फरीदाबाद
3. मै0 यू0 टी0 लिमिटिड, मथुरा रोड़, फरीदाबाद

**जिला सोनीपत**

1. मै0 एच0 आर0 एस0 सेन्थेटिक्स लिमिटिड, कुण्डली, सोनीपत
2. मै0 रीबा टैक्सटाईल लिमिटिड, गोहाना, सोनीपत

**जिला गुड़गांव**

1. मै0 औसिस लैदर लिमिटिड, गांव हरसरु, पटौदी रोड़, गुड़गांव
2. मै0 पर्ल ग्लोबल लिमिटिड, गुड़गांव
3. मै0 ए0 एस0 इम्पैक्स लिमिटिड, 9, सैक्टर-34, गुड़गांव

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

जिला रिवाड़ी

1. मै0 ईस्ट सिन्थैक्स लिमिटिड, धारुहेड़ा, रिवाड़ी
2. मै0 पशुपति स्टीमिंग एण्ड वीविंग मिल्ज, धारुहेड़ा, रिवाड़ी

जिला पंचकूला

1. मै0 इन्डे इन्टरप्राजिज (प्राईवेट) लिमिटिड, 841, आई0 ए0 पंचकूला

---

**Number of Ration Cards**

**18. Shri Anil Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether this is a fact that the number of persons registered in ration cards is more than the total population of the State;

(b) if so, the number of such ghost ration cards togetherwith the amount of ration issued on such cards during last five years; and

(c) steps taken to identify such cards and action taken thereon, if any ?

**मुख्य मंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला ) :

(क) वर्तमान में राज्य में (31-1-2001 तक) राशन कार्डों की संख्या 44,05,314 है जिसके 2,14,08,742 यूनिट्स हैं। वर्ष 1990-91 की जनगणना के अनुसार राज्य की जनसंख्या 1,64,63,600 थी। जबकि 2000-2001 में राज्य की अनुमानित जनसंख्या 1,99,95,500 है। (हरियाणा राज्य के अर्थ तथा सांख्यिकीय संगठन योजना विभाग की वर्ष 2000 की संख्या अनुसार)

अनुमानित जनसंख्या से अधिक राशन कार्डों में दर्ज यूनिट्स का एक कारण यह है कि प्रवासी तथा ऐसे अन्य मजदूर जो राज्य में कार्य हेतु आ जाते है, को भी राशन कार्ड जारी करना होता है, परन्तु बाद में वह राज्य से चले जाते हैं। अतः कुल जनसंख्या तथा राशन कार्डों में दर्ज संख्या में भी भिन्नता रहती है।

(ख) राशन तब ही जारी किया जाता है, जब राशन कार्ड धारक या उसके परिवार का कोई सदस्य राशन कार्ड प्रस्तुत करता है। जब कभी भी काल्पनिक राशन कार्ड पाया जाता है तो उसको तत्काल ही रद्द किया जाता है।

(ग) काल्पनिक राशन कार्डों की समाप्ति के लिए समय-समय पर कड़ी हिदायतें जारी की गई हैं। काल्पनिक राशन कार्डों की संभावना को समाप्त करने के लिए नए राशन कार्ड परिवार के सदस्यों की फोटो सहित जारी किए गए हैं। जब भी काल्पनिक राशन कार्ड पकड़ा जाता है तो ऐसे काल्पनिक राशन कार्ड धारकों के विरुद्ध नियमानुसार क्षेत्रीय अमले द्वारा कार्यवाही की जाती है।

---

## ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के के बारे में कुछ कहना चाहता हूं।

**श्री अध्यक्ष :** कर्ण सिंह दलाल जी मैं आपको बताना चाहूंगा कि आपने जो कालिंग अटैंशन मोशन के नोटिस दिये थे, regarding polluted water of Agra Canal, Gurgaon Canal and Yamuna River in the areas of Faridabad and Mewat, has been sent to the Government for comments within 48 hours. इसके साथ ही दूसरा आपका जो कालिंग अटैंशन मोशन नोटिस regarding shortage of power in the areas of Faridabad and Mewat, उसको भी सरकार के पास कमैंटस के लिए भेज दिया गया है और जो नील गाय के बारे में आपका कालिंग अटैंशन मोशन नोटिस था उसको कल के लिए एडमिट कर लिया गया है। इसके अलावा आपका एक कालिंग अटैंशन मोशन No. 2 regarding scarcity of canal water to the farmers of Faridabad and Mewat areas, has been sent to the Government for comments.

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** सर, मैं एक और प्रश्न पूछना चाहता हूं। *******

**श्री अध्यक्ष :** कर्ण सिंह दलाल जी आप बैठिये और मेरी बात सुनिये। जो कर्ण सिंह दलाल जी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** स्पीकर साहब, मेरी बात तो सुनिये। *******

**Mr. Speaker :** Nothing is to be recorded. श्री कर्ण सिंह दलाल का एक कालिंग अटैंशन मोशन था regarding share of power from Ranjit Sagar Dam (Thein Dam), that has been disallowed और श्री रघुबीर सिंह कादियान जी का एक कालिंग अटैंशन मोशन नोटिस था regarding cleanliness of Beri Town that is under consideration.

इसके अलावा श्री कर्ण सिंह दलाल जी का पंजाबी भाषा के एरियाज को पंजाब को ट्रांसफर बारे कालिंग अटैंशन मोशन नोटिस आया है वह अण्डर कंसीडरेशन है। There is one notice of calling attention motion No. 7 regarding acute shortage of power supply in Julana constituency, received from Shri Sher Singh which is under consideration.

Hon'ble Members, now discussion on the Governors Address will take place. Shri Bhagwan Sahai Rawat, may move his motion.

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैम्बर के लिए आधा घण्टा जीरो आवर का तो होना ही चाहिए ताकि मैम्बर अपनी समस्या के बारे में कह सकें। अगर आप जीरो आवर का समय नहीं देंगे तो यह तो एक गलत बात होगी। वैसे आपके पास इसका अधिकार है लेकिन आधे घण्टे का समय तो देना ही चाहिये। किसी मैम्बर को बोलने का समय न दिया जाये तो यह तो गलत बात है।

**श्री अध्यक्ष :** जो भी सदन का फैसला है उसके बारे में बता दिया गया है, जो निर्णय लिया गया है उसके लिए सदन को विश्वास में लिया गया है।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

**राव नरेन्द्र सिंह** :अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन आवर के बाद जीरो आवर होता है।

**श्री अध्यक्ष :** राव नरेन्द्र सिंह जी, आप रूल्ज में क्वैश्चन आवर के बाद जीरो आवर दिखाएं। जो बात लिखकर आती है उसका जवाब दिया जाता है।

**श्री मांगे राम गुप्ता :** अध्यक्ष महोदय, यह प्रथा रही है कि क्वैश्चन आवर के बाद जीरो ऑवर होता है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** गुप्ता जी, आप अपनी सीट पर बैठिए।

**वित्त मंत्री** (प्रो0 सम्पत सिंह ) : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा क्लेरीफाई करना चाहता हूं। माननीय साथियों ने कहा है कि जीरो ऑवर में कोई जरूरी मुद्दा आ जाए तो उसके लिए रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस इन दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली, अप्रैल, 1998 की बुक में डिफरैंट सैक्शन और रूल्ज दिए हुए हैं, जिनके तहत आप क्वैश्चन आवर के बाद उस पर डिस्कशन कर सकते हैं लेकिन उसके लिए पहले नोटिस आना चाहिये। (शोर एवं व्यवधान)

**चौधरी जय प्रकाश** : अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन आवर में कोई जनहित का मामला आ जाए तो उस पर तो जरूर डिस्कशन होनी चाहिए।

**श्री अध्यक्ष :** जय प्रकाश जी, आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

**प्रो0 सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि कोई जनहित का मामला हो तो उसके लिए अलग अलग रूल्ज हैं जैसे रूल 57 हाफ एन ऑवर डिस्कशन के लिए है लेकिन इसके लिए पहले लिखकर नोटिस देना होता है । कालिंग अटैंशन नोटिस का बाकायदा रूल है। एडजर्नमैंट मोशन के रूल्ज हैं, उसके हिसाब से रूल्ज में टाइमिंग लिखे हुए हैं कि इतने टाइम पहले आप स्पीकर साहब को नोटिस देंगे। नोटिस देने के बाद आप जब वह मामला रेज करेंगे तो स्पीकर साहब आपको बताएंगे कि वह एडमिट हो गया है, या अंडर कंसीडरेशन है या कमैन्ट्स के लिए गवर्नमैंट को भेजा हुआ है। कर्ण सिंह दलाल ने जो जो नोटिस दिए हैं, स्पीकर साहब ने सबके बारे में बताया है। अध्यक्ष महोदय, राव नरेन्द्र सिंह जी भी करण सिंह दलाल की तरह लिखकर नोटिस देते तो इनकी बात का जरूर जवाब दिया जाता। चाहे स्पीकर साहब ने इनकी आवाज न भी सुनी हो लेकिन इन्होंने अगर नोटिस दिया होता तो स्पीकर साहब उसका जरूर फैसला सुनाते। इसलिए मेरा माननीय साथियों से निवेदन है कि थोड़ा सा होम वर्क जरूर करें। कोई पब्लिक इम्पोर्टैंस का मामला हो या कोई और जरूरी मामला हो, उसको यहां सदन में जरूर लाएं। हम चाहते हैं और हमारी सरकार भी चाहती है कि पब्लिक का कोई मामला हो तो उसको जरूर उठाएं। लेकिन उसे प्रोपर वे में उठायें और सरकार उसका बाकायदा जवाब देगी। इस तरह से आवाजें करने का कोई फायदा नहीं है।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि अभी सम्पत सिंह जी ने कहा है कि हाउस चलाने के लिए कुछ कायदे कानून होते हैं, रूल्ज होते हैं। हम भी यह बात मानते हैं। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि मैं लोक सभा का मैंबर रहा हूं और वहां पर यदि कोई अर्जैंट मैटर आ जाता है तो उसी समय उस पर डिस्कशन रूल्ज के मुताबिक की जा सकती है, चाहे डिस्कशन के लिए समय थोड़ा ही दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान) जब लोक सभा में इस तरह की डिस्कशन के लिए समय दिया जा सकता है तो यहां पर भी जीरो आवर के लिए आधा घंटा या 20 मिनट का समय देना चाहिए।

**प्रो० सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि हर असैम्बली के नियम अलग अलग होते हैं। रूल्ज कमेटी असैम्बली के रूल्ज बनाती है और जो रूल्ज हैं उसी के हिसाब से हरियाणा की असैम्बली चल रही है।

**चौधरी नरेन्द्र सिंह :** अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** जिस मैंबर ने लिखित में दिया है उनके बारे में बता दिया गया है। राव नरेन्द्र जी आप भी अपनी बात लिखित में भिजवा देते तो आपको जवाब मिल जाता। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री कर्ण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, *******

**श्री अध्यक्ष :** दलाल साहब, आप अकेले विधायक ही बोलने वाले नहीं हैं, दूसरे विधायक भी हैं जिन्होंने बोलना है प्लीज आप बैठ जायें। दलाल साहब जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) भगवान सहाय रावत जी आप अपना प्रस्ताव पढ़ें।

---

## राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

**श्री अध्यक्ष :** मैम्बर साहेबान, अब गवर्नर ऐड्रैस पर चर्चा होगी। श्री भगवान सहाय रावत अपना मोशन मूव करें।

**श्री भगवान सहाय रावत** (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि :—

महामहिम राज्यपाल महोदय को एक सभावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाये—

> 'कि इस सदन में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य इस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 5 मार्च, 2001 को इस सदन में देने कि कृपा की है।'

अध्यक्ष महोदय, अब मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए इस पर अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इस सत्र के प्रथम अधिवेशन पर सर्वप्रथम मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे सदन के जो कायदे कानून हैं उनका पालन करेंगे और हाउस की कार्यवाही को सही तरीके से चलायेंगे ऐसी मैं आशा करता हूं क्योंकि हाउस की मर्यादाओं और कर्त्तव्यों को ध्यान में रखना हम सबकी जिम्मेवारी बनती है। आज मैं उस विषय पर चर्चा करने जा रहा हूं जिसके लिए हरियाणा की जनता ने हमें यहां चुनकर भेजा है और सही मायने में यह बहुत ही कीमती और मूल्यवान समय है। (शोर एवं व्यवधान) गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में हमारी सरकार की उचित तस्वीर को पेश करके हमारी जो नीतियां हैं, कार्य प्रणाली है और जो हमारी सरकार की सोच है उसको दर्पण के रूप में इस सदन में प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय चौधरी देवी लाल जी का सम्मान करना चाहूंगा, उनको राजनीति का भीष्मपितामह कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं है। हमारी सरकार उन्हीं के आदर्शों पर कार्य कर रही है। सत्ता पक्ष में और विपक्ष में भी बैठे हुए ज्यादातर सदस्यों के राजनैतिक गुरु चौधरी देवी लाल जी ही

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री भगवान सहाय रावत]

रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार उनके आदर्शों पर लोकलाज का नारा लेकर चल रही है। प्रजातंत्र और लोकतंत्र लोक लाज से चलता है और हमारी सरकार उसी हिसाब से कार्य कर रही है। सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हैं तो इसमें नियम और कानून का महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यक्ष महोदय, अगर मेरे साथी नियमों की बात करें तो ये पृष्ठ 12 पर देख सकते हैं कि जब आदरणीय महामहिम गवर्नर महोदय अपना अभिभाषण पढ़ रहे हों तो उसमें कोई व्यवधान नहीं डाला जाना चाहिये लेकिन गवर्नर महोदय के अभिभाषण के दौरान भी विपक्ष के साथी व्यवधान डाल रहे थे। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में जो सरकार चल रही है वह लोक-लाज से चलती है और बड़ी शालीनता के साथ हम लोगों ने विपक्ष के साथियों को सुना और उन्हें देखा भी । अध्यक्ष महोदय, आज मुझे बड़ा हर्ष हो रहा है कि इस सरकार के प्रथम सत्र में हम सब उपस्थित हैं इसलिये मैं सभी माननीय साथियों से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि इस मूल्यवान समय का जनहित में उपयोग करें। सर्वप्रथम मैं यह कहना चाहूंगा कि पिछले शासन में अव्यवस्थित कानून व्यवस्था थी, बिगड़ी अर्थ व्यवस्था थी और एक तरह का अराजकता का राज था जो कि प्रजातंत्र में सबसे निचले दर्जे का राज होता था वह सब वर्तमान लोकप्रिय सरकार को विरासत में मिला था। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने सर्वप्रथम कानून व्यवस्था को सुधारने और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्प लिया। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री जी ने यह भी संकल्प लिया कि नई शिक्षा नीति को लागू किया जाए जो कि उन्होंने किया। इसी संकल्प के अन्तर्गत उन्होंने नई औद्योगिक नीति को भी लागू किया । अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है इसलिए वर्तमान सरकार ने यहां की कृषि नीति को भी काफी महत्व दिया है। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आज पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति व ज्ञान और विज्ञान का युग है जिसमें एक नई नीति इन्फोर्मेशन टैक्नॉलोजी के तहत पहली कक्षा से कम्प्यूटर शिक्षा का काम वर्तमान सरकार ने शुरु करके एक सराहनीय कार्य किया है। इन सब कामों के लिए इस सरकार की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी थोड़ी है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में जो मुख्य बिन्दु हैं मैं माननीय सदस्यों का ध्यान आपके माध्यम से उन बिन्दुओं की ओर आकर्षित करना चाहूंगा और सरकार का जो स्पष्ट संकल्प है जिसके तहत कार्य प्रणालियों और लक्ष्यों को इंगित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि सर्वप्रथम इस सदन का यह नैतिक कर्तव्य है कि हरियाणा सरकार और हरियाणा प्रदेश की जनता को इस बात के लिए बधाई दी जाए कि गुजरात में जो प्राकृतिक आपदा आई है उसमें उड़ीसा की भान्ति हरियाणा की जनता ने, हरियाणा की स्वयं सेवी संस्थाओं ने और हरियाणा की सरकार ने विशेष रूप से अध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में, उपाध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में, हमारे मंत्री महोदय और समक्ष अधिकारियों के नेतृत्व में वहां के पीड़ित लोगों की मदद करके इतिहास में एक नया आयाम कायम किया है और सभी जगह उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं में जब किसी प्रदेश की जनता और सरकार का ऐसा दृष्टिकोण रहे तो समझ लेना चाहिये कि वे जनहित करना परम धर्म मानते हैं। अध्यक्ष महोदय, गुजरात में हमारी सरकार ने, हरियाणा प्रान्त की जनता ने और स्वयं सेवी संस्थाओं ने विशेष कर भुज के अन्दर लाखों पीड़ित लोगों को जो कि बेघर हो गये थे, भुज जिले के अन्दर रापड़ तालुका के 19 गांवों के 9000 परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाई। वहां पर जो अभूतपूर्व कार्य इस सरकार और जनता ने करके दिखाया है उसे आपने स्वयं देखा है। वहां पर हमने भूकम्प में उजड़े हुए लोगों

को इस तरह से सांत्वना दी जिसका उनको अभाव था और इस तरह की सांत्वना के लिए उनकी आंखें तरस रही थीं। वहां के बच्चों को एक शिक्षक के रूप में स्कूल लगाकर राहत सामग्री बांटी गई, वहां पर उनके घरों की व्यवस्था की गई और जिन लोगों को बचाया जा सकता था उनको बचाने के लिए यथासंभव प्रयास किये गये। अध्यक्ष महोदय, पूरे भारत वर्ष के दूसरे प्रदेश भी इसका अनुकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। मैं समझता हूं कि हरियाणा प्रान्त इस कार्य में सर्वोपरि रहा है और यही नहीं बाहर के लोगों ने भी जो कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एडवांस कन्ट्रीज से सहायता के लिये आए हुए थे उन लोगों ने भी हमारी हरियाणा सरकार के द्वारा किये गये कार्यों की प्रशंसा की। इसके साथ-साथ मैं इस लोकप्रिय सरकार के " सरकार आपके द्वार " कार्यक्रम के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा जिसका इस सदन के सदस्यों को अच्छी तरह से ज्ञान है। हमारे एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री जी जो पहले उठकर जा चुके हैं और एक भूतपूर्व मुख्य मंत्री उठ कर जाने को हैं, उनको मैं बताना चाहूंगा कि हम लोगों को 30 साल का सही मायनों में राजनीतिक अनुभव है। मैंने 30 साल के राजनीतिक अनुभव में उन्हें नजदीक से देखा है। 1972 में जब मैं जिला परिषद् का सदस्य था उस वक्त चौधरी बंसी लाल राज्य के मुख्य मंत्री होते थे। हमने किताबों में पढ़ा था कि प्रजातंत्र में जनता सर्वोपरि है लेकिन 1972 में ब्लाक समितियों और जिला परिषद् के चुनावों में चौधरी बंसी लाल ने अपने एक पूर्व साथी की मदद करने के लिये तीन बार बैलट पेपर फड़वा दिये और उनको समर्थन देकर व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया था और खुंदक खा कर जिला परिषद् अबोलिश कर दी। मैं अपने मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि 1972 के बाद 2001 में जिला परिषद् को पुनः प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियां देकर एक नये अध्याय का सूत्रपात किया है। अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र लोक लाज पर चलता है। दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल सदन से उठ कर चले गए हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि प्रजातंत्र में उनकी आस्था नहीं है। हमारी सरकार ने इस नीति को लागू करने की कोशिश की है। आप सबको विदित है कि हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने प्रथम चरण में " सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूलों के कमरे, रिटेनिंग वाल बनवाना, गलियों को पक्का करवाने का काम करवाना, बैकवर्ड क्लासिज और हरिजनों की चौपालें बनवाने का काम बहुत तेजी के साथ किया है। यहां तक कि इससे भी बढ़कर काम किया है। जो हमारे मुस्लिम भाईयों के कब्रिस्तान होते थे उन पर जिन लोगों ने नाजायज कब्जे कर लिये थे,उनकी चारदीवारी करके उन नाजायज कब्जों को रोका है जिसकी आज सराहना की जा रही है। दूसरे चरण में, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, जिनका हमारे देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान है, उनके जन्म दिवस के मौके पर 2 अक्तूबर को हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी ने गांव-गांव में लोगों के घर-घर जा कर प्रदेश के सभी हल्कों में दरबार आयोजित किए हैं। मैं समझता हूं कि सदन के कई सदस्य प्राचीन इतिहास के विद्यार्थी रहे होंगे तो वे समझते होंगे कि कभी विक्रमादित्य के बारे चर्चा होती थी कई दूसरे लोकप्रिय राजा यहां हुए हैं उनके बारे में चर्चा होती थी । जो राजा दिन को नहीं रात को जाग करके अपनी जनता के सुख-दुख को देखता था उस राजा की चर्चा होती थी। ऐसा ही हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला कर रहे हैं । मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि प्रदेश के अन्दर जो सबसे कम अभावयुक्त या गरीब व्यक्ति था, जो सबसे कम शिक्षित था, जिसको सबसे कम सुविधाएं मिलती थी जिनको मुख्य मंत्री और मंत्री को मिलने का सौभाग्य नहीं मिलता था, हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री चौटाला ने उनके दरवाजे पर जा करके जन समस्याओं का निराकरण किया है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)**। उनसे

[श्री भगवान सहाय शवत]

व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित किया है। मैं समझता हूं कि इससे बढ़िया मिसाल किसी पाश्चात्य जगत में और भारतवर्ष के किसी और प्रदेश में नहीं मिलेगी। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा नीति के बारे में मैं सबसे अन्त में बोलना चाहता था क्योंकि मैं स्वयं विधायक बनने से पहले एक शिक्षक रहा हूं। मुझे इस बात का गर्व है कि आज शिक्षक और विधायक के रूप में शिक्षा से सम्बन्धित हूं और मुख्य मंत्री जी की जो नीतियां हैं वे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में दर्शाई गई हैं, उन पर सरकार की नीतियों के साथ साथ मैं अपने विचार भी व्यक्त करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश के शिक्षित जनप्रतिनिधि चुनाव जीत कर यहां आए हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि आजादी के 50-55 साल गुजरने के बाद हरियाणा भारतवर्ष में प्रथम प्रदेश है जिसने शिक्षा नीति पर केन्द्र सरकार से भी ज्यादा बजट का आबंटन किया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ साथी बेरोजगारी की बात कर रहे थे, पोल्यूशन नियंत्रण की बात कर रहे थे, दूसरी जन समस्याओं के बारे में बात कर रहे थे और उद्योग नीति के बारे में बात कर रहे थे। इन बातों के बारे में मैं सारांश रूप में कहना चाहूंगा कि जब तक शिक्षा नीति में आमूल-चूल परिवर्तन नहीं किया जायेगा जब तक शिक्षा नीति को उसकी ओर अग्रसरित नहीं किया जायेगा, मैं समझता हूं तब तक इन समस्याओं का समाधान होना मुश्किल है। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा नीति में आमूल-चूल परिवर्तन करने का काम हमारे लोक प्रिय मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने किया है जो कि एक सराहनीय काम है। शिक्षा नीति ही पाश्चात्य जगत और हमारे अपने भारतवर्ष की सभ्यता और संस्कृति के बीच का माध्यम होती थी। मुझे महर्षि दयानन्द जी की गुरुकुल शिक्षा पद्धति की याद आ रही है उन्होंने उसके बाद में जो हमारे वेदों में छिपा हुआ साहित्य था, जो हमारी संस्कृत भाषा में हमारा गौरव छिपा हुआ था उस तरह की गुरुकुल शिक्षा पद्धति इस देश में लागू की थी। उस वक्त भारतवर्ष का कोई सानी विश्व में नहीं हुआ करता था। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के विषय को उसमें टच किया है। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। भारतीय परिवेश में पले हुए नौजवान बच्चे जब यहां के पाश्चात्य जगत के साईंस और विज्ञान के युग को साथ लेकर हमारे आध्यात्मिकवाद के साथ चलेंगे तो मैं समझता हू कि इससे चौधरी देवी लाल जी का सपना हरियाणा प्रदेश में साकार होगा और हरियाणा प्रदेश देश का प्रथम श्रेणी का राज्य होगा। प्रदेश की शिक्षा-नीति में जो हमारे ऋषियों की कल्पना की थी, जो हमारे वेदों और शास्त्रों की शिक्षा-पद्धति है उसका ध्यान रखा गया है। मैं तो इसको और ज्यादा कहूं तो उसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। उपाध्यक्ष महोदय, सही मायनों में केवल आध्यात्मिकवाद की बात नहीं है, केवल धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था की बात नहीं है अगर मैं कहना चाहूं तो यह सही होगा कि भारतवर्ष के विज्ञान का भी किसी दूसरे देश ने कभी मुकाबला नहीं किया। आज हमारा अपार ज्ञान भण्डार संस्कृत के ग्रन्थों में छिपा पड़ा है। चाहे वह इन्फर्मेशन टैक्नोलोजी क्यों न हो और चाहे उनके बारे में विज्ञान की कोई और दूसरी चीज क्यों न हो। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत आदरणीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि जिस तरह से हरियाणा प्रदेश और क्षेत्रों में अग्रणी है उसी राह पर चलकर महर्षि दयानन्द की गुरुकुल शिक्षा पद्धति को लागू करें। जिस तरह से रोहतक विश्वविद्यालय का नाम महर्षि दयानन्द के नाम पर रखा गया है। इसी तरह से महापुरुषों के नाम पर भारतवर्ष को पूरा संदेश देने का काम हरियाणा सरकार कर रही है। भविष्य में इस तरह की शिक्षा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन करके शिक्षा पद्धति द्वारा शिक्षा नीति में नई दिशा का संचालन नए रक्त का संचार होगा। यह मुझे उम्मीद है। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे जो विश्व विद्यालय हैं उनमें कुछ पदों की

रिक्तियां पड़ी हुई थीं उन पदों की भर्तियां करके हमारी सरकार ने एक सराहनीय कार्य किया है। हमारी सरकार ने परमानैंट ट्रांसफर पोलिसी बनाने का एक बहुत ही अच्छा कार्य किया है। इसके अलावा पहली कक्षा से अंग्रेजी का विषय चालू करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है क्योंकि देहात के बच्चे कम्पीटिशन की दौड़ में पिछड़ जाते थे। अंग्रेजी एक इन्टरनैशनल लैंग्वेज है हमारी सरकार ने पहली कक्षा से उसको लागू करने का एक बहुत अच्छा कार्य किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत इस संदर्भ में यह भी सुझाव देना चाहूंगा कि बहुत से देशों में कम्पलसरी मिल्ट्री ट्रेनिंग लागू है उसी तरह से वह यहां पर भी लागू हो। मेरे माननीय सदस्य अपने छात्र जीवन में पढ़ते हुए एक श्लोक पढ़ते होंगे, मुझे वह साधारण सा सबसे महत्वपूर्ण श्लोक याद है जिसे गायत्री मंत्र बोलते हैं। हमारे बहुत से साथियों ने उसका अर्थ भी समझा होगा। इसमें परमात्मा से और कोई चीज नहीं मांगी गई। उसमें मांगा गया है तो केवल यही मांगा गया है ओउम भूर्भव स्वः तत् सः वितुरवर्णयेम भर्गो देवस्य धीमहि धीयो यो नः प्रचोदयात्। हे सकल् जगत के उत्पादक और व्यापक आनन्द को देने वाले प्रभू हम आपके उस पूजनीयत्म पापनाशक स्वरूप का ध्यान करते हैं जो हमारी बुद्धि को प्रकाशित करता है आपसे हमारी बुद्धि कदापि विमुख न हो और आप हमारी बुद्धियों को सदैव प्रकाशित करते रहें यही प्रार्थना है। मेरे कहने का मतलब यह है कि पहले यह मंत्र हरेक विद्यार्थी कहता था। आज की टेलीविजन संस्कृति में युवाओं में एक तरह से प्रदूषण फैलाया जा रहा है। मैं समझता हूं कि तब तक इस देश का, इस सारे विश्व का, मानव जगत का कल्याण नहीं हो सकता जब तक यह मंत्र हमारे विद्यालयों में नहीं गूंजेगा। सही मायनों में गायत्री मंत्र हमारे यहां स्कूलों के अन्दर प्रारम्भ करना चाहिए। हरियाणा सरकार को इसके लिए पहल करनी चाहिए।

इसी प्रकार से पहले हमारे यहां पर स्कूलों के अन्दर एक पी0 टी0 कार्यक्रम होता था, इस पी0 टी0 पीरियड के माध्यम से बच्चों की एक्सरसाईज कराई जाती थी । आज के नौजवानों को जब मैं देखता हूं तो उनका बैलेंस आगे-पीछे होता देखता हूं। उनकी पीठ झुकी होती है, पेट निकले होते हैं और दायं-बायं पैर होते हैं। पी0 टी0 पीरियड को पिछली सरकारों के समय पूरी तरह से भुला दिया गया। पी0 टी0 पीरियड हमारे बच्चों के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण फैक्टर है। किसी बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए और उसके मन और मस्तिष्क के विकास के लिए पी0 टी0 पीरियड बहुत अनिवार्य है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूंगा कि इस पी0 टी0 पीरियड को ईमानदारी से स्कूल लैवल पर पुनः शुरु किया जाये ताकि बच्चों का विकास हो सके। हमारे यहां पर प्लस टू तक के जो स्कूल्ज हैं उनमें पी0 टी0 पीरियड के साथ साथ सैनिक ट्रेनिंग भी दी जाये। मैं समझता हूं कि आज हमारे देश में और प्रदेश में इस बात की सख्त जरूरत है। मुझे कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने कुरुक्षेत्र के मैदान में जिसका नाम पूर्व इतिहास से जुड़ा हुआ है जहां पर धर्म और अधर्म का युद्ध हुआ था, जहां पर 5 गांव भी देने के लिए कौरव पक्ष तैयार नहीं हुआ था तब उस वक्त के युगपुरुष योगीराज श्रीकृष्ण जी ने बीच में पड़कर समझौता कराने का प्रयास किया था। उनके द्वारा प्रयत्न करने पर जब कौरव पक्ष नहीं माना था तो वहां पर युद्ध हुआ था। हमारे देश में महात्मा गांधी जी का अपना एक विशेष योगदान रहा है। लोग अहिंसा को एक कमजोरी समझ लेते हैं जबकि ऐसा नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, यदि हम शान्ति चाहते हैं तो युद्ध की तैयारी करनी पड़ेगी। महात्मा गांधी जी की ही तरह सही मायनों में आज के प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कुरुक्षेत्र के मैदान में ओपन स्टेज से यह कहा है ठीक है कि हमने परमाणु बम बनाया ।

[श्री भगवान सहाय रावत]

यह परमाणु बम इसलिए बनाया ताकि दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर न देख सके । इसलिए मैं चाहता हूं कि हरियाणा प्रथम राज्य होना चाहिये जहां का हर नौजवान देश की सीमा पर जा कर युद्ध लड़ सके। आज मुझे इस बात का गर्व है कि हरियाणा के रण बांकुरों ने जब-जब भी यहां पर विदेशी लड़ाई हुई तो उन्होंने युद्ध में हिस्सा लेकर अपनी जानें दी। हमारी सरकार ने यहां के शहीदों के लिए जो कार्य किया है, जो मान सम्मान उनको दिया है वह देश की सरकार ने या किसी प्रदेश की सरकार ने अपने शहीदों को नहीं दिया। हमारी सरकार ने शहीद हुए सैनिकों को 10-10 लाख रुपए का अनुदान देकर उनका मान-सम्मान बढ़ाया है। इससे बड़ी सहायता प्रजातंत्र में सरकार की इन शहीदों के प्रति नहीं हो सकती । आज उन शहीदों के नाम पर कहीं पर विद्यालयों के नाम रखे जा रहे हैं, कहीं पर सड़कों के नाम रखे जा रहे हैं। पहले क्या होता था कि जब ऐसे कोई वीर शहीद होता था तो उसकी विधवा औरत और उस जवान का विवश पिता अपने आप को असहाय महसूस करता था। अब सरकार ने उनको 10-10 लाख रुपए देकर जो सहायता की है वह वास्तव में सराहनीय कदम है। इतना ही नहीं सरकार ने उनका जीविका चलाने के लिए कहीं पर पैट्रोल पम्प दिए हैं तो कहीं पर गैस की एजेंसियां दी हैं। महज आज विपक्ष ने आलोचना करनी है वह तथ्यों को ध्यान में रख कर आलोचना नहीं कर रहा सरकार ने इन शहीदों के लिए मान सम्मान का काम किया है या दूसरी सुविधाएं दी हैं वह आज तक किसी भी सरकार ने चाहे वह केन्द्र की ही सरकार क्यों न हो, काम नहीं किया जितना कि हरियाणा की सरकार ने किया है इसके लिए मैं वर्तमान सरकार को बधाई देना चाहता हूं। यहां पर नारा दिया गया था "जय जवान जय किसान "। अब नारा दिया गया है" जय जवान,जयकिसान, जय विज्ञान " । मैं समझता हूं कि अटल जी के नेतृत्व में आदरणीय मुख्य मंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी अग्रसर कदम उठाते हुए प्रदेश को तरक्की के पथ पर ले जाएंगे। महात्मा गांधी जी ने भारत का जो स्वप्न देखा था उसको पूरा करने में चौधरी देवी लाल जी ने बचपन में अपना पूरा योगदान दिया था। इस देश के निर्माण में और प्रदेश के निर्माण में चौधरी देवी लाल जी का बहुत भारी योगदान है। मेरे कहने का मतलब यह है कि चौधरी देवी लाल जी की इस प्रदेश के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी यहां पर मौजूद हैं। हरियाणा के विकास के लिए जो संघर्ष आज के दिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी कर रहे हैं उसके लिए विपक्ष को भी साथ शामिल होकर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को एक संघर्षपूर्ण व्यक्ति की संज्ञा यहां पर देनी चाहिए। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि इनके नेतृत्व में हरियाणा का नव निर्माण होगा और हरियाणा देश का मार्गदर्शन करेगा। इन तथ्यों के साथ मैं अपने विपक्ष के भाइयों को इस बात से अवगत करवा रहा हूं कि वह दलगत राजनीति से उपर उठकर निर्णय लें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं शिक्षा नीति की बात कर रहा था इसके साथ ही मैं उद्योग नीति पर बात करना चाहूंगा . अभी 11.00 बजे प्रश्न काल में कुण्डली के बारे में चर्चा हो रही थी। केवल कुण्डली ही नहीं वहां पर नारनौल और मानेसर साईड में भी कितनी ही औद्योगिक इकाईयां लगाई गई हैं वहां पर हीरो होण्डा और दूसरी कम्पनियां, सिंगापुर, जर्मनी, जापान और कोरिया की कम्पनियां निवेश करने के लिए तैयार हो रही हैं। इससे ज्यादा हरियाणा का कभी भी सौभाग्य नहीं रहा है । दिल्ली के प्रदूषित यूनिट्स को दिल्ली से बाहर निकाल दिया गया है तो हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने चौड़ी छाती करके कहा कि हम इन उद्योगों को नष्ट नहीं होने देंगे। हम इन उद्योगों को बढ़ावा

देने के लिए मूलभूत सुविधाएं देंगे जिसके लिए हरियाणा में उचित वातावरण उपलब्ध है। दिल्ली के आस-पास हरियाणा है यहां समीप पर हवाई अड्डा है, यहां पर प्रदूषण रहित वातावरण है और हमारे यहां की सरकार लोकतंत्र में विश्वास रखती है, औद्योगिक विकास के लिए हमारी सरकार एक उदारवादी दृष्टिकोण रखती है। उपाध्यक्ष महोदय, उसके बाद देश और प्रदेश के सर्वांगीण विकास का हमारा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है ।

शिक्षा की नीति के बाद औद्योगिक विकास की बारी आती है और उस पर मैं चर्चा करने की जरूरत महसूस करता हूं। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारा कृषि क्षेत्र हमारी सरकार के हाथों में महफूज है। हरियाणा प्रदेश की 75 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर करती है। आदरणीय चौधरी देवी लाल जी का परिवार जब दिल्ली की राजनीति में था उस समय से मेरे उनके साथ सम्बन्ध हैं, दिल्ली की राजनीति के अन्दर रहते हुए भी उस वक्त दिल्ली के राम लीला मैदान और इण्डिया गेट पर रैलीज हुई थीं मैं समझता हूं कि चौधरी देवी लाल जी का परिवार और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के परिवार ने कभी किसी से राजनीतिक समझौता नहीं किया है। मुझे आज भी याद है कि जब जब भी संकट आया, राजनैतिक मतभेद पैदा हुए जब कभी किसान की बात आई तो चौधरी देवी लाल के पदचिन्हों पर चलते हुए चौटाला साहब ने कहा कि मैं मुख्य मंत्री बाद में हूं पहले मैं किसान हूं। चाहे गेहूं की कीमत का मामला आता है चाहे किसानों को कोई सुविधाएं देने की बात आती है इस सरकार ने किसानों को हर सुविधा देने का प्रयास किया है। इस तरह कृषि विकास के लिए यह वर्तमान सरकार प्रतिबद्ध है। जैसे कल कुरुक्षेत्र रैली की चर्चा हो रही थी। आज आदरणीय मुख्यमंत्री जी के आग्रह पर परम आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने हमारी दुग्ध और उससे सम्बन्धित उत्पाद वस्तुओं को ध्यान में रखते हुए, किसानों और यहां के जनमानस को ध्यान में रखते हुए थोड़ा ज्यादा शुल्क लगाने का प्रयास किया है जिसमें कि बाहर से जो सस्ता दूध आयेगा जिसका मूल्य 8 रुपए प्रति लिटर बताते हैं और यहां का 10-20 रुपए प्रति लिटर का दूध उसके मुकाबले में टिक नहीं सकता था इसलिए हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी के आग्रह पर हमारे परम आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने बाहर के जो मिल्क और उससे उत्पादित वस्तुएं हैं उन पर आज अधिक कस्टम डयूटी लगाने का सराहनीय काम किया है। इस तरह से आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि बिजली आज एक महत्वपूर्ण जरूरत है। सही मायने में आज इसके लिए प्रयास शुरु हुए हैं। हमारी सरकार से पहले की सरकारों में शामिल मुख्य मंत्री और पूर्व मंत्री यहां पर बैठे हुए हैं। सही मायने में जो पसीना आता है वह श्रम करने वाले को आता है। पसीना जो किसान को आता है वह उसकी मेहनत का फल है (विघ्न) चौधरी कर्ण सिंह दलाल जैसे ए0 सी0 में बैठने वाले लोगों को कभी पसीना नहीं आता है। इन्होंने मंत्री बन कर पता नहीं अच्छे-अच्छे कितने काम किए होंगे। मैं यह कहना चाहूंगा कि मेरा पसीना एक किसान के बेटे का पसीना है, एक शिक्षक का पसीना है और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की मेहनत का पसीना है। उस मुख्य मंत्री के पसीने के बिन्दु इसमें छिपे हुए हैं। जो कोई इनसे रात को एक बजे मिलने जाते हैं तो उस समय भी ये जागते हुए मिलते हैं और यदि सुबह पांच बजे मेरे जैसा उतावला आदमी पहुंचता है तब भी ये जागते हुए मिलते हैं। यह एक किसान और धरती पुत्र का पसीना है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिजली की चर्चा कर रहा था। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने बिजली के उत्पादन के बारे में प्रधान मंत्री जी से आग्रह करके यहां पर गैस बेस्ड प्लांट लगाने की एक

[श्री भगवान सहाय रावत]

नई योजना तैयार की है और वह स्वीकृत करवा कर बिजली की जो व्यवस्था है उसमें सुधार करने का भरसक प्रयास किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक सत्य बात कहूंगा। आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है इसलिए जब भी उनको बोलने का कोई मौका मिलता है तो ये बिजली, पानी और नहरों की ही बात करते हैं। मैं उस बारे में इनको यह कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां सच्चाई को स्वीकार कर यह कहा है कि बिजली की चोरी होती होगी, 41 प्रतिशत लाईन लौसिज नहीं हैं बल्कि बिजली की चोरी है। नये उपभोक्ता या बिजली के कुछ छोटे कर्मचारी मिल कर बिजली की चोरी करते हैं। ये पहले मुख्य मंत्री हैं जिन्होंने यह स्वीकारा है और यह कहा है कि हम लाईन लौसिज को कम करेंगे, बिजली की चोरी को रोकेंगे और 24 घण्टे बिजली देने का जो चौधरी देवी लाल जी के समय में हमारा अनुभव रहा है उस लक्ष्य को फिर से प्राप्त करेंगे। प्रदेश में जर्जर व्यवस्था हमें विरासत में मिली थी और हम कहना चाहेंगे कि उसे सुधारने में एक -दो महीने का समय अभी और लगेगा। जब हम यह कह सकेंगे कि सरकार जनता से किए हुए अपने सभी वायदे पूरे कर चुकी है। भारत सरकार से सम्बन्धित जो मामले हैं उनको भी हमारी सरकार पूरा कर पाएगी, ऐसी मुझे पूर्ण आशा है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ भवन तथा सड़कों की बात आती है। आदरणीय मुख्यमंत्री ने जो सच बात है उसको स्वीकार किया है। मैं आर्य समाजी परिवार से सम्बन्ध रखता हूं और यहां पर मेरे सामने भी लिखा हुआ है तथा आर्य समाज में एक नियम है और उससे मैं विपक्ष के भाईयों को भी अवगत करवाना चाहूंगा कि सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने के लिए सर्वथा तैयार रहना चाहिये। चौधरी बंसी लाल जी यहां पर नहीं हैं मैं उनको बताना चाहूंगा कि जब उनकी सरकार का राज हमें विरासत में मिला था तो राज्य में बहुत ही अव्यवस्था फैली हुई थी। चौधरी बंसी लाल जी के राज में और उनसे पिछले राज के शासन काल में जो सड़कें थीं उनको बिल्कुल भी छेड़ा ही नहीं गया वे उनकी मरम्मत नहीं करवा पाए थे वे ज्यों की त्यों टूटी रही थीं और किसी भी सड़क पर आया जाया नहीं जाता था। उनको बिल्कुल भी रिपेयर नहीं करवाया गया था । हमारी सरकार ने डेढ़ साल में सभी सड़कों की रिपेयर करवाई है उनकी चण्डीगढ़ की सड़कों जैसी कारपैटिंग करवाई है। अब आप चण्डीगढ़ से या कहीं और से भी आ रहे हों तो आपको पता ही नहीं चलता है कि हरियाणा कब आ गया क्योंकि आपको अब किसी प्रकार का झटका नहीं लगता है। मुख्य मंत्री जी ने सैंकड़ों किलोमीटर सड़कों का निर्माण करवा करके हरियाणा का विकास किया है। जनवरी, 2001 तक 60.75 करोड़ रुपए की लागत से 2,596 कि0 मी0 लम्बी सड़कों को सुदृढ़ करने, सुधार करने, ऊंचा उठाने चौड़ा करने तथा 47.53 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है। फरीदाबाद हमारे साथ लगता है और बाटा चौक फरीदाबाद में एक चारमार्गी रेलवे ऊपरिगामी पुल का निर्माण कार्य इस वर्ष पूरा हो चुका है और यह पुल यातायात के लिए खोल दिया गया है।

इसी प्रकार अम्बाला छावनी बस अड्डे के समीप एक एलिवेटिड हाईवे के निर्माण कार्य को पूरा करके इसे यातायात के लिए खोल दिया गया है। राज्यीय राजमार्गों के सुधार के लिए हुडको द्वारा 321 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है और सुधार कार्य शुरु कर दिया गया है। चालू वित्त वर्ष 2000-2001 के दौरान दो पुलों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और पांच पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है। ये सुधार कार्य करके सरकार ने एक प्रशंसनीय कार्य

किया है और यह बहुत ही अच्छा प्रयास किया है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि यातायात को सुदृढ़ करने के लिए हमारी सरकार ने बहुत ही प्रयास किए हैं। एक एस0 पी0 की अध्यक्षता में एक नया यूनिट गठित किया गया है और वे यातायात को नियंत्रित करेंगे इस तरह के कई सुधारवादी कदम हमारी लोकप्रिय सरकार ने उठाए हैं।

**श्री उपाध्यक्ष :** रावत साहब, आप वाईन्ड अप करें।

**श्री भगवान सहाय रावत :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा आरम्भ करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इस बारे में बहुत कुछ कहना चाहता हूं इसलिए मुझे जल्दी वाईन्डअप करने के लिए न कहें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसके साथ परिवहन की बात कहना चाहता हूं और मैं उन योजनाओं पर प्रकाश डालना चाहूंगा जो कि हमारी लोकप्रिय सरकार के बारे में सही राय कायम करने में विपक्ष के साथियों का साथ देगी । हम जब पहले किसी भी दूसरी राजधानी में जाते थे तो वहां पर हरियाणा को हरियाणा की बसों का बेड़ा के रूप में जाना जाता था। लोगों की आम राय थी कि अगर सफर करना है तो हरियाणा रोडवेज की बसों में ही करना है। पिछली सरकार के आने के बाद हरियाणा रोडवेज की बसों की बहुत दुर्दशा हो गई थी और किसी भी बस स्टैंड पर हरियाणा परिवहन की बसें दिखाई नहीं देती थीं। अब हमारी सरकार आने के बाद हमारी सरकार ने रोडवेज के कई नए काम किए हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी ने और हमारे परिवहन मंत्री श्री अरोड़ा जी ने बहुत ही अच्छे प्रयास किए हैं और सात करोड़ का जो वार्षिक बोझ हरियाणा परिवहन पर पड़ा था उसे भी कवर कर लिया है। उपाध्यक्ष महोदय, अप्रैल से दिसम्बर 2000 के दौरान, गत वर्ष की तुलना में हरियाणा राज्य परिवहन के घाटे में 29 प्रतिशत कमी आई है और यह अपने में एक रिकार्ड है। पिछले वर्ष की तुलना में यात्री कर, टोकन टैक्स, पूंजी पर ब्याज आदि के रूप में राज्य के संसाधनों में योगदान देने में 80 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है। (विघ्न)

**श्री उपाध्यक्ष :** माननीय सदस्य, कृपा बैठे-बैठे कोई भी स्पीच न दी जाए। जो भी कहना है उसके लिए पहले परमिशन ली जाए।

**श्री भगवान सहाय रावत :** उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत ही अच्छे काम किए हैं और उसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहता हूं। यहां पर बहुत से अध्याय हैं अगर मैं उन सभी पर चर्चा करने लगा तो बहुत सा समय लग जाएगा। अब मैं ग्रामीण विकास एवं पंचायत के बारे में बात करूंगा। जो सही में इस प्रजातंत्र का मूल आधार रहा है। मेरे साथी जानते ही होंगे और हम बचपन में पढ़ा करते थे कि पंचों को परमेश्वर माना जाता है। उसी मूल भावना को दृष्टिगत रखते हुए आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने चौधरी देवी लाल की लोकलाज का संकल्प लेते हुए उस बात को पूरा करने का प्रयास किया है। आज ग्रामीण पंचायतों को दूसरे राज्यों से अलग प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार देने का फैसला किया है। यह एक सराहनीय प्रयास किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, आप इस बात से अवगत होंगे कि पहली बार पंच परमेश्वर की छवि अब आपको गांवों में देखने को मिलेगी। विपक्ष के लोगों ने कई बार विलेज डवैल्पमैंट कमेटीज़ को लेकर राजनैतिक रोटियां सेंकने की कोशिश करी थी। मैं उनसे कहना चाहूंगा कि उनमें हरिजनों और पिछड़ी महिलाओं का प्रतिनिधित्व हुआ है उनमें एस0 सी0 और बी0 सी0 रिज़र्व कैटेगरी के लोगों का प्रतिनिधित्व हुआ है। हमारी विचारधारा पंचायती सिस्टम को खराब करने की नहीं है। सरपंच की अध्यक्षता में विलेज डवैल्पमैंट कमेटी का गठन करके एक भूतपूर्व सैनिक को

[श्री भगवान सहाय रावत]

भी इसमें शामिल किया गया है। इस तरह से मैं बड़े दावे से यह कहना चाहता हूं कि हमारे भारतवर्ष की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति थी कि जो पंचायतों के निर्णय में विश्वास होता था जिसमें पैसे और समय दोनों बचते थे इसके साथ साथ शक्ति भी बचती थी। इस तरह वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार पंचायतों को दिए हैं। सरपंच को, ब्लाक समिति चेयरमैन को और जिला परिषद चेयरमैन को उनकी दोगुनी तिगुनी और पांचगुनी राशि देने का अधिकार वर्तमान सरकार ने दिया है। मैं समझता हूं कि वह दिन दूर नहीं कि जैसा कहते हैं कि भारतवर्ष गांवों में बसता है मैं यह कहता हूं कि हरियाणा भी गांवों में बसता है और गांव ही यहां के मालिक हैं और जनता यहां की मालिक है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जनता ही सुप्रीम है और इसी पर चलते हुए आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सराहनीय काम किया है। इस दिशा में ग्राम पंचायतों को प्रशासकीय स्वीकृति अधिकारों की पूर्व सीमा को 25 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए, पंचायत समितियों की पूर्व सीमा को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए से तीन लाख रुपए तक तथा जिला परिषदों की पूर्व सीमा को एक लाख रुपए से बढ़ाकर तीन से पांच लाख रुपए तक कर दिया गया है। राज्य वित्तायोग की सिफारिशों के अनुसार उन्हें अधिक प्रशासनिक शक्तियां और दूसरे अधिकार दिए गए हैं इस तरह से एक जनमत के आधार पर जो हमें मेंडेट मिला था उसको हमारी सरकार ने पूरा करने का प्रयास किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, सदन इस बात का गवाह है कि जो कभी सत्ता पक्ष की पार्टी रही थी आज वह यहां पर आदरणीय बंसीलाल जी के साथ केवल एक विधायक है। इसी तरह से दूसरे हमारे साथी भी अपना घर सिकोड़कर बैठे हैं। जनता ने जो शासन आदरणीय चौटाला साहब का पहले देखा था उसी के आधार पर उसने उनको फिर से राज करने का मौका दिया । जनता में पंचायतों के अधिकारों में वृद्धि करने के पहले यह मौका उनको दिया था। मैं आज यह कहना चाहूंगा कि पंचायत समिति और नगर निगमों के जितने जन प्रतिनिधि चुनकर आए थे उनमें से अधिकांश नहीं बल्कि 99 परसैंट लोग लोकदल समर्थित आए थे। जनता ने एक नया जनादेश देकर चौटाला साहब की बात की पुष्टि की थी। चौधरी देवीलाल जी के पद-चिह्नों पर चलकर वर्तमान सरकार उनके सपनो को साकार करने का सतत प्रयास कर रही है। मैं सारी बातों को दोहराना नहीं चाहता क्योंकि उनको बच्चा-बच्चा जानता है। समाज कल्याण के नाम पर सरकार ने बुढ़ापा पैंशन दो सौ रुपए करने का काम किया है। हरिजन महिलाओं, हरिजन परिवारों को 5100 रुपये कन्यादान में देने का काम किया है। इस प्रकार 36 बिरादरियों के लोगों का दिल जीतकर यह सरकार आगे बढ़ रही है। अल्पसंख्यकों और दूसरे समुदाय के लोगों को सारी सुविधाएं देकर हमने ग्राम स्व-रोजगार योजना, जवाहर रोजगार योजना और इंदिरा आवास योजना जैसी केन्द्रीय योजनाओं को क्रियान्वित करने का काम किया है। हमने महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी जिलों के शुष्क खंडों में भी विकास कार्य करने का काम किया है। इस तरह से समाज कल्याण के नाम पर हमने अनुसूचित जाति, जन जाति के लिए भी नयी योजनाएं लागू करने का एक सराहनीय काम किया है। वर्ष 2001 को महिला सशक्तिकरण के रूप में मनाया जा रहा है। महिला जो कभी इस देश की सभ्यता संस्कृति ही नहीं बल्कि इस देश के सम्पूर्ण विकास की एक तरह से केन्द्र बिन्दु रही है उस महिला को जितना सम्मान इस सरकार ने दिया है उतना सम्मान किसी और सरकार ने नहीं दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि युवा जो देश के और राज्य के भविष्य के प्रतीक होते हैं और जिन भावी पीढ़ी के कन्धों पर देश का

नव निर्माण का भार होता है उनको भी हमारी सरकार ने बहुत प्रोत्साहन दिया है। खेलों को बढ़ावा देकर युवा शक्ति के मन की भावना को समझा गया है और पुरानी अव्यवस्था के स्थान पर एक नयी व्यवस्था हमारी सरकार ने उनको दी है। जब युवा साथी शराब की तस्करी करने पर विवश हो गये थे और जब आर्थिक दृष्टि से तंग उनके मां बाप उनको ऐसा करने से रोक नहीं पाए थे और जब उसके घर पर आंसू बहाकर उसकी औरत बैठी रहती थी तो ऐसे समय में हमारी सरकार ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। उस समय उनकी बहनें यह सोचती थीं कि शराब की तस्करी करके हमारा भाई वापस घर लौटेगा भी या नहीं ?

उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर किसी का नाम नहीं लेना चाहता क्योंकि मुझे किसी आलोचना को निमंत्रण देना अच्छा नहीं लगता। लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि तस्करी में बहुत से लोगों के परिवार शामिल थे। बगैर राजनीतिक संरक्षण के यह धंधा पनप नहीं सकता था। लेकिन हमारी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देकर एक नयी शिक्षा नीति और खेल नीति लागू की है। मैं यहां पर किसी का नाम नहीं लूंगा लेकिन चोर की दाढ़ी में अगर तिनका हो जाए तो मैं उसका पूरी तरह से जवाब दे सकता हूं। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि ऐसे बहुत से लोगों ने उस समय अपार धन राशि एकत्र की थी और उस युवा शक्ति का भविष्य अन्धकारमय कर दिया था। लेकिन वर्तमान सरकार ने और हमारे मुख्यमंत्री जी के पुत्र आदरणीय अभय चौटाला जी ने खेलों को बढ़ावा देने का एक सतत प्रयास किया है। ओलम्पिक ऐसोसिएशन के द्वारा गांवों -गांवों में खेल स्कीम बनायी गई है। उपाध्यक्ष महोदय, आप सभी जानते हैं कि भारतवर्ष के सौ करोड़ लोगों में एक द्वारा भी स्वर्ण पदक नहीं आता था और हम असहाय होकर यह सोचा करते थे कि इस देश का क्या बनेगा लेकिन हमारी सरकार ने उस व्यवस्था को उस सारे सिस्टम को चैलेंज के रूप में स्वीकार किया है। हमारी सरकार ने कांस्य पदक विजेता को 25 लाख रुपये इनाम के रूप में दिए हैं। इसके अलावा स्वर्ण पदक रजत पदक एवं कांस्य पदक जीत कर लाने वाले के लिए अलग अलग इनामों की एवं रैजीडेंशियल प्लाट्स देने की घोषणा की है। इस तरह से करोड़ों रुपये के पारितोषिक देकर खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मैं यह कहना चाहूंगा कि केन्द्र की सरकार के सहयोग एवं आशीर्वाद से यहां पर नयी खेल अकादमी स्थापित की जा रही है, नये स्पोर्ट्स काम्पलैक्स स्थापित किए जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी एक खिलाड़ी रहे हैं और मेरा भी खेलों से बहुत नजदीक का रिश्ता रहा है जब युवा खिलाड़ी खेल खेलता है तो उस समय उसे अपनी जिम्मेदारी का, अमीरी गरीबी का ध्यान नहीं होता है। अगर उसका सही मायनों में सर्वांगीण विकास होता है तो वह उन्हीं क्षणों में होता है जब वह खेल के मैदान में होता है। इसलिए भटकी हुई युवा पीढ़ी को सही रास्ते पर लाने का हमारी सरकार ने प्रयास किया है। भारतवर्ष में अब खेलों का नाम रोशन करने के लिए हरियाणा पहला प्रान्त होगा जहां पर अनेकों चांदी और सोने के पदक आएंगे। मैं सभी साथियों से आग्रह करना चाहूंगा कि चाहे वह किसी भी इलाके से, किसी भी जाति से सम्बन्धित क्यों न हों, जब यहां का नौजवान ओलम्पिक खेलों से पदक जीतकर आएगा और जब हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी घोषित किए हुए इनाम उसको देंगे तो मैं समझता हूं कि वह दिन खेल जगत में देश के मानचित्र पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो जाएगा। इस तरह से युवा कल्याण की जो सारी बातें थीं उसमें मैं डिटेल नहीं दे रहा हूं, विभिन्न खेलों के लिए 24 खेल नर्सरियां तथा एक खेल छात्रावास भी संचालित किया जा रहा है जहां खिलाड़ियों को सघन प्रशिक्षण के साथ-साथ ठहरने की भी निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवायी जा रही है। फरीदाबाद में 8.43 करोड़ रुपये की लागत से राज्य खेल परिसर का निर्माण किया गया है। अम्बाला तथा

[श्री भगवान सहाय रावत]

गुड़गांव में हाकी के लिए ऐस्टोटर्फ के निर्माण का भी प्रस्ताव है। आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने यह भी कहा है कि मेरी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए वचनबद्ध है। ऐसी और इस तरह की बहुत सी बातों पर बहुत तफसील से राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिक्र किया है जो कि इन्होंने यहां सभी सदस्यों को देकर कृतज्ञ किया है। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि सारे इम्पोर्टैंट प्रश्नों को, बिंदुओं को मैंने इसमें कवर करने का प्रयास किया है मैं दो बातें और कहना चाहूंगा जैसा कि मैंने कहा था कि मैं विधायक के साथ-साथ अध्यापक भी रहा हूं । चौधरी देवी लाल जी हरियाणा की राजनीति के पितामह रहे हैं और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब हरियाणा प्रदेश के लौहपुरूष और विकास पुरूष के नाम से जाने जाते हैं उस बात को दृष्टिगत रखते हुए इससे पहले कि मैं इस सदन से आदरणीय महामहिम द्वारा दिये गये प्रस्ताव पास करने का अनुरोध करूं क्यों कि मुझे विधायक के रूप में ऐसा मौका मिला है और दूसरा मौका शायद बजट पर चर्चा का मिलेगा, उससे पहले मुझे दोबारा बोलने का मौका न मिल सके इसलिए मैं इसी मौके पर अपनी बात कहना चाहता हूं।

**श्री उपाध्यक्ष :** आप वाइंड अप कीजिए।

**श्री भगवान सहाय रावत :** एक बात मैं शिक्षक के रूप में, विधायक के रूप में, जनप्रति -निधि के रूप में पर्सनली कहना चाहूंगा। मैं समझता हूं कि बहुत से विचार हमारे बीच में आते रहते हैं उस बारे में मैं सभी साथियों से अनुरोध करूंगा कि उन पर थोड़ा सा गंभीरता से विचार करेंगे इस देश की समस्या आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने राष्ट्रीय स्तर पर जिसे सुलझाने का प्रयास किया है सही मानेंगे जैसे हमारे साथी प्रश्न काल में कुछ कह रहे थे कि यहां जनसंख्या की प्रोब्लम है, बेरोजगारी की प्रोब्लम है, पीने के पानी की समस्या है, मैं आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि उस बारे में कुछ करें। आज उनकी केन्द्र में सरकार है उनकी एक सम विचार के व्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण व्यक्तित्व वाले प्रधानमंत्री के रूप में मौजूद हैं आदरणीय चौटाला साहब और हम लोग एक दिन उनसे अनुरोध कर रहे थे कि हमारे यहां जो इंटरस्टेट डिस्प्यूट हैं उनके लिए देश की जल नीति बनानी चाहिए। इस पर प्रधान मंत्री जी ने एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी कुरूक्षेत्र के मैदान में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी को सौंपी है कि आप इस बारे में उत्तर भारत और पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन करें और अंतर्राज्यीय स्तर पर जो आपके डिस्प्यूट हैं उनको सुलझाने के लिए प्रयास करें। मैं समझता हूं कि यह प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि का संकेत है आज इस प्रदेश की चाहे वह पुरानी लम्बित पड़ी हुई मांग है , लेकिन वह सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, चाहे आगरा कैनाल की बात है चाहे दूसरा हमारा राजधानी का विषय है चाहे हमारी पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ौसी राज्यों से संबंधित समस्याएं हैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी उनकी अच्छी पैरवी कर रहें हैं। इसी तरह जनसंख्या की बात आई।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि इस भारतवर्ष का जो सिद्धान्त था जो इस भारत वर्ष की सोच थी सही मायनों में समस्याओं का समाधान उस शिक्षा नीति में मौजूद था जब यहां पर वर्ण व्यवस्था लागू थी जब 25 वर्ष का नौजवान ब्रह्मचारी यहां शिक्षा अर्जित करने के बाद शारीरिक विकास के बाद देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए तत्पर होता था तो न

वहां पर करप्शन होता था और न ही वहां पर जनसंख्या ज्यादा होती थी, न समाज में अछूत और न दूसरी तरह की बीमारियां फैलती थीं और न साम्प्रदायिक सद्भाव भंग होने की समस्या होती थी। किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं था आज पुन: वह वक्त आ गया है जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी उस बात को करने जा रहे हैं। हरियाणा देश का अग्रणी राज्य होगा जिसमें जो केन्द्र विषय है जो सब राज्यों की समस्या है सब जातियों की समस्या है उस जनसंख्या के मुद्दे को उठाने का प्रयास हरियाणा प्रदेश में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी करने जा रहे है इसी तरह से खेलों की बात कही थी जैसे मैं शिक्षक के रूप में बोल रहा था मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से कहना चाहूंगा कि एक आदमी के विकास में चार स्तम्भ होते हैं और सबसे पहला स्तम्भ कर्त्तव्य का होता है ।

आज पुरुष प्रधान समाज में हम लोग पत्नी के रूप में महिलाओं को देखते हैं तो हम पुरूष होने का दम भरते हैं । उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने सदन के और विपक्ष के साथियों से कहना चाहूंगा कि जब हम माँ का दर्जा और बहन का दर्जा सामने रखते हैं तो हम आदमी का कद बहुत छोटा पाते हैं। इस सरकार ने स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देकर एक अच्छा काम किया है। मैं समझता हूं कि आज पुरानी शिक्षा पद्धति को लाने का समय है ताकि माता के पेट में गर्भस्थ शिशु जब पलता है तो वह अच्छे संस्कार लेकर इस संसार में जन्म ले सके जिससे वह देश का जिम्मेवार राजनीतिज्ञ और जिम्मेवार अधिकारी बन सके। उस तरह की शिक्षा देने की व्यवस्था आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने करने का निर्णय लिया है। दूसरी बात मैं पिता के बारे में कहना चाहता हूं। पिता के रूप में इस सदन में हम और आप विद्यमान हैं। जनक और पिता में बड़ा भारी अन्तर है। पालन-पोषण करने वाले को पिता कहते हैं। जब बच्चा 5 से 8 वर्ष की आयु में पहुंचता है तो पिता का दायित्व बनता है कि वह बच्चे के पालन-पोषण के लिए उसे अच्छे संस्कार दे और उसको अच्छी शिक्षा दे। मुझे इस बात को कहने में जरा भी संकोच नहीं है कि हमारे राजनीतिज्ञ और जिम्मेवार पदों पर बैठे लोग जो स्वयं शराब और धुम्रपान जैसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो वे युवा पीढ़ी को क्या शिक्षा दे पाएंगे और मुझे यह बात समझ में नहीं आती कि वे एक पिता की जिम्मेवारी का निर्वहन कैसे कर पायेंगे ? तीसरी बात मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। आज के युग में शिक्षा का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। मैं अमेरिका का उदाहरण देना चाहता हूं। जहां शिक्षा जगत में वे लोग आते हैं जिनका टॉप ब्यूरोक्रेट से ज्यादा वेतन होता है। मैं आदरणीय मुख्यमंत्री से अनुरोध करुगां कि हमारे राज्य में जितने टैलैंटिड शिक्षक हैं उनको सम्मान देने की राशि को दुगना कर दिया जाये। इसके साथ ही मैं शिक्षा नीति की सराहना करते हुए यह अपेक्षा करता हूं कि शिक्षक को जितना सम्मान दिया जायेगा उससे उतना ही सारे देश का भविष्य उज्जवल होगा। इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी प्रयासरत हैं। चौथी बात उपाध्यक्ष महोदय, मैं हमारे और आपके समाज की कहना चाहता हूं । सही भावने में हम 36 समूहों से निकले हुए हैं। आज का नौजवान सुबह और शाम चारों ओर देखता है तो उसको सफेद कपड़े वाले अन्दर से काले नजर आते हैं क्योंकि जब तक मन, वचन और कर्म में सामंजस्य नहीं होता है तब तक पूर्ण सफलता नहीं मिल सकती। क्योंकि जब भाषण देने वाले लोग अपने जीवन में वे बाते क्रियान्वित नहीं करते क्योंकि वे स्वयं शराब और धूम्रपान से ग्रस्त होते हैं तो ऐसे में स्वस्थ समाज की स्थापना कैसे हो सकती है। यह सब जिम्मेवारी हम सब की है फिर हम किस पर दोषारोपण करें। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की याददाश्त बहुत तेज हैं। जब मैंने नदियों के जल के बंटवारे पर आपत्ति की तो उन्होने कहा कि विधायक महोदय, 1960-70 के

[श्री भगवान सहाय रावत]

दशक में एक व्यक्ति श्री राव ऐसे हुए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक जल नीति बनाकर नदियों को गले के हार के रुप में जोड़ने की बात की थी। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी पर एक जिम्मेवारी सौंपी है मुझे आशा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी इसको बखूबी निभायेंगे। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को एक बात कहना चाहूंगा कि हम विधायकों को समितियों के दौरे पर दूसरे प्रान्तों में जाने का मौका मिलता है। सही मायने में विधायक वहां जाकर वहां की ज्योग्राफिकल सिच्यूएशन को देखते हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य में हाईड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट बनाकर सारे उत्तर भारत को बिजली दी जा सकती है। जिस प्रकार हरियाणा प्रदेश का उदाहरण दूसरे राज्य ले रहे हैं अगर राजस्थान में माईंज और टूरिज्म को डिवैल्प कर दिया जाये तो राजस्थान भी हरियाणा की भांति ऊपर जायेगा। हमें इस प्रकार के संसाधनों को प्रोत्साहित करना चाहिए। मैं चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी से आग्रह करूंगा कि वे केन्द्र से इस काम के लिए सिफारिश करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चौधरी देवीलाल जी जो राजनीति के पितामह और हमारे प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं जिन्होंने कहा था कि लोकराज लोकलाज से चलता है। वे उसके जनक रहे है मैं उनका स्मरण करते हुए माननीय सदस्यगण को कहना चाहूंगा कि मैंने सरकार के नीतिगत कार्यक्रमों को अपने अन्तर मन से व्यक्त करने का प्रयास किया है फिर भी हो सकता है कि मैं उनको पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर पाया हूं और उसके कुछ अंश रह गये हों परन्तु मैं इतना जरूर कहना चाहूंगा कि जब तक व्यक्ति के मन, वचन और कर्म में सामंजस्य नहीं होता तब तक उसका पूर्ण विकास नहीं हो सकता।

**श्री उपाध्यक्ष :** रावत जी, आप दो मिनट में वाइंड अप कीजिये।

**श्री भगवान सहाय रावत :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं 5 मिनट लेकर अपनी बात समाप्त कर दूंगा। हमारी भारतीय सभ्यता संस्कृति का जो दर्शन रहा है, हम लोग उसकी पुनरावृति कर सकते हैं। मैंने उन्हीं बिन्दुओं को टच करने की कोशिश की है जो आज वक्त की आवश्यकता है। (शोर)

**श्री उपाध्यक्ष :** मूवर को सफीशिएंट टाइम मिलता है लेकिन फिर भी मैंने इनको टोक कर अपनी बात दो मिनट में समाप्त करने के लिए कहा है।

**श्री भगवान सहाय रावत :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथियों से कहना चाहूंगा कि व्यक्ति सामाजिक व्यवस्था का प्रथम यूनिट होता है। आप में से कुछ साथी कहेंगे कि बोलना तो इसका व्यसन है लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि व्यसन क्या होता है। रावण जो दुनिया का सबसे बड़ा विद्वान था लेकिन वह धर्मात्मा नहीं था इसलिए आदमी को अपने धर्म का पालन अवश्य करना चाहिए।

आज देश की सबसे बड़ी आवश्यकता सामाजिक प्रजातंत्र मूल्यों के संरक्षण करने की है। आज हम सभी साथियों को चाहे सत्ता पक्ष के हैं या विपक्ष के हैं, सबको आगे आना चाहिए। आदमी सामाजिक व्यवस्था का प्रथम यूनिट होता है। एक पति अच्छा पति तभी हो सकता है जब वह अपनी पत्नी को संतुष्ट रखे। एक अच्छी पत्नी तभी हो सकती है जब वह अपने पति की आकांक्षाओं के अनुसार चले तथा अच्छा दाम्पत्य तभी माना जा सकता है जब वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकें और उनका अच्छा पालन पोषण कर सकें। शिक्षा के लिए सरकार ने अच्छी नीति बनाई है जिसका मार्गदर्शन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी कर रहे हैं। मैं आदरणीय

साथियों से निवेदन करना चाहूंगा कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण पढ़ा है उसके लिए कृतज्ञतापूर्वक समर्थन पर सभी लोग विचार व्यक्त करें तथा विश्वास और श्रद्धा के साथ अपनी जानकारी और तथ्यों को एक दूसरे को अवगत कराके उसको पास करने की कोशिश करें। धन्यवाद ।

**प्रो0 राम भगत (नारनौंद)** : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय भगवान सहाय रावल जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव रखा है, मैं उस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और इस अभिभाषण का स्वागत करता हूं। मैं हरियाणा सरकार को इस बात की बधाई देता हूं कि उन्होंने हरियाणा के चहुंमुखी विकास और संतुलित विकास के लिए कारगर कदम उठाए हैं। भारत के राजनीतिक पितामह चौधरी देवीलाल जी जो प्रजातंत्र के स्वस्थ प्रहरी है, जिन्होंने प्रजातंत्र को नई परिभाषा का एक नया आयाम दिया है, उन्होंने कहा है कि आप सही माथने में प्रजातंत्र को देखना चाहते हैं तो गरीबों की झोपड़ियों से शुरूआत करें, खेतों-खलियानों से शुरूआत करें न कि एयर कंडीशनर्ज़ और कोठियों तथा पार्कों से करें। यदि आप प्रजातंत्र के रक्षक बनना चाहते हैं तो आपको लोगों के बीच में जाना पड़ेगा और सेवक बनकर काम करना पड़ेगा तथा लोगों को महसूस कराना पड़ेगा कि उनके प्रतिनिधि विशेष अधिकार प्राप्त समाज से नहीं हैं बल्कि उनके सेवक हैं।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं मौजूदा सरकार की उपलब्धियों के बारे में आपको बताना चाहूंगा कि आज से लगभग डेढ़ साल पहले हरियाणा की अर्थव्यवस्था, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था लड़खड़ाई हुई थी। हर क्षेत्र में गाड़ी पटरी से नीचे उतर चुकी थी और चारों तरफ असुरक्षा तथा भय का माहौल बना हुआ था। पूरे हरियाणा में शराब माफिया फैल गया था। समाज का कोई भी वर्ग अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा था। बूढ़े, बच्चे, महिलाएं और जवान अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे थे। उद्योग यहां से पूरी तरह से पलायन कर रहे थे। ऐसी परिस्थितियों में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने हरियाणा की बागडोर संभाली जब हरियाणा सरकार के सामने काफी चुनौतियां थीं। लेकिन मौजूदा सरकार ने डेढ़ साल के थोड़े से समय में ही कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्य को दुरूस्त किया है। आज हरियाणा प्रदेश के अंदर सर्व जातीय भाईचारे का माहौल है, 36 बिरादरियां सांप्रदायिकता सद्भावना के माहौल में रह रही हैं। आज हरियाणा के अंदर चारों तरफ चहुंमुखी विकास हो रहा है। यही कारण है कि 8 हजार उद्यमी और इण्डस्ट्रियलिस्टस हरियाणा के अंदर उद्योग लगाना चाहते हैं। मैं इस सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि पुलिस प्रशासन को, गुप्तचर एजैंसियों को तथा कमांडो फोर्सिज़ को आज के जो आधुनिक तकनीक के हथियार हैं उनसे लैस किया जा रहा है ताकि वे गुंडागर्दी करने वालों से मुकाबला कर सकें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह मानता हूं और हो सकता है कि कोई बदमाश शरारत कर दे लेकिन हमारी पुलिस उसे जल्दी ही अपने कब्जे में ले लेती है। पहले की तरह नहीं है कि बदमाश पकड़ में ही न आयें। आज के दिन हमारा कानून और सरकार बहुत चुस्त है। पुलिस के शिकंजे से कोई भी बदमाश निकलकर नहीं जा सकता । जो 17-18 अंतर्राज्यीय गिरोह बहुत ज्यादा पैमाने पर गड़बड़ी कर रहे थे आज वे हरियाणा पुलिस के शिकंजे में हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं कि हरियाणा की और देश की खुशहाली किसान के ऊपर निर्भर करती है। यदि किसान खुश होगा तभी देश खुश रह सकता है। हरियाणा सरकार ने किसान को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, उसे अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बहुत ही ठोस कदम उठाये हैं। उपाध्यक्ष

[प्रो0 राम भगत]
महोदय, आप भी जानते हैं कि मौजूदा सरकार ने किसान को गन्ने का मूल्य 110 रुपये प्रति क्विंटल दिया है और यह मूल्य पूरे देश में सबसे ज्यादा दिया गया है, इतना ज्यादा गन्ने का मूल्य किसान को और कहीं नहीं दिया गया। 110 रुपये गन्ने का मूल्य किसान को देने से किसानों को इस बार 42 करोड़ रुपया ज्यादा मिला है। इतना ही नहीं इसके अतिरिक्त 21 करोड़ रुपये किसानों को मौजूदा सरकार ने वे भी दिए हैं जो पिछली सरकार ने नहीं दिए थे जो सरकार की तरफ बकाया थे। पहले किसान अपने पैसे लेने के लिए एम0डी0 के ऑफिस के चक्कर काट-काट कर काफी पैसे किराये में ही खर्च कर देता था लेकिन अब 14 दिन में किसान को पैसे दे दिये जाते हैं और यदि इससे ज्यादा समय लग जाता है तो किसान को 15 प्रतिशत ब्याज दिया जाता है। पिछली बार धान के समय में जब भण्डारण की समस्या थी तब भी हमारे कर्मठ मुख्यमंत्री जी प्रधानमंत्री जी से मिले और किसानों को 540 रुपये प्रति क्विंटल धान का मूल्य दिलवाया और किसानों की सारी धान खरीदी गई। यह खरीददारी 15-16 अक्तूबर तक समाप्त हो गई थी। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री मांगे राम गुप्ता :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी से पूछना चाहूंगा कि क्या गेहूं का भी किसानों को इस बार उचित मूल्य दिया जायेगा ?

**प्रो0 राम भगत :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने गेहूं का भी उचित मूल्य किसानों को देने की घोषणा की है। अगर केन्द्र सरकार गेहूं का मूल्य नहीं बढ़ायेगी तो हरियाणा के मुख्यमंत्री महोदय किसानों को गेहूं पर बोनस देंगे। इसके अलावा किसानों के लिए और कई सुविधाएं हमारी सरकार ने दी हैं सरकार किसान पास बुक जारी करने जा रही है, किसानों का जो दफ्तरों में शोषण होता था, लूटपाट होती थी उससे वे बच जाएगें कई तरह के काम किसान पास बुक से हल होगें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा किसान क्रेडेट कार्ड इशू किये जा रहे हैं जहां आसानी से बैंक उपलब्ध हो सकते हैं। यही नहीं आज केन्द्र सरकार के सामने एक मसला आया था कि समान बिक्री कर की दरों को लागू किया जाए लेकिन हरियाणा के कर्मठ और किसान हितैषी मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने अड़कर यह फैसला करवाया कि डीज़ल और खाद पर समान बिक्री कर की दरें लागू नहीं होनी चाहियें और इनकी काफी कम कीमतें रखी गई। मैं हरियाणा सरकार को इस बात के लिये मुबारकबाद देता हूँ कि हरियाणा में पिछले तीन साल से लगातार सूखे की स्थिति बनी रही उसके बावजूद हमारी सरकार ने पर्याप्त मात्रा में बिजली उपबल्ध कराई जिसके परिणामस्वरुप हरियाणा में रबी और खरीफ फसल का रिकार्ड तोड़ उत्पादन हमारे किसानों ने किया। इसके साथ-साथ सरकार ने सिंचाई के बारे में भी कई ठोस कदम उठायें हैं। कई माइनरों की मुरम्मत कराई गई और एम0 आई0 टी0 सी0 व काडा को चुस्त बनाकर जलमार्गों का सुधार किया और उनके मुरम्मत के काम करवाये गये। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं आंकड़ों की बात बताना चाहूंगा कि नरवाना ब्रांच जो कि पंजाब से आती है और भाखड़ा की जो मेन लिंक है उसकी सफाई के लिये हरियाणा सरकार ने पंजाब को 5 करोड़ रुपये दिये ताकि जो सिल्ट वगैरह नहर के अन्दर जमा है उसको निकाल कर अच्छी तरह से सफाई की जा सके जिससे कि पर्याप्त मात्रा में नहरों में पानी पहुंच सके। इसके साथ-साथ जो हथनी कुण्ड बैराज है उसके साथ डब्ल्यू0 जे0 सी0 सिस्टम जोड़ने की योजना है जिससे बरसात के सीजन में कम से कम 4000 क्यूसिक फालतू पानी हरियाणा के किसानों को मिलेगा। आज हरियाणा सरकार किसानों के हितों और भले के लिये पूरी तरह से चिंतित है और निष्ठापूर्वक काम कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके

माध्यम से हरियाणा सरकार को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि सरकार ने शिक्षा की व्यावहारिक नीति अपनाने पर जो जोर दिया है वह एक सराहनीय कदम है। हमारे एक नोबल पुरस्कार विजेता श्री अमृत्यसैन जी जोकि विदेश में बसे हैं, ने एक नारा दिया है कि यदि आप देश को खुशहाल देखना चाहते हैं, देश से गरीबी मिटाना चाहते हैं, देश से भुखमरी मिटाना चाहते हैं, देश से बेरोजगारी मिटाना चाहते हैं तो आप हर बच्चे को, हर नागरिक को शिक्षित कीजिए क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा साधन है, एक ऐसा औजार है जो सभी समस्याओं का समाधान करता है और व्यक्ति को समर्थ बनाता है। इन सब चीजों का सामना करने के लिये हमारी सरकार ने एक बहुत ही बढ़िया व्यावहारिक शिक्षा नीति बनाई है। आज ग्लोबलाइजैशन का युग है, भूमण्डलीकरण का युग है, स्पर्धा और कम्पीटीशन का जमाना है यदि हम वक्त की आवाज को नहीं सुनेंगे और उसके हिसाब से अपने आपको जोड़े नहीं रखेंगे तो हम विकास की दृष्टि से पिछड़ जाएंगे इसलिये हरियाणा सरकार ने आज तकनीकी शिक्षा, कम्प्यूटर की शिक्षा और अंग्रेजी की शिक्षा को स्कूलों में प्राईमरी लैवल पर लागू करने का फैसला किया है। आज 21वीं सदी का पहला दशक सूचना प्रौद्योगिकी का दशक है जिसमें एक नया कंसैप्ट, एक नया विचार उभर कर हमारे सामने आ रहा है जिस तरह से बिजली, तेल, अनर्जी या दूसरे जो रिसोर्सिस अथवा ताकतें हैं इसी तरह से इन्फोर्मेशन भी एक ताकत बनकर उभर रहा है और इस इन्फोर्मेशन तकनीकी के अन्दर जो देश या समाज आगे निकल जाएगा वही देश या समाज विकास कर पाएगा और दुनिया की दौड़ में एक सशक्त , समृद्ध राष्ट्र बन सकेगा। आज हमारे यहां अलग-अलग प्रकार की शिक्षा के लिये नये-नये इंजीनियरिंग कालेजिज, पोलोटैक्निक तथा वोकेशनल संस्थाओं के साथ-साथ, आई0आई0टी0, एम0बी0ए0 तथा एम0सी0ए0 जैसी शिक्षण संस्थाओं को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त हरिजन तथा बैकवर्ड क्लासिज़ के लिये विशेष अधिकार भी शिक्षा के क्षेत्र में दिये जा रहे हैं।

मैं आज हरियाणा सरकार को मुबारकवाद देता हूं कि इसने गांधी जी का सपना पूरा करने के लिए चौधरी देवी लाल जी के आदर्शों को पूरा करने के लिए पंचायती राज के तहत ग्रामीण विकास की तरफ विशेष ध्यान दिया है क्योंकि जब तक सत्ता का विकेन्द्रीकरण नहीं होता, जब तक सत्ता नीचे के यूनिट के ग्रौस लैवल तक नहीं पहुंचती, जब तक आम आदमी के घराने तक नहीं पहुंचती, जब तक गरीब आदमी की झोंपड़ी तक नही पहुंचती तब तक सही माथने में प्रजातंत्र मजबूत नही हो सकता इसीलिए हमारी सरकार ने पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों, को विशेष अधिकार दिए हैं। उनकी वितीय शक्ति को बढ़ाया गया है और उनको प्रशासनिक अधिकार दिये गए हैं ये पंचायतें पहले 25 हजार रुपये खर्च कर सकती थी अब पंचायतें 1 लाख 25 हजार रूपये खर्च कर सकती है, पंचायत समितियां 3 लाख रूपये खर्च कर सकती हैं और जिला परिषद 5 लाख रुपये खर्च कर सकती है। इसके साथ-साथ उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने एक नया आयाम ग्राम विकास में दिया है। विलेज डिवैल्पमैंट कमेटीज बना कर ग्रामीण विकास को बढावा दिया है। हमारे विपक्ष के साथियों ने ग्रामीण विकास समितियों की मार्फ़त अपनी राजनीति चमकाने के लिए पंचायतों का विरोध किया है, पंचायतों के अधिकारों में हस्तक्षेप बता रहे हैं लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि ये जो ग्रामीण विकास समितियां बन गई हैं इससे पंचायतों के अधिकार बढ़ेंगे और पंचायतें मजबूत होंगी क्योंकि ग्रामीण विकास समितियों के पास 50 लाख रूपए तक के विकास के कार्यों की योजना लागू करने के अधिकार प्राप्त हैं। उन ग्रामीण विकास समितियों के चेयरमैन सरपंच होंगे, उस समिति में एक बैकवर्ड क्लास का मैम्बर

[प्रो0 राम भगत]
होगा, एक हरिजन मैम्बर होगा, एक महिला मैम्बर होगी और एक भूतपूर्व सैनिक मैम्बर होगा इस तरह से 7 और 9 मैम्बर के बीच की कमेटी होगी। सरपंच की इजाजत के बगैर पैसा नहीं निकलवाया जाएगा। पैसा निकालने के लिए कमेटी के चेयरमैन को अधिकार होगा। इस तरह से ग्राम के विकास के कार्यों की गति बढ़ेगी और कम पैसे में ज्यादा काम होंगे। उदाहरण के तौर पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि आज अगर हम एक ठेकेदार से काम करवाना चाहते हैं तो कम से कम 1 लाख 40 हजार रूपये का एक कमरे का एस्टिमेट बनता है लेकिन पंचायत समितियां गांवों के लोगों के सहयोग से वह कमरा 60 हजार रूपये में बना सकती हैं। इस तरह से सब गावों के विकास के लिए प्रजातांत्रिक तरीके से पंचायतों को मजबूत करने का एक कदम है। मेरे विपक्ष के साथी इसका विरोध कर रहे हैं। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि ये भाई कम से कम एक विपक्ष का नजरिया अपनाएं। आज से 13 साल पहले चौधरी देवी लाल जी ने समाज कल्याण के तहत गरीब तबके को समाज से तिरस्कृत लोगों को ऊंचा उठाने के लिए एक रिकार्ड कायम किया था।

**श्री मांगे राम गुप्ता :** डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। डिप्टी स्पीकर साहब हमारे माननीय साथी ने एक बहुत ही सीरियस बात की है।

**श्री उपाध्यक्ष :** गुप्ता जी आप जितनी रनिंग कमैंटरी करते हैं शायद ही उतनी कोई दूसरा माननीय सदस्य करता हो।

**श्री मांगे राम गुप्ता :** डिप्टी स्पीकर साहब, अभी माननीय सदस्य ने चर्चा करते हुए एक बात कही कि जो कमरे ठेकेदारों द्वारा बनवाए जाते हैं अगर उनका एस्टिमेट सरकारी अधिकारी बनाते हैं तो वह 1 लाख 40 हजार रूपए का बनाते हैं। लेकिन जो ग्रामीण विकास समितियां बनाई गई हैं वह एक कमरा 60 हजार रूपये में बना सकती हैं यह बहुत ही सीरियस बात है यह फाईनांस का मैटर है। (शोर)

**श्री उपाध्यक्ष :** ठीक है आप बैठ जाएं।

**नगर एवम् ग्राम आयोजना मन्त्री** (श्री धीरपाल सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोल रहे हैं। उन्होंने बोलते हुए अपनी तरफ से एक पक्ष रखने की कोशिश की। जो बात वे कह रहे थे उसको मांगे राम गुप्ता जी दूसरी तरफ ले जा रहे हैं । हमारे साथी का कहने का भाव यह था कि गांव के आदमी चाहे वह एक्स सर्विस मैन हो, पंचायत का कोई मैम्बर हो, नम्बरदार हो या कोई बुजुर्ग हो, वह बतौर लेबर के रूप में शामिल हो जाता है। जब गांव के लोग किसी सार्वजनिक कार्य में स्वयं शामिल हो जाते हैं तो वहां पर उस काम की लागत भी कम आती है। माननीय साथी का कहने का भाव यही था कि इन लोगों के शामिल होने से यानी उनकी भागीदारी होने से ऐसे सार्वजनिक कामों की लागत कम आयेगी । (शोर एवं विघ्न)

**प्रो0 सम्पत सिंह :** उपाध्यक्ष महोदय, इन लोगों को अपने समय की बात याद आ रही होगी। यहां पर कहा गया कि पैसे खायेगा। यदि कोई पैसे खायेगा तो वह भुगतेगा भी इसके लिए बाकायदा कायदे कानून बने हुए हैं। इनका कहने का मतलब यही था कि गांव की भागीदारी होने से खर्चा कम आयेगा। यानि गांवों के बुजुर्ग लोगों से हम उनका फायदा उठा सकते हैं। आप सब को पता है कि जब गांवों के जोहड़ों की सफाई होती थी तो लोग आपस में मिलकर उसकी सफाई कर लिया करते थे । (शोर एवं विघ्न)

**प्रो० राम भगत :** उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा महसूस हो रहा है कि हमारे इन साथियों ने गांवों के किसी सार्वजनिक कार्य में कभी हिस्सा नहीं लिया। मैं भले ही आज विधायक हूं लेकिन जब भी गांव के कोई सार्वजनिक कार्य होते हैं मैं उसमें खुद शामिल होकर कार्य करता हूँ। जोहड़ की सफाई करनी होती है तो मैं खुद कस्सी लेकर जोहड़ की खुदाई का काम करता हूँ। इनकी बातों से तो ऐसा ही जाहिर हो रहा है कि ये गांव के सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा नहीं लेते। उपाध्यक्ष महोदय, जब तक हम समाज के कमजोर लोगों को विकसित और सम्पन्न नहीं बना लेंगे, जब तक हम समाज के गरीब लोगों की हमदर्दी नहीं प्राप्त कर लेंगे तब तक हमारा कोई कार्य सम्पन्न नहीं होगा और जब तक इन लोगों का विकास नहीं होगा तब तक किये गये कार्यों का कोई फायदा भी नहीं होगा। 1987 में चौधरी देवी लाल जी ने बुढ़ापा, विधवा और विकलांग पैंशन की स्कीम लागू की थी। उस वक्त यह राशि 100 रूपये प्रतिमास के हिसाब से देनी शुरू की गई थी। आज के दिन पैंशन भोगियों की संख्या पहले से तीन गुना बढ़ चुकी है और अब सरकार इस स्कीम पर हर साल 300 करोड़ रूपये खर्च कर रही है, यानि समाज के कल्याण के नाम पर खर्च कर रही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आज गरीब हरिजनों की लड़कियों की शादी पर कन्यादान स्कीम के तहत 5100 रूपये कन्यादान के रूप में दे रही है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने हरिजनों के बच्चों के लिए जे0बी0टी0 में दाखिले हेतु जो 50 प्रतिशत नम्बरों की आवश्यकता थी उसको कम करके 40 प्रतिशत किया ताकि हरिजन बच्चे भी अधिक से अधिक जे0बी0टी0 में दाखिला ले सकें। हमारी मौजूदा सरकार समाज कल्याण के नाम पर या हरिजनों के कल्याण पर जितने पैसे खर्च कर रही है उतने पैसे पहले की सरकारों ने कभी नहीं किये। हमारी मौजूदा सरकार अपने युवाओं के लिए अधिक से अधिक कार्य कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, हम इस देश के निर्माण में, समाज के निर्माण में इस प्रदेश के गरीब तबके को ऊपर उठाने के लिए युवकों की शक्ति को रचनात्मक कार्यों में लगाना होगा। जब हम इस तबके को यानि कि युवको को ऊपर उठा पायेंगे तभी सही दिशा में इस समाज को इनका लाभ हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, इस बात का ध्यान रखते हुए हमारी सरकार ने एक नई खेल नीति जारी की है। युवा और खिलाड़ियों की भावनाओं और विचारों को पहली बार महत्व दिया गया है और महसूस किया गया है। यही कारण है कि आज नौकरियों में भी 3 प्रतिशत की रिजर्वेशन हमारी सरकार खिलाड़ियों के लिए आरक्षित करने जा रही है। हरियाणा पुलिस के अन्दर 114 सिपाहियों को केवल खिलाड़ी होने के नाते उनकी भर्ती में कोटा रखा गया है। इस मंहगाई के जमाने में इससे पहले खिलाड़ियों की डाईट 30/- रूपये प्रति दिन होती थी हमारी सरकार ने इस 30/- रूपये प्रतिदिन की डाईट को बढ़ा कर 50/- रूपये कर दिया है। विभिन्न प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्द्धाओं में भाग लेने के लिए जाने पर गरीब परिवार के बच्चों के लिए बहुत मुश्किल होती थी उनका 75 प्रतिशत किराया माफ करने का फैसला इस सरकार ने लिया है। राष्ट्रीय अथवा अन्तराष्ट्रिय स्तर पर प्रतियोगिताओं में मान सम्मान और गौरव हासिल करने वाले हमारे साथियों के लिए सरकार ने इनामों की भी घोषणा की हुई है। राज्य एवं देश का नाम रोशन करने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 50 हजार रूपये का भीम अवार्ड देने की भी व्यवस्था की गई है। ओलम्पिक के अन्दर प्रथम स्थान पाने वाले और गोल्ड मैडल लाने वाले खिलाड़ी को एक करोड़ रूपया, रजत पदक पाने वाले को 50 लाख रूपये और कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 25 लाख रूपये इनाम के रूप में दिये जाते हैं। खिलाड़ियों का पहली बार इस प्रकार का मान सम्मान हुआ है। इसी प्रकार से सांटियागों में जूनियर वर्ल्ड एथलैटिक्स की स्वर्ण विजेता

[प्रो0 राम भगत ]

को भी सम्मानित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं आज समस्त हरियाणा के अन्दर, खेलों के लिए सुविधाएं दी जा रही हैं। खेल नर्सरियों और स्टेडियमों का जाल बिछाया जा रहा है। फरीदाबाद में 8.43 करोड़ रूपये की लागत से खेल परिसर का निर्माण किया गया है। पंचकूला के अन्दर 5 करोड़ रूपये की लागत से स्टेडियम बनाया जा रहा है। अम्बाला तथा गुड़गांव के अन्दर हॉकी के विकास के लिए आधुनिकतम टैक्नोलोजी के हिसाब से हॉकी को बढ़ावा देने के लिए एस्ट्रोटर्फ बनाया जा रहा है। इस तरह के ठोस कार्य चल रहे हैं। प्रदेश के अन्दर खेलों का नैटवर्क बिछाया गया है तथा स्पोर्ट एक्टीविटीज़ तेजी से शुरू हो गई हैं जिससे स्टेट में खेलों को पूरा बढ़ावा मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, देश के अन्दर और प्रदेश के अन्दर विकास में खेती का महत्वपूर्ण योगदान है लेकिन सिर्फ खेती से ही विकास होना सम्भव नहीं है। प्रदेश के विकास में खेती में सैचुरेशन यानि ठहराव की स्थिति आ गई है लेकिन इसके साथ ही किसानों पर कई प्रकार के प्रकोप भी आते हैं, इनपुट्स की कीमतें भी हर साल बढ़ती जा रही हैं इसलिए विकास को गति देने के लिए उद्योगों के विकास की ओर अधिक ध्यान देने की बहुत जरूरत है। हरियाणा सरकार ने प्रदेश को एक नई उद्योग नीति दी है जिसमें काफी दूरगामी और उदारवादी फैसले लिए गए हैं। हमारी सरकार ने दिल्ली के आसपास राष्ट्रीय राजधानी ऐरिया के अन्दर चार हजार एकड़ जमीन औद्योगिक लैण्ड बैंक के रूप में निर्धारित की है और कम से कम चार हजार करोड़ का पूंजी निवेश आकर्षित करने में हमारी सरकार कामयाब रही है। इससे 5-6 लाख बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा तथा आठ हजार करोड़ रूपये की अतिरिक्त इन्कम होगी। गुडगांव में इन्फर्मेशन टैक्नोलोजी पार्क बनाया जा रहा है। हमारी सरकार गुड़गांव को एक साईबर सिटी स्थापित करने की योजना बना रही है। इसके अतिरिक्त होण्डा मोटर्ज की तरफ से 1500 करोड़ रूपये की लागत से गुड़गांव में दुपहिया और तिपहिया वाहन बनाने के प्रोजैक्ट से काफी लोगों को रोजगार मिलेगा। इन्फर्मेशन टैक्नोलोजी के अन्तर्गत हरियाणा प्रदेश उत्तरी भारत में अग्रणी राज्य होगा। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, जो लोग अपनी मातृभूमि के लिए कुर्बानियां देते हैं वे धन्य हैं। प्रदेश के जो जवान अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए इस सरकार ने उनका भी पूरा मान और सम्मान किया है। जो देश शहीदों का मान-सम्मान नहीं करते वे देश ज्यादा दिनों तक टिके नहीं रह सकते। हमारी सरकार उन शूरवीरों और शहीदों की मांगों को, मजबूरियों को समझी और उनको प्रोत्साहन देने के लिए उनको दी जाने वाली 5 लाख की राशि को बढ़ाकर 10 लाख किया है। घायलों के लिए 6 लाख तक की सहायता निश्चित की है। इसके अलावा कारगिल के अन्दर जो जवान शहीद हुए थे उनके परिवारों के सदस्यों को नौकरियां दी जा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ होते हुए हम चाहे जो भी विकास कर लें, उन्नति कर लें इसका कोई फायदा नहीं होगा जबतक हम भ्रष्टाचारी रूपी दानव को अपने समाज से बाहर निकाल कर न फैंक दें। जब तक समाज में भ्रष्टाचार रहेगा तब तक कोई भी विकास का कार्य हुआ नहीं दिखेगा। इसलिए हमारी सरकार ने संकल्प किया है कि हम भ्रष्टाचार को जड़ से निकाल फैंकेगें। इसके लिए मुख्य मंत्री जी ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय के पास लोकायुक्त की नियुक्ति की सहमति के लिए बिल भेजा हुआ है। जब लोकायुक्त नियुक्त हो जाएगा तो जो हमारे साथी 15-15 करोड़ की बिल्डिंग बनाकर बैठे हुए हैं तो उसके बारे में जब इन्कवायरी होगी तो सबको पता चल जाएगा। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त नौकरी पैसे लेकर मिलती थी और आज लोग पैसे ले

कर घुमते हैं और उनको पैसे लेने वाला ही कोई नहीं मिलता है। अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में सदन के सारे साथियों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि जिस निष्ठा से और आत्मविश्वास के साथ हरियाणा को विकास के रास्ते में ले जाने के लिए देश में विकास कार्यों में अग्रणी राज्य बनाने के लिए जो प्रयास किए गए हैं उनसे शीघ्र ही यह प्रदेश बहुत खुशहाल होगा उसका अनुमोदन करें इसके साथ ही मैं आप सबका धन्यवाद करता हूँ।

**Mr. Speaker :** Motion moved-

That an address be presented to the Governor in the following terms,—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha Asssembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th March, 2001."

माननीय सदस्यगण, जो गर्वनर एड्रैस पर बहस का समय है वह एक मैम्बर के हिसाब से लगभग 9 मिनट का बनता है। बी0जे0पी0 का 55 मिनट का, कांग्रेस का 190 मिनट का और इसी हिसाब से हर पार्टी के मैम्बर्ज के हिसाब से सभी पार्टी का समय निर्धारित किया गया है। चौधरी भजन लाल जी अब आप बोलें।

**चौधरी भजन लाल** (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह जो आपने समय की बात की है यह मुनासिब नहीं है। बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिंग में यह फैसला लिया गया था कि सभी मैम्बर्ज को बोलने का समय दिया जाएगा।

**श्री अध्यक्ष :** मैंने कब किसी को बोलने से मना किया है हर मैम्बर को बोलने के लिए लगभग 9 मिनट का समय दिया जाएगा। आपकी पार्टी के पास तो 190 मिनट्स हैं यह समय 3 घंटे से भी ज्यादा बनता है। अब आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना शुरू करें।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने सदन में जो अभिभाषण पढ़ा है, वह अभिभाषण क्या था वह आप भी जानते हैं। वह अभिभाषण आज की जो मौजूदा सरकार है, उसके असत्य का पुलिंदा है। यह तो उनको पढ़ना ही था क्योंकि यह उनकी एक ड्यूटी थी। उनकी आत्मा इसको पढ़ने के लिए नहीं मान रही थी महामहिम राज्यपाल महोदय बार-बार पढ़ते हुए रूक जाते थे कि क्या पढ़ूं और क्या नहीं, क्या कहूँ और क्या नहीं, इसलिए महामहिम राज्यपाल महोदय को बहुत ही मजबूरी में यह अभिभाषण पढ़ना पड़ा।

12.00 बजे | महामहिम राज्यपाल बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति हैं बहुत अच्छे इंसान हैं उनके बारे में हम क्या कहें लेकिन सरकार के बारे में आप अंदाजा लगाएं कि इन्होंने बगैर आकंड़ों के राज्यपाल महोदय को जो अभिभाषण बनाकर दिया है वह ठीक नहीं है। आज हरियाणा प्रदेश में हर तरह से लोग इतने दुखी हैं कि जिनके बारे में जितना कुछ भी कहा जाए वह कम है। आज इस सरकार की जितने शब्दों में निन्दा की जाए मैं समझता हूँ कि वह उतनी ही थोड़ी है। अध्यक्ष महोदय, आप इस सरकार का हर लिहाज से अंदाजा लगा सकते हैं कि लोग आज इनके साथ कहां तक हैं। अभी चार तारीख को भिवानी में एक रैली हुई थी। अगर आप उस रैली को देखते तो आप दिल से महसूस करते कि आपने जिंदगी में इतनी बड़ी रैली कभी नहीं देखी होगी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप इन सबको बैठाएं। अगर ये इसी तरह से मुझे टोकेंगे तो मेरा मोशन टूट जाएगा इसलिए कृपा करके आप इनको रोकिए।

**श्री अध्यक्ष :** आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, वह रैली इस बात को साबित करती है कि लोगों ने एक तरह से इस सरकार के प्रति अविश्वास पारित कर दिया है। उस रैली को देखने के बाद लोगों का इस सरकार के प्रति विश्वास नहीं रहा है। इन्होंने भी कल कुरूक्षेत्र में प्रधानमंत्री जी को बुलवाया था। मुख्य मंत्री जी वहां गए थे और सारी सरकारी मशीनरी भी वहां पर लोगों को इक्टठा करने में लगी हुई थी। इन्होंने कहा हुआ था कि किसी भी तरह से भीड़ जुटाओ और भिवानी रैली से ज्यादा भीड़ करो। अध्यक्ष महोदय, इनकी उस रैली में दस हजार के करीब तो सरकारी कर्मचारी ही थे। जब इस तरह की रैली में प्रधानमंत्री जी आते हैं तो उनकी सिक्योरिटी की वजह से काफी सरकारी कर्मचारी होते हैं। काफी लोग इन्होंने सादी वर्दी में बिठाकर रखे हुए थे। इसलिए दस हजार के करीब तो सरकारी कर्मचारी ही वहां पर थे। इनकी रैली के बारे में तो आम आदमी का भी यही कहना है कि उसमें बड़ी मुश्किल से 25 या तीस हजार आदमी होंगे। (विघ्न) पत्रकार भी यहाँ बैठे हुए हैं इनमें से भी कई गए होंगे। इसलिए इनको भी पता है कि कौन सी रैली बड़ी थी। अध्यक्ष महोदय, आप ऐसा करें कि इस बारे में एक कमेटी पांच इंडीपैंडैंट लोगों की बना दें वह कमेटी जाकर देख लेगी कि भिवानी रैली बड़ी थी या आपकी कुरूक्षेत्र की रैली बड़ी थी। अगर वे पांच महानुभाव आकर कह देंगे कि भिवानी रैली से कुरूक्षेत्र की रैली बड़ी थी तो जो आप कहेंगे हम वैसा ही कर लेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एक तरफ प्रधान मंत्री की रैली हो और एक तरफ हमारे जैसे छोटे-छोटे लोगों की रैली हो और वह रैली उससे दस गुना बड़ी हो जाए तो क्या यह इस सरकार के खिलाफ फतवा नहीं है और यह फतवा इस बात का है कि इस सरकार में लोगों का विश्वास नहीं रहा (विघ्न) आप चुप रहें। आपको मंत्री बनाया है चौटाला को मै जानता हूं यह ऐसे ही मंत्री बनाने वाला नहीं है यह ** ** है। (शोर एवं विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** यह जहरी शब्द अनपार्लियामेंट्री है इसे रिकार्ड न किया जाए।

**मुख्य संसदीय सचिव** (श्री रामपाल माजरा) : ओम प्रकाश चौटाला तो हरियाणा प्रदेश की शान हैं।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, इस तरह से इस सरकार ने लोगों के साथ धोखाधड़ी की है।

**मुख्य मंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, बात तो चौधरी भजन लाल की ठीक है जब चौधरी देवी लाल इस प्रदेश के मुख्य मंत्री थे तो इन्होंने इन दोनों छोरों के सिर पर हाथ रखकर शामिल होने की बात कही थी, मैंने तो कोनी शामिल होने दिया।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, चौटाला बेचारा किस बाग की मूली है जिसके पिता श्री को चौधरी भजन लाल ने धूल चटा रखी हो वे भजन लाल का मुकाबला करते हैं, देश जानता है, आदमी को बात ठीक करनी चाहिए।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि मैं यहां बैठा हूं और आप वहां बैठे हैं।

**चौधरी भजन लाल :** चौधरी साहब यह गलती हमारी हुई है। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** ये भी बता दूं कि आजीवन रिड़-रिड़ के मर जइयो, इधर आने का नंबर नहीं आएगा।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जनता के साथ असत्य वायदे किये, इतनी धोखाधड़ी जनता के साथ की है कि हमने बिजली ये कर दी, पानी ये कर दिया और ला एण्ड आर्डर ठीक है। फलां ठीक है। (विघ्न) मैं अभिभाषण पर ही चर्चा कर रहा हूं। इस सरकार ने लोगों के साथ बड़ी धोखाधड़ी करके, असत्य बोलकर गद्दी हथिया ली और अब ये क्या कहते हैं। (विघ्न) इस गद्दी पर इन्हें बिठाने वाला मैं ही हूं। हम लोगों ने ही बेचारे बंसी लाल को हटाया। (हंसी)

**चौधरी बंसी लाल :** मैं बेचारा नहीं हूं बेचारे ये होंगे। (शोर)

**श्री अध्यक्ष :** चौधरी बंसी लाल जी ने क्या कहा सुनाई नहीं दिया।

**श्री बंसी लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैंने तो इतना ही कहा है कि मैं बेचारा नहीं हूं, बेचारे ये होंगे।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, बेचारे से मेरा मतलब यह था कि चौधरी बंसी लाल जी भले आदमी हैं शरीफ आदमी हैं। लेकिन चौटाला साहब को मैं बेचारा नहीं कह सकता क्योंकि ये तो बहुत खतरनाक आदमी हैं, बहुत तेज आदमी हैं। ये बड़ी गलत बातें कहकर पता नहीं प्रदेश की जनता की कब आंखें बांध दें। जब इनका राज नहीं था तो ये लोगों से कहते रहे कि कोई भी भाई बिजली का बिल मत भरे। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है यह बातें अखबारों में भी आई हैं। 26 सितम्बर को इन्होंने जींद में अपने भाषण में प्रदेश की जनता से यह कहा था कि कोई भी भाई बिजली का बिल न भरे। चौटाला साहब ईमानदारी से खड़े होकर यह कह दें कि ऐसा इन्होंने नहीं कहा था। आज ये चौधरी देवी लाल जी, जोकि हमारे बुजुर्ग हैं पिता समान हैं उनको खड़ा करके कहलवा दें कि इसने ऐसा नहीं कहा था। ये गीता पर हाथ रखकर कह दें कि इन्होंने ऐसा नहीं कहा था कि कोई भी भाई बिजली का बिल न भरे या फिर भजन लाल गीता पर हाथ रख कर कहता है कि इन्होंने ऐसा कहा था। भजन लाल ही आज सदन में ऐसा मैम्बर है, जो 1968 से लगातार सदन का मैम्बर बनता आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, लोगों को गुमराह करके उनसे गलत बात कह कर कि कोई भी भाई बिजली का बिल न भरे और आज लोगों को कहते हैं कि बिजली का बिल भरो और ब्याज समेत भरो, नहीं भरोगे तो तुम्हारे बच्चों को स्कूल में दाखिला नहीं मिलेगा, जब तक बिजली बोर्ड से एन0 ओ0 सी0 नहीं लाओगे . . . (विघ्न) मैं यह अर्ज कर रहा था कि आज सारे प्रदेश की जनता परेशान हो रही है क्योंकि उनको कहा जा रहा है कि बिजली के बिल नहीं भरोगे तो बिजली नहीं मिलेगी। आज प्रदेश में यह हालत हो गई है कि लोगों को दिन में तीन घण्टे भी बिजली नहीं मिल रही है। बिजली के बिना जनता परेशान है। फिर कह दिया कि पानी बिजली फ्री देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार पानी की तो बात ही नहीं करती। पानी प्रदेश में बिल्कुल नहीं है। आज प्रदेश के किसान बिजली और पानी के लिए त्राहिमाम-2 कर रहे हैं और इस सरकार को 100-100 मन की गालियां देते हैं जिनका मैं यहां हाउस में जिक्र नहीं कर सकता। इस बात को प्रदेश की जनता ने भिवानी रैली में साबित कर दिया। इस रैली में 5 लाख लोग आए हुए थे। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री भागी राम :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है अभी भजन लाल जी ने कहा कि चौ0 ओम प्रकाश चौटाला ने हरियाणा से बिजली और पानी खत्म कर दिया तो मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि बिजली और पानी चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी ने खत्म किया तो जूते इनको क्यों पड़े। इनको हार का मुंह क्यों देखना पड़ा।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, जैसी आदमी की शक्ल होगी, वैसी ही तो बात करेगा। इनको यहां कोई अच्छी बात करनी चाहिए, उल्टी-सीधी बातें नहीं करनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार में तीन ए0 बी0 सी0 का राज चल रहा है। ए0 से अजय सिंह चौटाला बी0 से जिनका मैं जिक्र नहीं करना चाहता और सी0 से चौटाला भाई हैं। ये अपनी मनमानी कर रहे हैं।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी ए0 बी0 सी0 की बड़ी चर्चा करते हैं, बाहर भी करते हैं और यहां विधान सभा में भी करते हैं। मैंने जब 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फहराया था तो मेरे सामने एक बोर्ड लगा हुआ था जिस पर लिखा था कौन बनेगा करोड़पति। ये परिवार उसी के 0 बी0 सी0 पर अमल करता है यानि कुलदीप सिंह, भजन लाल और चन्द्र मोहन। इनकी यही राजनीति है कि जनता के गाढ़े खून पसीने की कमाई को लूटो।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं असैम्बली में चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी को चैलैंज करता हूं कि ये भी इस्तीफा दे दें और मैं भी इस्तीफा दे देता हूं। जहां से ये कहेंगे मैं चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं चाहे आदमपुर से, भट्टू से, फतेहाबाद से, हिसार से, नरवाना से।

**श्री कृष्ण लाल पंवार :** अध्यक्ष महोदय, ये करनाल से चुनाव लड़कर दिखाएं।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा मैं करनाल से भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं और पानीपत से भी तैयार हूं।

**श्री अभय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है विपक्ष के नेता चौ0 भजन लाल जी ने अभी कहा कि मैं अपने विधान सभा क्षेत्र से इस्तीफा दे देता हूं और चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी अपने विधान सभा क्षेत्र से इस्तीफा दे दें। हरियाणा की जनता और विधान सभा क्षेत्र के लोग यह फैसला करें कि आज कौन लोकप्रिय है। आदरणीय चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी को इन्होंने जो चैलैंज किया है उसे मैं स्वीकार करता हूं। (इस समय मेजें थपथपाई गईं) मैं अपने विधानसभा क्षेत्र से इस्तीफा दे देता हूं और ये अपने विधान सभा क्षेत्र से इस्तीफा दे दें। ये मेरे विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ें और मैं इनके विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, लड़ाई बराबर के पहलवान से होती है न कि छोटे पहलवान से। अभय चौटाला तो मेरे लड़के के बराबर है मैं इससे कैसे लड़ाई लड़ सकता हूं। अगर अभय लड़ना चाहता है तो चन्द्रमोहन के साथ लड़े। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री चन्द्र मोहन :** अध्यक्ष महोदय, मैं मेरे माननीय साथी अभय चौटाला को चैलैंज करता हूं कि यदि वे दोबारा चुनाव लड़ना चाहते हैं तो वे अपने रोड़ी विधान सभा क्षेत्र से इस्तीफा दें और मैं कालका विधान सभा क्षेत्र से इस्तीफा दूंगा और दोनों एक दूसरे की जगह चुनाव लड़ेंगे। इनको पता लग जायेगा कि जनता किनको चाहती है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अभय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं भाई चन्द्र मोहन के चैलैंज को स्वीकार करता हूं। इसके साथ चौधरी भजन लाल जी को भी कहना चाहूंगा कि वे भी अपनी विधान सभा सीट से इस्तीफा दे दें और उनकी सीट से भी चुनाव लड़ लूंगा। मैं इन दोनों की ही सीट से अकेला चुनाव लडूंगा और सबको पता चल जायेगा कि जनता किसकी तरफ है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम कुमार नगूरा :** अध्यक्ष महोदय, मैं भी जय प्रकाश बरवाला जी को चैलैंज करता हूं कि वे अपनी सीट से इस्तीफा दें और मैं अपनी सीट से इस्तीफा दे दूंगा और दोनों एक दूसरे के यहां से चुनाव लड़ें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री जय प्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, मैं कटवाल साहब के चैलैंज को स्वीकार करता हूं। यदि मैं हार गया तो मैं राजनीति ही छोड़ दूंगा और मैं दावे के साथ कहता हूं कि अगर ये मेरे सामने चुनाव लड़ेंगे तो इनकी जमानत जब्त हो जायेगी। मैं अभी आपके समक्ष अपना इस्तीफा देता हूं और कटवाल साहब भी अभी इस्तीफा दें। (इस समय कांग्रेस के विधायक श्री जय प्रकाश हाउस की लोबी में आ गये।) (शोर एवं व्यवधान)

**राव इन्द्रजीत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, जनता किसके पक्ष में है अगर सरकार यही देखना चाहती है तो पूरी असैम्बली इस्तीफा दे दे और गवर्नरज़ रूल लागू कर दिया जाये। सबको पता लग जायेगा कि जनता मौजूदा सरकार के एक साल के कार्यकाल से कितनी खुश है।

**श्री बंसी लाल :** अध्यक्ष महोदय, मेरा सभी साथियों से निवेदन है कि हमें फ़ालतू की बातों को छोड़कर सीरियस बातों पर बहस करनी चाहिए।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, चुनाव लड़ने-लड़ाने के टोपिक पर चर्चा में बहुत समय लग जायेगा और सबको पता ही है कि कौन आदमी कितने पानी में है तथा जनता किसको चाहती है। लेकिन अब मैं इन सब बातों को छोड़ता हूं और गवर्नर साहब के एड्रैस पर चर्चा करता हूं। अध्यक्ष महोदय, बिजली आदमी के जीवन में महत्वपूर्ण रोल अदा करती है लेकिन मौजूदा सरकार ने अपने कार्यकाल में एक भी नया प्रोजैक्ट बिजली का नहीं लगाया। हमने मौजूदा सरकार को पिछले सैशन में और उससे पिछले सैशन में कहा था कि हम आपको एक साल का समय देते हैं। हमने एक साल तक इनको कुछ नहीं कहा। हमने इनकी तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखा। एक साल का समय काम करने के लिए सरकार के पास काफी था लेकिन इन्होंने कोई कार्य नहीं किया। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री कृष्ण लाल पवार :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। चौधरी भजन लाल जी ने कहा है कि हमारी सरकार ने बिजली का कोई नया प्रोजैक्ट नहीं लगाया। इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि 1989 में चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी और उन्होंने उस समय पानीपत थर्मल प्लांट के छटे यूनिट का उद्घाटन किया था जो 210 मैगावाट का था। उस समय उसके लिए 197.6 करोड़ रुपये का सामान खरीदने के आर्डर कर दिए थे और उसका 100 प्रतिशत फीलिंग का काम करवाया था तथा 100 करोड़ रुपये का सामान खरीदा गया था। 1991 में चौधरी भजन लाल जी की सरकार आई, उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई। लेकिन 7-8 साल तक उस प्रोजैक्ट को किसी ने हाथ नहीं लगाया। उस प्रोजैक्ट का काम रुक गया। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने इस प्रोजैक्ट का कार्य फिर से

[श्री कृष्ण लाल पंवार]
शुरु करवाया और अब यह प्लांट मार्च 2001 के अंत तक कार्य करना शुरु कर देगा और इससे 210 मैगावाट बिजली मिलेगी।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि हमने इनको एक साल का समय दिया था और कहा था कि एक साल तक भजन लाल कोई जलसा नहीं करेगा। हमने एक साल तक कोई जलसा नहीं किया अगर कोई किया तो बहुत कम किया। हमने कहा था कि हम एक साल तक कुछ नहीं बोलेंगे और आप एक साल के अन्दर वो सारे वायदे पूरे करके दिखायें जो कि इन्होंने जनता के साथ किये थे लेकिन इन्होंने कोई वायदा पूरा नहीं किया। तब हमने जनता के सामने जाकर मीटिंग की और जनता ने दोनों हाथ खड़े कर दिये कि इस सरकार को चलता करो। भिवानी की जन सभा में पांच लाख आदमी थे। अब हमारा इस सरकार को चैलेंज है कि यह सरकार लम्बीचौड़ी चलने वाली नहीं है। जब जनता खिलाफ हो जाती है, जनता का साथ और समर्थन नहीं होता है तो वह सरकार नहीं चल सकती। चौधरी देवी लाल जी कहा करते थे कि लोक लाज से लोक राज चलता है। क्या लोक लाज इनके पल्ले है, लोक लाज इनके पल्ले नहीं है। (शोर) अगर लोक लाज होती तो इनको बरसों ही इस्तीफा दे देना चाहिए था और इस्तीफा देकर चले जाते लेकिन नहीं। ये मेरे बड़े भाई तेज आदमी हैं इनसे धकम-पेल में इस्तीफा ले लें तो ले लें अन्यथा ये खुद इस्तीफा देने वाले नहीं हैं। हमेशा से इनका यही सिस्टम रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसलिये मैं अर्ज करना चाहता हूं कि ये अपने जवाब में बता दें कि इन्होंने एक साल या सवा साल के दौरान कोई काम किया हो। कई साथी कहने को तो बड़े-बड़े गुणगान कर देंगे, बहुत से भाई मंत्री बनने के चक्कर में यूं ही गुणगान कर रहे थे, लेकिन असलियत में आज जनता इनसे हर तरह से परेशान है, दुःखी है। सबसे जरूरी बात एस0 वाई0 एल0 कैनाल की है। पीछे छः तारीख को पंजाब में बादल साहब ने थीन डैम का उद्घाटन करवाया उसमें हमारा बिजली का भी इक है और हमारा इक होना भी चाहिए। भाई कर्ण सिंह दलाल ने ठीक प्वाइंट उठाया था और उस बारे में कालिंग अटैंशन मोशन भी दी थी लेकिन आपने उसे रिजैक्ट कर दिया जो कि ठीक नहीं है। जब एस0 वाई0 एल0 कैनाल में हमारा पानी का शेयर है तो बिजली का शेयर क्यों नहीं है। उसमें बिजली का शेयर भी होना चाहिए लेकिन ये लोग इस बात का जवाब दे नहीं सकते और न ही इस बारे में इन्होंने अभिभाषण में कोई जिक्र किया है। अखबारों में तो कह दिया कि थीन डैम में हमें भी बिजली मिलनी चाहिए। क्या ऐसे कोई बिजली दे देगा। जो एस0 वाई0 एल0 कैनाल बनी हुई है वह भी मेरी सरकार के वक्त में मेरे और मेरे साथियों की वजह से बनी हुई है, कांग्रेस की वजह से वह नहर बनी हुई है। इन्होंने एस0 वाई0 एल0 नहर का कोई शेयर पंजाब से नहीं मांगा क्योंकि पंजाब के प्रकाश सिंह बादल इनके पगड़ी बदल भाई हैं। (शोर)

**श्री राम कुमार नगूरा :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी को कहना चाहूंगा और चौधरी बंसी लाल जी भी यहां बैठे हुए हैं उनको भी पता है और यह रिकार्ड की बात है कि इस नहर की खुदाई न तो चौधरी बंसी लाल ने करवाई और न ही चौधरी भजन लाल ने करवाई। (शोर) यह तो चौधरी देवी लाल की सरकार के समय में हुई है।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश की जनता को पता है कि किस टाईम इस नहर की खुदाई शुरु हुई थी और कितनी खुदाई किसके टाइम में हुई थी। यह रिकार्ड में है। ऐसे जुबानी तो ये कुछ भी कहते रहें। इनको भी याद होगा कि चौधरी भजन लाल ने ही

श्रीमती इंदिरा गांधी जी को लाकर कपूरी के पास पिपली गांव में पंजाब व हरियाणा बोर्डर पर एस0 वाई0 एल0 नहर की आधारशिला रखवाई थी। अध्यक्ष महोदय मैं अर्ज कर रहा था कि आज ये एस0 वाई0 एल0 नहर का नाम नहीं लेते क्योंकि बादल की दोस्ती में इन्होंने प्रदेश का काफी नुक्सान किया है और इतना नुक्सान कर दिया है जिसका कोई अन्त नहीं है। अध्यक्ष महोदय मैं कह रहा था कि एक तरफ तो बिजली के रेट बढ़ाने की बात है और दूसरी तरफ पानी का आबियाना बढ़ाकर डबल ही नहीं बल्कि डबल से भी ज्यादा नुक्सान कर दिया है। आज किसान को एक एकड़ गेहूं का आबियाना 60/-रुपये देना पड़ रहा है जो कि पहले 30/-रुपये देना पड़ता था। इसी प्रकार गन्ने का आबियाना जो पहले किसान को 40/-रुपये देना पड़ता था वह अब 80/-रुपये देना पड़ रहा है।

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी, कितने दिन के 80/-रुपये देने पड़ते हैं?

**चौधरी भजन लाल :** स्पीकर सर, एक फसल के एक एकड़ के 80/-रुपये देने पड़ते हैं।

**श्री अध्यक्ष :** फिर तो थोड़ा ही है।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष जी, ठीक है और बढ़वा दो। जैसे किसी ने चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी से पूछा कि बिजली नहीं आती तो इन्होंने कहा कि लालटेन जला लो। जब लोगों ने कहा कि लालटेन तो अब रही नहीं तो फिर इन्होंने कहा कि ठीक है, मोमबत्ती जला लो। अच्छी बात है, हम तो कहते हैं कि ये ऐसी-ऐसी बातें करते रहें तो आगे चलकर इनको पता चलेगा कि ये खड़े कहां हैं ? अध्यक्ष महोदय, आज बिजली, पानी और लॉ एण्ड आर्डर की इतनी बुरी हालत है जिसका कोई अन्त नहीं है। कोई भी आदमी आज दिन-दहाड़े लोगों को धमकी देकर चला जाता है, मंडियों में लोगों को कई धमकियां आती हैं कि इतना रुपया चाहिए और यह भेज दो नहीं तो उठा ले जाएंगे। आप जी0 टी0 रोड पर जा कर अम्बाला, करनाल और पानीपत तथा हिसार साईड में जाकर देखें वहां पर दिन दहाड़े लड़कियों को उठा लिया जाता है।

**श्री रामपाल माजरा :** चौधरी साहब आप अपने शासनकाल की बात भूल गए। आपके समय में रेणुका काण्ड, सुशीला काण्ड और द्रोपदी काण्ड हुए थे।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को क्या कहूं। ये गलत बात कर रहे हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि हर लिहाज से इस सरकार को इस गद्दी पर बैठने का कोई अधिकार नहीं रहा। आज जनता इनकी हर बात में परेशान है। चाहे आप बिजली की बात ले लें चाहे पानी की बात ले लें। इस सरकार के समय में प्रदेश के एक भी आदमी को रोजगार नहीं मिला। अगर कोई काम करवाना है तो वह बगैर पैसा दिए नहीं होता है। आज प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार है जिसका कोई अन्त नहीं है। हर लिहाज से लोग परेशान हैं। अगर सिपाही की भर्ती के लिए आज कोई नौजवान दरखास्त देना चाहे तो उसको 500 रुपये देने पड़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पर हाउस टैक्स लगा दिया है। अध्यक्ष महोदय,चौधरी बंसी लाल जी ने शराबबन्दी की थी उस समय उन्होंने कुछ टैक्स लगा दिए थे। उन टैक्सों के बारे में चौटाला साहब कहते थे कि बंसी लाल ने बारह सौ करोड़ रुपये के टैक्स लगा दिए मैं मुख्यमंत्री बनते ही सारे टैक्स वापिस ले लूंगा। यह बात इन्होंने यहां हाउस में भी कही थी और हाउस से बाहर भी कही थी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने पहले तो शराबबन्दी की, फिर बाद में खोल दी। चौधरी बंसी लाल जी ने किन हालात में शराब बंद की और किन हालात में खोल दी वह तो चौटाला साहब बता देंगे।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** उस समय शराब पकड़ी जाए आपके घर और बताऊं मैं। वह तो चौधरी बंसी लाल जी ने पकड़वाई थी।

**श्री बंसी लाल :** वह तो सी0 बी0 आई0 ने पकड़ी थी।

**चौधरी भजन लाल :** उस बात की मुझे कोई चिन्ता नहीं है। अदालत ने कहा था कि मेरे यहां कोई शराब नहीं पकड़ी गई। आपके कहने से क्या होता है। आपके कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार से लोग हर तरफ से परेशान हैं। इन्होंने कहा था कि मैं इस कुर्सी पर आते ही टैक्स वापिस ले लूंगा लेकिन इन्होंने टैक्स वापिस लेने की बजाय प्रदेश की जनता पर और टैक्स लाद दिए। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने जो गलत काम किए हैं उनके बारे में तो बताना ही पड़ेगा। चाहे वह हाउस टैक्स लगाने की बात हो और चाहे चुंगी की बात हो, बिजली के रेट बढ़ाने की बात हो और चाहे पानी के रेट बढ़ाने की बात हो, इस सरकार ने हर क्षेत्र में टैक्स बढ़ाए हैं। (शोर)

**श्री रामपाल माजरा :** करनाल की जनता ने आपकी पी0 एच0 डी0 की डिग्री फाड़ कर आपको आपके घर बैठाने का काम किया था।

**चौधरी भजन लाल :** मैं तो आपके सामने आपकी छाती पर मूंग दल रहा हूं। मैं तीन महीने बाद ही यहां पर 47 हजार वोटों से जीत कर आया, क्या कोई और साथी इतने वोटों से जीत कर आया है ?

**श्री रमेश कुमार खटक :** स्पीकर साहब, हमारे माननीय सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला रिकार्ड वोटों से जीत कर आए हैं और इतने वोटों से आज तक इस हाउस में कोई भी सदस्य जीत कर नहीं आया है।

**श्री अभय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी भजन लाल जी ने बोलते हुए कहा कि मैं 47 हजार वोटों से जीत कर आया था और विधान सभा के अन्दर एक रिकार्ड कायम किया है। स्पीकर साहब, इन्होंने रिकार्ड तो बहुत सारे बनाये हैं। जहां तक चुनाव जीतने के रिकार्ड की बात है मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारी पार्टी ने और मैंने चुनाव जीतने का रिकार्ड बनाया है। मेरे खिलाफ इनकी पार्टी के कैन्डीडेट ने चुनाव लड़ा था। इनकी पार्टी के अध्यक्ष लगातार वहां पर चुनाव प्रचार करते रहे। आज हरियाणा प्रदेश में और देश के अन्दर चुनाव जीतने का रिकार्ड कायम किया है तो वह हमने कायम किया है। यह रिकार्ड हरियाणा प्रदेश का ही नहीं है बल्कि देश का है। इतने अधिक वोटों से आज तक कोई भी विधायक विधान सभा में जीतकर नहीं पहुंचा। मैं भजन लाल जी को याद दिलाना चाहूंगा कि इनके समय में रिकार्ड तो बने थे लेकिन वे आया राम गया राम के बने थे। उस वक्त हरियाणा प्रदेश आया राम गया राम के नाम से प्रसिद्ध हो गया था। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मैं 96 प्रतिशत वोट लेकर चुनाव जीत कर आया हूं।

**चौधरी भजन लाल :** नौजवान साथी मैं आपको क्या कहूं ? जहां तक आया राम गया राम की बात आपने कही उस बारे मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि आपके दादा चौधरी देवी लाल जी ने केवल एक दिन में ही 18 बार पार्टियां बदली थीं। यह एक रिकार्ड है और यह रिकार्ड आपके दादा चौधरी देवी लाल जी का ही है। आप जैसा एक रिकार्ड चौधरी बंसी लाल जी ने भी बाई

इलैक्शन में बनाया था लेकिन अगला चुनाव वे हार गए थे। आप लोगों ने वोट ही नहीं डालने दिये। आपने बाई इलैक्शन में रिकार्ड बनाया है। जनरल इलैक्शन में आपका रिकार्ड नहीं है। मेरा जनरल इलैक्शन का रिकार्ड है, वह भी आपकी सरकार के रहते हुए।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** भजन लाल जी आपकी सरकार में मैं जीता और मेरा बाप जीता। मैंने बाई इलैक्शन में नरवाना से चुनाव जीता था। (शोर एवं विघ्न)

**चौधरी भजन लाल :** जो सही बात है हम उसको मान लेते हैं। हम तथ्यों को स्वीकार करते हैं। आपकी तरह तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं करते। (शोर एवं विघ्न)

**श्री अभय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि चौधरी बंसी लाल जी ने भी रिकार्ड बनाया था। मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि उस वक्त हरियाणा के हितों को ध्यान में रखते हुए इनके खिलाफ किसी ने कोई कैन्डीडेट खड़ा नहीं किया था। उस वक्त सभी ने उस चुनाव का बाईकाट किया था क्योंकि उस वक्त बंसी लाल जी ने ऐसे हालात पैदा कर दिए थे कि जिसके विरोध में किसी विरोधी पार्टी ने उस चुनाव में भाग नहीं लिया था। मेरे चुनाव में बाकायदा आपकी पार्टी के केन्द्रीय स्तर के नेताओं ने चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया था। हर स्थान पर आपने अपने एजैंट मुकर्रर किये उसके बावजूद भी हमारी पार्टी खानि मैं चुनाव जीत कर आया और भारी बहुमत से जीतकर आया। इस चुनाव में कहीं पर कोई भी धांधली नहीं हुई।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को मानता हूं कि यह बहुत ही अच्छे हैं, ये अपने बाप से ज्यादा अच्छे हैं ये अपने दादा से भी बहुत अच्छे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं आपसे यह अर्ज करना चाहता हूं कि आज देश में केन्द्र के अन्दर इनकी मिली-जुली सरकार है और यहां प्रदेश में भी इनकी मिली-जुली सरकार है। चाहे बी0 जे0 पी0 को ओम प्रकाश चौटाला जी न मानें, चाहे गालियां दें लेकिन उन बेचारों की मजबूरी है। सैंटर में इनके पांच एम0 पीज0 हैं इसलिए इनकी बात सुनना उनकी मजबूरी है। जब कभी वक्त आएगा तो वे अपना हिसाब-किताब इनको बता देंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही अब सवाल यह है कि अभी तक किसान के गेहूं का भाव तय नहीं हो पाया है, ये लोग किसानों के गेहूं का भाव सरकार से तय नहीं करवा पाए हैं। जब-जब कांग्रेस की सरकारें रहीं हैं तब-तब किसानों को गेहूं के ज्यादा भाव मिले हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय यह तो रिकार्ड की बात है कहने से क्या होता है। एक रुपया या डेढ़ रुपये का भाव तो तब बढ़ता था जब चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे, यह उस वक्त की बात है (विघ्न) जब केन्द्र में भजन लाल कृषि मन्त्री था तो कैबिनेट में यह फैसला किया गया था और यह रिकार्ड की बात है कि किसान को गेहूं के भाव 25/- रुपये प्रति क्विंटल ज्यादा मिले थे। इतना भाव कम से कम बढ़ाया था जो कि रिकार्ड की बात है। यह कोई फर्जी बात नहीं है। लेकिन आज अभी तक गेहूं का भाव तय नहीं हो पाया है, किसान का गेहूं खलिहान में आने वाला है और ये लोग यहां पर बैठे हुए मौज कर रहे हैं। फिर ये लोग कहते हैं कि हरियाणा में उद्योग आ गए हैं। (विघ्न)

**श्री कृष्णपाल गुर्जर :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। चौधरी भजन लाल जी कह रहे हैं कि उन्होंने गेहूं का भाव 25/- रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया था। मैं इनको यह याद दिला दूं कि वाजपेयी जी की सरकार में गेहूं का भाव 95/- रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा है। (इस समय मेजें थपथपाई गईं) (विघ्न एवं शोर)

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, अभी तक किसानों के गेहूं का भाव तय नहीं हो पाया है इससे ज्यादा लज्जा की बात कोई और हो ही नहीं सकती है। इससे बुरी और कोई बात नहीं हो सकती है। अभी तक गेहूं का स्पोर्ट प्राईस तय नहीं हुआ है। आज देश में किसान की क्या हालत हो रही है। किसान देश की अर्थ-व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है लेकिन इस सरकार को उनकी कोई चिन्ता नहीं है, उनकी कोई परवाह नहीं है। आज प्रदेश में किसान के लिए बिजली नहीं, पानी नहीं, भाव नहीं, हर प्रकार से लोग परेशान हैं और बेहद परेशान हैं। (विघ्न)

**नगर एवम् ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। माननीय चौधरी भजन लाल जी को अपनी बातें याद आ रही हैं। श्रीमती चन्द्रावती जी विपक्ष की नेता थीं और यमुनानगर में सरस्वती मिल के सामने हमारी पार्टी के बाकी 20 एम0 एल0 एज0 प्रदर्शन कर रहे थे। तब चौधरी भजन लाल जी ने गन्ने का भाव एक रुपया बढ़ाया था, उस समय हरियाणा का किसान बरबाद हो रहा था (विघ्न) इन्होंने 50 पैसे चुंगी के और 50 पैसे गन्ने का रेट बढ़ाया था, उसके विरोध के रूप में हम वहां पर गये थे। इन्सानियत नाम की कोई चीज उस वक्त की सरकार में नहीं थी। चौधरी साहब ने कहा था कि श्रीमती चन्द्रावती पर ठण्डे पानी की बौछार करवाई जाए और हमारी विरोधी पक्ष की नेता पर ठण्डा पानी डाला गया था। अध्यक्ष महोदय, क्या इससे बढ़ कर दर्दनाक बात कोई और हो सकती है ? (विघ्न)

**श्री कंवर पाल :** अध्यक्ष महोदय, मेरा पवांयट ऑफ आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि केवल चन्द्रावती पर ही नहीं यमुनानगर में उस वक्त जो भी प्रमुख लोग थे उनके पीछे घोड़े दुड़वाए गए थे और उनको डण्डे भी मरवाए गये थे। (शेम-शेम की आवाजें)

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मेरा आप से एक अनुरोध है। कृपा करके कोई ऐसी बात न कहें जिसका किसी मैम्बर को जवाब देना पड़े या टोकना पड़े। यह बात तो समझ में आती है लेकिन हर बात में खड़े हो कर बोलने लग जाएं यह मुनासिब बात नहीं है। अगर इसी प्रकार से हमारे लोग भी बीच में बोलेंगे तो फिर क्या स्थिति होगी, हाउस की कार्यवाही ठीक प्रकार से चल नहीं पाएगी। अध्यक्ष महोदय, आपकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, आप अध्यक्ष हैं हम सब के कसटोडियन हैं। कृपा करके हाउस को ठीक लाईन पर चलाएं। ये लोग बीच में इस प्रकार से टोकें यह मुनासिब बात नहीं है। (विघ्न)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के नेता की बात से शत-प्रतिशत सहमत हूं। सदन का समय बहुत बहुमूल्य है और उसको बरबाद न किया जाए। उसका एक मात्र रास्ता यही है कि विपक्ष के सदस्य अभिभाषण पर चर्चा करते वक्त अभिभाषण तक ही सीमित रहें। अन्यथा आप किसी पर कटाक्ष करेंगे तो उसका जवाब सुनने के लिए भी तैयार रहें इसलिए भजन लाल जी आप से ही नहीं बल्कि मैं पूरे सदन से कहूंगा कि वे कोई हैल्दी सुझाव दें, अपने अच्छे विचार रखें जिससे प्रदेश को लाभ हो।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने बहुत ही अच्छा उपदेश दिया है यह कृपा करके अपने लोगों को भी समझाएं। आज किसानों की क्या हालत है इनसे आज तक गेहूं का स्पोर्ट प्राईस ही तय नहीं हो पाया है। मैं यह बताना चाहूंगा कि पिछले वक्त जीरी का जो स्पोर्ट प्राईस तय किया गया था उससे 100-150 रुपये प्रति क्विंटल कम भाव पर जीरी बिकी थी।

आज वही हाल गेहूं का होने वाला है इसलिए मेरा आपसे कहना है कि आप फौरन गेहूं के भाव की घोषणा करें। अगर केन्द्र सरकार समय पर भाव नहीं तय कर पा रही है तो आप अपने ही लैवल पर गेहूं के भाव तय कर दें। आज चाहे एस0 सीज0 हैं, बी0 सीज0 हैं या और मायनोरिटी के लोग हैं तथा जो भी कर्मचारी हैं वे इनसे बहुत ही परेशान हैं। मेरे पास बहुत से कर्मचारियों की एप्लीकेशंज हैं। ये कहते हैं कि हम कर्मचारियों को निकाल रहे हैं उनकी छटनी कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये इसलिए यह सब कर रहे हैं क्योंकि ये अपने चहेतों को लगाना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों की जो भी दरख्वास्तें मेरे पास आई हैं, वे मैं आपके पास भेज दूंगा और आप इनको मुख्यमंत्री जी को दे देना। मेरे पास हरियाणा हैल्थ के, हरियाणा कान्फैड, बिजली बोर्ड के बर्खास्त कर्मचारियों की एप्लीकेशंज, पुलिस विभाग के सिपाहियों की, हरियाणा राजकीय अध्यापक संघ के कर्मचारियों की एप्लीकेशंज हैं और हांसी स्पीनिंग मिल जो चल रही थी उसको इन्होंने बंद कर दिया वहां पर 6-7 हजार कर्मचारी काम कर रहे थे आज उन कर्मचारियों की क्या दशा है उन सभी की एप्लीकेशन्ज मेरे पास हैं, मैं वे सभी आपको दे दूंगा। आज प्रदेश के कर्मचारी बहुत ही परेशान हैं जो कि मैं यहां पर ब्यान नहीं कर सकता हूं। ज्यादा कुछ कहूंगा तो इनको परेशानी होगी। जब-जब भी देश या प्रदेश में गैर कांग्रेसी सरकारें आई हैं तो कर्मचारियों की बहुत ही बुरी हालत हुई है और कांग्रेस सरकार ने ही आकर उनको सम्भाला है। चाहे उन गैर कांग्रेसी सरकारों में श्री वाजपेयी जी की सरकार आई हो या चौधरी चरण सिंह की सरकार आई हो। आज तक कांग्रेस ने ही देश की स्थिति को सम्भाला है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी विपक्ष के नेता से कहा था कि वे इधर उधर की बातें न करें परन्तु फिर भी ये अनर्गल बातें कहने से बाज नहीं आ रहे हैं। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि जब भी विपक्ष की सरकार बनी है तब तब गेहूं के भाव बढ़े हैं। जब देवगौड़ा जी की सरकार आई तो उन्होंने गेहूं के भाव में 95 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ौतरी की है। जब वाजपेयी जी की सरकार आई तो उन्होंने भी गेहूं के भाव में 95 रुपये प्रति क्विंटल बढौतरी की है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो कभी एक रुपया प्रति क्विंटल और कभी डेढ रुपया प्रति क्विंटल बढ़ा कर किसानों के साथ मजाक किया गया था। भजन लाल जी ने कहा था कि अगर केन्द्र सरकार गेहूं का भाव तय नहीं करती है तो स्टेट गवर्नमैंट अपने तौर पर गेहूं के भाव तय करके घोषणा कर दे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह हमारे अधिकार क्षेत्र की बात तो नहीं है लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि केन्द्र की सरकार पिछले साल के मुकाबले में इस बार गेहूं के दाम ज्यादा बढ़ाएगी। मैंने तो यह पब्लिकली भी कहा है और आज सदन में फिर कह रहा हूं कि अगर किसानों को गेहूं के लाभप्रद मूल्य नहीं मिले तो हरियाणा की सरकार हरियाणा सरकार के खजाने से किसानों को बोनस देगी।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, ये ऐसे ही कहते हैं। सरकार ने हमेशा से ही पहले भाव तय किये हैं। लेकिन जब भी गैर कांग्रेसी सरकारें बनीं तब-तब लोगों को अपना गन्ना खेतों में जलाना पड़ा था। गेहूं की क्या हालत थी उसको मंडियों में उठाने वाला कोई नहीं था लेकिन जब इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री बनी थीं तो उन्होंने उसका सपोर्ट प्राईस तय किया था और उसके बाद ही हालत जाकर ठीक हुई थी। ये कहने को कुछ भी कहते रहें उसके कुछ मायने नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, कल प्रधान मंत्री जी कुरुक्षेत्र में आए थे इन्होंने उनके बड़े गुणगान किये यहां तक कि उनको इन्होंने महादेव तक बना दिया कि महादेव की जय हो। (विघ्न)

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी, आप भाषण न दें क्योंकि यह कोई राजनीतिक स्टेज नहीं है बल्कि यह विधान सभा है। आप गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलें।

**चौधरी भजन लाल :** इतनी बात तो मैं भी जानता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कल कुरुक्षेत्र में कह दिया कि 5700 करोड़ रुपये हमें सहायता के रूप में दिया जाए क्योंकि आपने पंजाब को इतना दे दिया फलानी जगह इतना दे दिया लेकिन उन्होंने चूं तक नहीं की। वे केवल*** मुस्कराते रहे बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि वे मुस्कराए भी नहीं।

**श्री अध्यक्ष :** यह अनपार्लियामैंटरी शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, अगर वे मुस्कराकर कह देते तो हमारी बात समझ में आ जाती। (विघ्न) अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में मैं ऐसी कोई बात नहीं कहना चाहता वे अच्छे आदमी हैं। लेकिन इन्होंने उनको खुश करने की बहुत कोशिश की पर वे खुश नहीं हुए। अगर ये कोई अच्छा काम करते तो वे खुश भी होते इन्होंने तो कोई अच्छा काम किया ही नहीं। बी0 जे0 पी0 के भाई खुश होते तो वे कुछ कह भी देते। बी0 जे0 पी0 वालों ने उनसे कह रखा था कि कुछ मत देना। अगर आपने कुछ दे दिया तो यह सबको मार देंगे। इसलिए उन्होंने एक पैसा भी इनको नहीं दिया, केवल भाषण करके चले गये। अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत ज्यादा बोलने का समय नहीं लूंगा क्योंकि अभी बहुत से साथियों ने बोलना है।

**श्री अध्यक्ष :** आप 55 मिनट बोल चुके हैं।

**चौधरी भजन लाल :** मेरे पास बोलने को तो बहुत ज्यादा पुलिन्दा है लेकिन मैं अपने हिसाब से बोलूंगा। मुझे पता है कि मुझे कौन सी बात बोलनी है और कौन सी बात साथियों के लिए छोड़नी है। अध्यक्ष महोदय, इनके पास तो कुछ बोलने के लिए है नहीं। इनके कुछ साथी मंत्री पद के उम्मीदवार हैं इसलिए वे इनकी तारीफ के गुण गा रहे हैं। अभी भगवान सहाय रावत जो एक अच्छे आदमी हैं हमारे दोस्त भी हैं, इनकी बड़ी तारीफ कर रहे थे। उनको सुनकर हमें भी वैसे ही शर्म आ रही थी जैसे गवर्नर साहब को अभिभाषण पढ़ते हुये शर्म आ रही थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह सरकार एक साल के अर्से में हर प्रकार से नाकाम रही है इसलिए अब इस सरकार को और लम्बे समय तक समय नहीं दिया जा सकता। अब हम इस सरकार को चलता करेंगे। अन्त में आपके सहयोग के लिए शुक्रिया।

**श्री धर्मपाल सिंह :** अध्यक्ष महोदय, दिनांक 5 मार्च, 2001 को राज्यपाल महोदय ने (विघ्न)

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे से नाम मांगे थे तो मैंने आपको एक लिस्ट दी थी, यदि आपके पास रिकार्ड नहीं है तो उस लिस्ट की कॉपी मैं आपको दे देता हूं।

**श्री अध्यक्ष :** मैं उस लिस्ट में से ही नाम बुला रहा हूं।

**चौधरी भजन लाल :** हमने जो लिस्ट दी है उसके हिसाब से बुलाइए।

**श्री अध्यक्ष :** आपने जो नाम दिये हैं उनमें कहीं प्रिफरैंस नहीं है।

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आप नंबरवाईज बुलायें। एक नम्बर पर हमने जय प्रकाश का नाम दिया है। आप पहले राव धर्मपाल को बुला रहे हो, यह बात ठीक नहीं है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ ऑर्डर है। (शोर एवं विघ्न)

**श्री जय प्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लिस्ट में पहले नम्बर पर है आप मुझे पहले बोलने का मौका दें।

**श्री अध्यक्ष :** आप डिसिप्लन में रहिए। यह आपकी कार्यवाही ठीक नहीं है आप अपना आचरण सुधारें।

**श्री जय प्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, जब मेरा नाम पहले नम्बर पर है तो मैं ही बोलूंगा। आप मेरा नाम बोलने से क्यों घबरा रहे हैं।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, ***

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी, जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। लिस्ट में जिनके नाम हैं उन सभी को बोलने का मौका दिया जाएगा। (विघ्न)

**चौधरी भजन लाल :** ***

**परिवहन मंत्री** (श्री अशोक कुमार) **:** भजन लाल जी आपकी मर्जी से हाउस नहीं चलेगा। स्पीकर साहब की मर्जी से हाउस चलेगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** चौधरी भजन लाल, थोड़ा अपने सदस्यों को काबू में करो। कोई भी आदमी अपनी सीट छोड़कर यहां आकर बात नहीं करेगा। आपकी तरफ से लिस्ट आई है। स्पीकर की अथौरिटी को सदन का कोई सदस्य चैलेंज नहीं कर सकता है। यह स्पीकर की मर्जी पर है कि किसको बुलाए, किसको कब समय दे। आपकी लिस्ट में कहीं यह प्वाइंट आउट नहीं है कि किसको पहले बुलाएं। कहीं लिखित में यह नहीं कि प्रिफरैंस से बुलाया जाए। स्पीकर की अथौरिटी को चैलेंज करना हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर के पद की गरिमा को बरकरार रखा जाएगा।

**श्री अध्यक्ष :** आप सभी बैठ जाएं। आप सभी को बोलने का मौका दिया जाएगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** लिस्ट में तो भजन लाल का नाम भी नहीं है लेकिन क्योंकि चर्चा में पहले विपक्ष के नेता को बोलना चाहिए इसलिए स्पीकर साहब ने उन्हें बोलने के लिए कहा था।

**श्री अध्यक्ष :** राव धर्मपाल सिंह, आप बोलिए।

**राव इन्द्रजीत सिंह :** सी0 एम0 साहब, आपने वह लिस्ट कहां से देख ली जो आपने प्रिफरैंस की बात कह दी। स्पीकर निष्पक्ष रूप में होता है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** स्पीकर साहब ने वह लिस्ट पढ़कर सुनाई है।

**राव इन्द्र जीतसिंह :** कहां पढ़कर सुनाई है और कब पढ़ी है, बताईये।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

13.00 बजे **चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आप मेहरबानी करके हाउस का माहौल खराब मत कीजिए। बात कुछ नहीं है मामूली सी बात है।

**श्री अध्यक्ष :** जयप्रकाश जी को भी बोलने का समय दिया जायेगा।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैंने जो सदस्यों की लिस्ट आपको दी है उस लिस्ट में बोलने वाले सदस्यों में श्री जयप्रकाश (बरवाला) जी का नाम एक नम्बर पर है आप इनको पहले बोलने का समय दें। यही मेरा आपसे निवेदन है।

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी आप बैठिये। (विघ्न) अब धर्मपाल जी आप बोलिये अगर आपको नहीं बोलना है तो मैं दूसरी पार्टी के सदस्य को बोलने के लिए इन्वाइट करता हूं। श्री कंवरपाल जी, बी0 जे0 पी0 के सदस्य बोलें।

**श्री कंवरपाल :** अध्यक्ष महोदय.....

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आप हमें वाक आऊट करने के लिए क्यों मजबूर करते हैं आप जयप्रकाश जी को बोलने का समय दें। जे0 पी0 क्या इनको खा जायेगा, ये जे0 पी0 से इतने क्यों डरते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसे काम नहीं चलेगा।

**श्री अध्यक्ष :** आप बैठ जाइये सभी सदस्यों को बोलने का समय मिलेगा।

**श्री जयप्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, हमारी बात तो सुनिए। आप इनको तो प्वायंट ऑफ आर्डर के लिए भी बोलने का समय दे देते हैं और हमारी बात नहीं सुनते।

**श्री अध्यक्ष :** जयप्रकाश जी आपको तो चैम्बर में बुलाकर कायदे कानून समझाने पड़ेंगे यह कोई दंगल नहीं है।

**श्री जयप्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, मैं तो बैठ जाऊंगा। लेकिन आप हमारे अधिकारों का हनन कर रहे हैं यह गलत बात है।

**श्री अध्यक्ष :** आप बैठ जाइये।

**श्री धीरपाल सिंह :** स्पीकर सर, मेरी एक सबमिशन है।

**श्री जयप्रकाश :** अध्यक्ष महोदय, मेरे बोलने पर इनको क्या तकलीफ है।

**श्री धीरपाल सिंह :** जयप्रकाश जी मेरी बात सुनिये। स्पीकर सर, मैं आपसे विनती करुंगा कि कानून में जो व्यवस्था है वह यह है कि हाउस की कार्यवाही को चलाने के लिए, चाहे वह अभिभाषण हो या बजट हो उसकी चर्चा में कौन-कौन सदस्य भाग लेंगे, अलग-अलग पार्टियों के चीफ व्हिप होते हैं और वह चीफ व्हिप फैसला करता है कि उनकी पार्टी के कौन-कौन सदस्य सदन में बोलेंगे उसके बाद स्पीकर साहब को कानून के हिसाब से यह अधिकार होता है कि उस लिस्ट में से किस सदस्य को किस समय बुलाना है। इसके लिए ये स्पीकर साहब के अधिकार को चैलेंज नहीं कर सकते परन्तु ये तो स्पीकर साहब के अधिकार को भी चैलेंज कर रहे हैं।

**चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी बहुत पुराने इस सदन के मैम्बर हैं। यहां तो सिर्फ कोआप्रेशन की बात है। आपने बी0 ए0 सी0 की मीटिंग में यह आश्वासन दिया था कि सभी सदस्यों को बोलने के लिए समय दिया जायेगा।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, ये माननीय सदस्य स्पीकर की हैसियत को ही चैलेंज क्यों कर रहे हैं।

**चौधरी भजन लाल** : अध्यक्ष महोदय, आपने कहा था कि सभी सदस्यों को बोलने के लिये समय दिया जायेगा। इसलिए हमने अपने मैम्बर्ज के नाम मैम्बर्ज वाईज बोलने के लिए आपको दिए थे। मेरी आपसे प्रार्थना है कि कृपा करके आप मैम्बर्ज वाईज हमारे सदस्यों को बोलने के लिए कहें।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, हमने यह कहा था कि जो भी सदस्य बोलना चाहेगा उसको बोलने का पूरा समय दिया जायेगा इसके लिए चाहे हमें सदन को कितना लम्बा भी क्यों न चलाना पड़े। इस अभिभाषण की चर्चा पर सभी सदस्यों को बोलने का समय दिया जायेगा। परन्तु ये माननीय सदस्य स्पीकर साहब की हैसियत को चेलैंज क्यों कर रहे हैं।

**श्री जयप्रकाश** : अध्यक्ष महोदय, जब मेरा नम्बर लिस्ट में पहला है तो आप मुझे पहले बोलने के लिए समय दें।

**श्री अध्यक्ष** : जयप्रकाश जी आप बैठिये। कँवरपाल जी आप बोलिये।

**राव इंद्रजीत सिंह** : स्पीकर सर, मेरी बात सुनने की कृपा करें। हम मानते हैं कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह कहा है कि हम सभी सदस्यों को बोलने का समय देंगे लेकिन इसके लिए मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि पार्टी की स्ट्रैंथ के मुताबिक बोलने का समय दिया जाएगा। लीडर ऑफ दि अपोजीशन से नाम मांगे गए हैं तो उसके हिसाब से तो बोलने का समय दिया जाए। (शोर)

**प्रो० सम्पत सिंह** : अध्यक्ष महोदय, राव इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि सबको बोलने का समय दिया जाए तो मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने आश्वासन दिया है कि सबको बोलने का समय दिया जाएगा। राव इन्द्रजीत सिंह जी पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं, पार्लियामैंटेरियन रहे हैं और हैं भी। जहां तक इन्होंने रूल्ज की बात कही है तो मैं इनको कौल एण्ड शकधर की बुक का हवाला देना चाहूंगा उसके पेज 814 पर

**"Selection of Members called upon to speak"** में लिखा है—

> "The Speaker determines the order in which he would call upon members to speak to a member cannot indicate the order in which he should be called.
>
> List of spokesmen are supplied by whips of the parliamentary party and groups to enable the Speaker to select members so as to ensure a well regulated and balanced debate. He is, however, not bound by such lists...."

मैं यह किताब और मैम्बर्ज को नहीं दिखा रहा। राव इन्द्रजीत सिंह जी आपने तो यह किताब पढ़ी है फिर भी आप ऐसी बात कर रहे हैं।

**राव इन्द्रजीत सिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इस बुक में यह भी लिखा हुआ है कि विधान सभा के सैशन में रूलिंग पार्टी को बोलने के लिए अपोजीशन से कम समय मिलता है तो उसके अनुसार ये क्यों नहीं चलते। पिछले सैशन में इन्होंने हमें बोलने नहीं दिया उस सैशन में नो-कौंफीडैंस मोशन हाउस के सामने रखा गया था और जब उस पर

डिबेट करने का समय आया तो कह दिया कि बिजनैस ट्रांसैक्ट कर दिया गया है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला** : अध्यक्ष महोदय, मैं राव इन्द्रजीत सिंह जी को याद दिलाना चाहूंगा कि जब ये इस तरफ बैठा करते थे और मैं विपक्ष में होता था, हमें बोलने नहीं दिया जाता था। विपक्ष के नेता को सदन से निकाल दिया जाता था, उस में इनकी भी बराबर की भागीदारी होती थी। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री राम किशन फौजी** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि पिछले सैशन में विपक्ष के नेता तो वाक आऊट करके चले गए थे। बंसी लाल जी और मुझे ही विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ी थी।

**प्रो० सम्पत सिंह** : अध्यक्ष महोदय, अभी राव इन्द्रजीत सिंह जी कह रहे थे कि हाउस में नो-कॉंफीडैंस मोशन आया था और इनको उस पर बोलने नहीं दिया गया था तो मैं इनको याद दिलाना चाहूंगा कि जब नो-कॉंफीडैंस मोशन पर बोलने का समय आया था तो ये वाक आउट करके चले गए थे। आज तक इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि विपक्ष सरकार के विरुद्ध नो कॉंफीडैंस मोशन लाये और उस पर बगैर चर्चा करे, बिना वोटिंग कराये सदन से बाहर चली जाये। (शोर एवं व्यवधान) विपक्ष को तो नो-कांफीडैंस मोशन पर बहस करनी चाहिये लेकिन मेरे विपक्ष के भाईयों ने ऐसा नहीं किया था।

**श्री अध्यक्ष** : राव धर्मपाल जी अब आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलें।

**राव धर्मपाल** (सोहना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन हरियाणा प्रदेश के अंदर एक तरह से अराजकता फैली हुई है। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा है कि पिछले साल हरियाणा में 130.69 लाख टन खाद्यान्नों का रिकार्ड उत्पादन हुआ था जबकि लक्ष्य 122.50 लाख टन का रखा गया था और इस बार 133.44 लाख टन खाद्यान्नों के उत्पादन होने की आशा है। अध्यक्ष महोदय, किसान की फसल तभी ज्यादा होगी जब किसान को उचित बिजली, पानी और खाद मिलेगा। इस समय किसानों की फसल की पकाई का समय चल रहा है। आज के दिन कागजों में तो दिखाया हुआ है कि किसानों को सिंचाई के लिए एक दिन छोड़ एक दिन 12 घंटे बिजली दी जा रही है लेकिन मेरे सोहना हल्के में तो 5-6 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं आ रही और इन 5-6 घंटे में भी बिजली 2-3 बार ट्रिप कर जाती है। मैं अपने वहां से गेहूं की तीन-चार बाल तोड़कर लाया था मुझे नहीं पता था कि आज मुझे बोलने का अवसर मिलेगा। यदि मुझे पता होता तो वे बाल मैं यहां लेकर आता और हाउस में सबको दिखाता। पानी की कमी के कारण उनमें गेहूं का दाना बहुत मरा हुआ है, उसकी पकाई ठीक से नहीं हो रही है। यह बात आप सबको मालूम है आप सब भी तकरीबन मेरी तरह किसान ही हैं। आज के दिन किसानों के साथ बहुत ज्यादा ज्यादती हो रही है और यह ज्यादती बर्दाश्त के काबिल नहीं है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा कि पिछले साल इतनी बिजली ज्यादा दी गई और इस दफा इतनी देंगे। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जो बिजली फालतू दी गई वह किसानों को तो मिली नहीं पता नहीं किसको दी गई। दूसरी तरफ बिजली के जो रेट बढ़ाये गये हैं वह भी ठीक नहीं हैं। दक्षिणी हरियाणा में किसान के ट्यूबवैल साल में 6 महीने चलते हैं और 6 महीने बंद रहते हैं। जब वे 6

महीने ट्यूबवैल चलाते ही नहीं तो उस दौरान का उनसे बिल क्यों लिया जाता है क्योंकि दक्षिणी हरियाणा सिंगल क्रोप एरिया है और वहां पर एक ही फसल साल में की जाती है। अब सरकार ने पांच होर्स पावर की मोटर का बिल 572 रुपये, साढ़े सात होर्स पावर की मोटर का बिजली का बिल 872 रुपये महीने के हिसाब से कर दिया है। यह किसान पर बहुत ही ज्यादा बोझ डाल दिया गया है जो कि नाजायज है। अध्यक्ष महोदय, यदि कोई आदमी एक चीज को यूज ही नहीं करता तो उसका बिल भी नहीं आना चाहिए लेकिन फिर भी दक्षिणी हरियाणा के किसानों को बिल भरना पड़ रहा है। दक्षिणी हरियाणा के अंदर ट्यूबवैल्ज का जल स्तर दिन-प्रति-दिन नीचे जा रहा है। जहां तीन होर्स पावर की मोटर चलती थी वहां पांच होर्स पावर की मोटर की जरूरत है, जहां पांच होर्स पावर की मोटर चलती थी वहां साढ़े सात होर्स पावर की मोटर की आवश्यकता है और साढ़े सात की जगह 10 या 12 होर्स पावर की मोटर की आवश्यकता पड़ रही है। महेन्द्रगढ़ के अंदर तो 15 होर्स पावर की मोटर की आवश्यकता भी पड़ने लग गई है। अध्यक्ष महोदय, जब किसान अपनी मोटर की हार्स पावर बढ़ाने के लिए एक्सीयन या एस0 डी0 ओ0 के पास जाता है तो उसे 2000 रुपये भरने पड़ते हैं जो कि बहुत ज्यादा हैं।

**सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू :** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। मैं राव साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री महोदय ने मोटर की हार्स पावर बढ़ाने की कीमत 2000 से कम करके 31 मार्च तक 500 रुपये कर दी है।

**राव धर्मपाल :** अध्यक्ष महोदय, 31 मार्च के बाद क्या होगा। क्या तब मोटर की हार्स पावर बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किसान पढ़ा-लिखा नहीं होता है अगर वह किसी वजह से भूल जाए और उसके वहां छापा पढ़ जाए तो चार हजार रुपये प्रति हार्स पावर के हिसाब से चार्जिज वसूल किये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, कोई किसान 3-4 किल्ले वाला हो और उसे 20 हजार रुपये जुर्माना देना पड़ जाए तो वह कहां से देगा क्योंकि 3-4 किल्लों में इतनी राशि की तो उसकी फसल भी नहीं होगी। मैं समझता हूं कि सरकार को इस विषय में कुछ सोचना चाहिए। जैसा कि अभी कृषि मंत्री कह रहे थे कि ऐसे चार्जिज कम कर दिये गये हैं। अगर कम कर दिये गये हैं तो अच्छी बात है अगर नहीं किये गये तो इस बात पर विचार जरूर किया जाए क्योंकि किसान इतने भारी बोझ को सहन नहीं कर सकता। इस बात के लिये किसान बहुत बुरी तरह से हा-हा कार मचा रहे हैं। दूसरी तरफ गवर्नर महोदय के अभिभाषण में औद्योगिक विकास का जिक्र किया गया है। इस सम्बन्ध में मैं खास तौर पर मानेसर की आई0 एम0 टी0 के बारे में बोलना चाहूंगा जिसके लिये तकरीबन 1500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की गई थी और उसके प्लाट्स भी मेरे ख्याल से बिक चुके हैं क्योंकि पिछले दिनों काफी शोर मचा था कि दिल्ली में फैक्ट्रियां बन्द हो गई हैं। लेकिन मैं सदन में एक बात कहना चाहूंगा कि जिन किसानों की जमीनें 150/- रुपये या 125/- रुपये मीटर के भाव ले ली गई हैं और सरकार उसे 1300/- रुपये से 1500/- रुपये प्रति मीटर के हिसाब से बेच रही है। इतना बड़ा मार्जन जो है वह तो किसानों के साथ एक धोखा है। यह बात हमारी समझ में नहीं आई। अगर 100/-, 200/- या 400/- रुपये उस पर डवैलपमैन्ट चार्जिज के भी लगाएं व कुछ और खर्चे भी शामिल कर लें तो भी काफी फर्क रह जाता है और मैं समझता हूं कि किसानों को उनकी जमीन की बहुत कम कीमत मिली है। पीछे जो मुआवजा दिया गया था वह एकैवट तो मुझे याद नहीं है लेकिन तकरीबन छः-सात लाख रुपये दिये गये थे। एक दिन मैंने अखबार में पढ़ा था जिसमें एम0 डी0, एच0 एस0 आई0 डी0

[राव धर्मपाल]

सी0 ने ब्यान दिया था कि हम 15 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों की जमीन लेने जा रहे हैं और वह जमीन डवैल्प करने के बाद 25 लाख रुपये प्रति एकड़ पड़ेगी। अगर उन आंकड़ों को देखते हुए भी हिसाब लगायें तो जो 1300/- रुपये से 1500/- रुपये प्रति मीटर जमीन बिक रही है उसमें फिर भी 800/- रुपये का बीच का फर्क रह जाता है। इसलिये मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह इस बारे में विचार करे और ज्यादा से ज्यादा मुआवजा किसानों को दिया जाए। पहले मेरे एक साथी भी बोल रहे थे, मेरा ख्याल है कि श्री राम बीर जी ने चर्चा की थी कि इस आई0 एम0 टी0 में होंडा मोटर साईकिल के प्लांट्स लगाये जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, उसमें चार, पांच या छः बड़े-बड़े प्लांट लगने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह एरिया मेरे हल्के में आता है और मैं आते-जाते देखता रहता हूं इसलिये मुझे इस सम्बन्ध में जानकारी है। अध्यक्ष महोदय, वहां जो प्लांट्स लग रहे हैं उनकी हालत यह है कि वे हमसे बात करने को भी तैयार नहीं हैं। यह बात मैं इस लिये नहीं कह रहा हूं कि हमें उनसे मोटर साईकिल चाहिए अगर कोई मोटर साईकिल लेगा तो उसके पैसे भी देगा। यह बात मैं इसलिये कह रहा हूं कि जिन किसानों की जमीनें ली गई हैं उन किसानों के बच्चों को इन फैक्ट्रियों में नौकरियां मिलनी चाहिएं। क्योंकि उनका और कोई सहारा नहीं रहा। उन किसानों के बच्चों का उन फैक्ट्रियों में काम करने का हक है इसलिये योग्यता के अनुसार उनके बच्चों को इन फैक्ट्रियों में रोजगार मिलना चाहिए। हम यह नहीं कहते कि मैट्रिक फेल आदमी को मैनेजर लगा दिया जाए फिर तो प्रोजैक्ट चलेंगे कैसे। जिन किसानों की जमीन ली गई उनके बच्चों को खास तौर पर योग्यता के अनुरूप फैक्ट्रियों में काम मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो आज किसानों की जमीन तो रही नहीं और बच्चों को फैक्ट्रियों में नौकरी भी न मिली तो दो चार साल में ऐसी हालत हो जाएगी कि ये लोग रोडज पर आ जाएंगे और हो सकता है कि ये लोग तंग आकर अपनी जान भी दे दें और इन फैक्ट्रियों को भी न चलने दें। ऐसी समस्याएं पैदा न हों उससे पहले ही सरकार को इस मसले पर विचार करना चाहिए। खास तौर से जिन किसानों की जमीन जाती है उनके बच्चों को हर हालत में इन फैक्ट्रियों में रोजगार दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां जन स्वास्थ्य की बात है तो राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में पढ़कर सुनाया कि तकरीबन सभी गांवों को वाटर सप्लाई से जोड़ दिया गया है और 55 लीटर से 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी मुहैया कराने हेतू योजना बन रही है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में एक बड़हा सिकन्दरपुर गांव है जिसको अभी तक वाटर सप्लाई के लिये दूसरे गांव से जोड़ा हुआ था। अब हालत यह है कि उस गांव में पानी की आपूर्ति पूरी नहीं हो पाती है तो फिर वे बड़हा सिकन्दरपुर गांव को पानी कहां से देंगे ? इसलिये मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि बड़हा सिकन्दरपुर के साथ-साथ और भी जो गांव ऐसे हैं जहां वाटर सप्लाई नहीं है उन गांवों को वाटर सप्लाई से जोड़ा जाए। अध्यक्ष महोदय, सड़कों की हालत के सम्बन्ध में भी मैं बताना चाहूंगा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि काफी सड़कों की मुरम्मत हुई है। मैं विपक्ष का सदस्य हूं फिर भी जो काम हुए हैं उनकी प्रशंसा किये बिना नहीं रहता। सड़कों की रिपेयर हुई और काफी मात्रा में हुई है लेकिन कुछ सड़कें रिपेयर होने से रह गई हैं। (इस समय सत्ता पक्ष की ओर से मेजें थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, एप्रोच रोडज की रिपेयर हुई है मैं यह बात मानता हूं और कुछ रोडज की रिपेयर का काम चल रहा है लेकिन टीकली गांव से बादशाहपुर गांव तक का 8 किलोमीटर का एप्रोच रोड है उसकी हालत बहुत ही खराब है उस रोड पर श्री

-व्हीलर, मोटर साईकिल भी नहीं चल सकते हैं उस एप्रोच रोड को भी ठीक करवाएं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में यह भी पढ़ कर सुनाया कि हर गांव को सड़क से जोड़ दिया गया है। मेरे हल्के में एक ऐसा गांव है जिसको आज तक सड़क से नहीं जोड़ा गया है। मेरे हल्के में बडखेड़ा से हाजीपुर को सड़क से नहीं जोड़ा गया है इसलिए सरकार से मेरी गुजारिश है कि यह सड़क भी बनाई जाए ताकि वहां पर लोगों को परेशानी न हो।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** ऐसा तो कोई गांव नहीं होना चाहिए जो सड़क से न जुड़ा हो।

**राव धर्मपाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि बडखेड़ा से हाजीपुर कच्चे रास्ते से हो कर जाना पड़ता है।

**श्री ओम प्रकाश चौटाला :** वह ढाणी होगी।

**राव धर्मपाल :** नहीं जी, उस गांव की 250 से ज्यादा की आबादी है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक परिवहन की बात है। गांवों में कुछ ऐसी नई बात चली है जिसकी तरफ मैं मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा। पहले गांवों में जा कर बसें रात को रुकती थीं उन बसों को बंद कर दिया गया है। ऐसा करने से जो स्टूडैंटस स्कूलों में पढ़ने के लिए आते जाते हैं और जो कर्मचारी डेली पैसेंजर हैं उनको बहुत दिक्कत हो रही है। उनके लिए यह परेशानी खड़ी हो गई है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन बसों को दोबारा चालू किया जाए ताकि स्टूडैंटस और कर्मचारियों को परेशानी न हो। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यातायात की सुविधा के लिए पुलिस का एक दस्ता तैयार किया है जो नैशनल हाई-वे पर गश्त करता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको कल ही की एक बात बताना चाहूंगा। कल मेरे हल्के के एक गांव में एक दंगल था मैं वहां से ईनाम बांट कर आ रहा था। यह बात सात या साढ़े सात बजे की है वह दस्ता चलती गाड़ियों को रोक कर उन गाड़ी वालों से सरेआम उनके कागज छीन रहा था जबकि उस दस्ते का मुसाफिरों को सुविधा देने का काम है लेकिन वह दस्ता मुसाफिरों के साथ ज्यादती कर रहा था। मैं उसमें इन्टरफियर करना चाहता था लेकिन मैं डर गया क्योंकि मैंने इस अखबार को परसों पढ़ लिया था। इसमें हमारे एक साथी विधायक के साथ पुलिस ने दुर्व्यवहार किया था जिसके कारण पुलिस के तीन कर्मी भी निलम्बित किए गए हैं। वह विधायक कलायत हल्के से हैं मेरा तो उनसे व्यक्तिगत परिचय भी नहीं है शायद वे यहां हाउस में बैठे होंगे। इस बात को मैंने सोचा कि अपनी इज्जत अपने हाथ में है इसलिए मैं वहां से चला आया शायद यह बात आपके पास नहीं आ पाती होगी। मैं चाहूंगा कि सरकार उस दस्ते की चैकिंग के लिए दूसरा स्टाफ लगाए जो यह देखे कि आया वह दस्ता ठीक से काम कर रहा है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं परसों अपने हल्के से यहां सैशन अटैंड करने के लिए आ रहा था तो मैंने देखा कि सोनीपत और पानीपत के बीच में एक्सीडैंट से एक कार में आग लग गई। मैंने वहां अपनी गाड़ी रोकी और दूसरे मुसाफिरों ने भी अपनी गाड़ियां वहां पर रोकीं। हम सबने उस गाड़ी की आग को बुझाने की कोशिश की। हमने उस समय कहा कि उस पुलिस दस्ते को बुलाया जाए लेकिन हमारे पास उनका कोई भी टैलीफोन नम्बर नहीं था। हम सभी लोग वहां पर आधा पौने घंटे तक देखते रहे उस गाड़ी की आग हमसे नहीं बुझ सकी क्योंकि आग बुझाने के लिए हमारे पास धूल के सिवाय कुछ नहीं था जो हमारे पास पीने के पानी की एक आध बोतल थी वह भी हमने उस पर फैंकी लेकिन आग नहीं बुझ पाई और वह गाड़ी जल कर राख हो गई। लेकिन हमने उस गाड़ी के मुसाफिरों को बचा लिया और

[राव धर्मपाल]

उसके अन्दर जो सामान था वह भी हमने बाहर निकाल लिया। मैं कहना चाहूंगा कि ऐसे दस्ते बनाने पर सरकार का खर्चा भी होता है अगर उसका कोई फायदा ही न हो तो उस बारे में सरकार को सोचना चाहिए। जी0 टी0 रोड पर जगह जगह उनके हैडक्वार्टर बने हुए हैं। एन0 एच0 नं0 8 पर खेड़की दोला एक गांव है वहां पर मैं उनका सीन देख कर आया हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात पशु पालन के बारे में कहना चाहूंगा। सभी को पता है कि किसान के पास अपनी जीविका चलाने के लिए दो ही साधन होते हैं एक खेती और दूसरा उसका पशुधन। आज के दिन पशुओं की कीमतें बहुत अधिक हो चुकी हैं। एक-एक भैंस या गाय की कीमत 20 हजार रुपये से लेकर 40 हजार रुपये तक है। किसानों को तकलीफ तब होती है जब उसको उसके पशुओं के लिए उचित अस्पतालों की सुविधा नहीं मिलती। मेरा आपके माध्यम से पशुपालन मंत्री महोदय से अनुरोध है कि जो पहले पशुओं के उपचार के लिए पोलिक्लिनिक स्कीम चलाई हुई थी, उसको पुनः चलाया जाये ताकि किसानों को अपने पशुओं का इलाज करवाने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। मेरे हल्के में भी नखड़ोला में इसी तरह की एक पोलिक्लिनिक पर 8-10 लाख रुपये सरकार के लगे हुए हैं। मैं चाहता हूं कि सरकार उसको चालू करवाये ताकि किसान लोग या पशु पालने वाले लोग उसका फायदा उठा सकें।

अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात कानून व्यवस्था की करना चाहूंगा। इस बारे में मैं ज्यादा न कहते हुए इतना कहना चाहता हूं कि जब आज के दिन एक विधायक के साथ दुर्व्यहार हो रहा है तो आम जनता के साथ क्या होता होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए जो बातें मैंने कहीं हैं सरकार उन पर ध्यान देते हुए अमल करे। अन्त में अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**Mr. Speaker :** Now, the House stands adjourned till 2.00 p.m. today, the 7th March, 2001.

*13.27 P.M. The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. today the 7th March, 2001.

---

33127—H.V.S.—H.G.P., Chd.